ठंड में हार्ट का जोखिम

हरिभूमि रायपुर भूमि

- नसों में सिकुड़न से दिल पर अतिरिक्त दबाव और खून गाढ़ा होने से क्लाटिंग का खतरा
- अक्टूबर से जनवरी तक बढ़ जाते हैं एसीआई की ओपीडी में डेढ़ से दो गुना मरीज

सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में हार्ट अटैक के रोज तीन केस

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ठंड का मौसम शुरू होते ही हृदय संबंधी रोगों का जोखिम बढ़ गया है। लगातार ठंड के संपर्क में रहने से नसों में सिकुड़न और खून गाढ़ा होने की समस्या हो सकती है, जो हार्ट फेल्यिर अथवा अटैक का कारण बन सकता है। आंबेडकर अस्पताल के एसीआई में हार्ट अटैक जैसी शिकायत के साथ औसतन तीन मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों की मानें, तो अक्टूबर से जनवरी के बीच एसीआई की ओपीडी में मरीजों की संख्या डेढ़ से दो गुना बढ़ जाती है। ठंड का मौसम कई तरह की बीमारियों को गंभीर करने की वजह बनता है। इनमें सबसे जोखिम हार्ट संबंधी रोगों का जिसका सही समय पर इलाज नहीं होने पर काफी नुकसान उठाना पड़ता है। राज्य में नवंबर की शुरुआत में काफी ठंड पड़ी थी और कई इलाकों में शीतलहर जैसे हालात बने थे। चिकित्सकों की मानें, तो ज्यादा ठंड सीधे हार्ट की नसों को प्रभावित ▶▶|शेष पेज 13 पर

ठंड से बचाव के लिए गाइड लाइन जारी

बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरी एहतियाती दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि शीतलहर के दौरान लोग अनावश्यक घर से बाहर न निकलें और यात्रा से यथासंभव बचें। ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का उपयोग करें और शरीर को गर्म रखने के लिए गर्म तरल पदार्थों का सेवन लगातार करते रहें। यदि किसी व्यक्ति को अत्यधिक कंपकंपी, उंगलियों में पीलापन या ▶▶|शेष पेज 13 पर

अस्थमा और हड्डी संबंधी भी समस्या

हृदय रोग के अलावा ठंड के मौसम में श्वांस संबंधी परेशानी बढ़ जाती है। इस मौसम में अस्था अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे पुराने रोगियों को ठंड में सावधानी बरतने की नसीहत दी जाती है। टीबी एवं चेस्ट रोग विभागाध्यक्ष डा. आरके पांडा के मुताबिक बीते दिनों जोरदार ठंड के दौरान मरीजों की संख्या 20 फीसदी तक बढ़ी थी। इन मरीजों को ठंड के साथ एलर्जी से बचकर रहना चाहिए। यह मौसम उन ▶▶|शेष पेज 13 पर

सावधानी बरतना जरूरी

वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डा. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार बीपी और शुगर अथवा हृदय की परेशानी से जूझ रहे लोगों को ठंड के मौसम में विशेष ध्यान रखना चाहिए। ऐसे लोगों को नियमित दवाओं के साथ ज्यादा मेहनत वाले काम से बचना चाहिए। आमतौर पर ठंड के दिनों में हार्ट से संबंधित मरीजों की संख्या बढ़ जाती है।

हार्ट सर्जन डा. कृष्णकांत साहू के मुताबिक इस मौसम में बुजुर्गों को ठंड से बचाव का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सुबह के समय वॉकिंग के दौरान गर्म कपड़े का उपयोग करना चाहिए। युवा वर्ग अगर जिम का शौक रखता है, तो पहले टीएमटी, ईको तथा ईसीजी टेस्ट के बाद यह काम शुरू करे। हृदय संबंधी समस्या होने पर चिकित्सकों के पास पहुंचकर जांच कराएं।

खबर संक्षेप

ब्रांडेड के नाम पर बेच रहे थे नकली जूते, दो पर केस

रायपुर। गोलबाजार पुलिस ने ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली जूता बेचने के मामले में दो दुकानों के संचालकों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। घटना की शिकायत कुलदीप सिंह निवासी फरसाबाजार शाहदरा दिल्ली ने थाने में की है। उन्होंने अपनी शिकायत में मिलेनियम प्लाजा के सामने संचालित हिंदू लेजर स्टोर के संचालक पर आरोप लगाया था कि रिलेक्सो कंपनी के नाम पर वह नकली जूता अपनी दुकान में बेच रहा है। इस शिकायत पर पुलिस ने दुकान में दबिश देकर वहां से 71 जोड़ी रिलेक्सो कंपनी के नाम का डिब्बों में बंद नकली जूते जब्त किए।

बल्ली गड़ाने की बात पर विवाद, की मारपीट

रायपुर। मुजगहन पुलिस ने मारपीट के मामले में अपराध पंजीबद्ध किया है। प्रार्थी प्रेमु सेन निवासी बोरियाकला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 24 नवंबर को रात 8 बजे आरोपी गजेंद्र साहू, माटी साहू, छक्की ढीमर ने रास्ते पर बल्ली गड़ाने की बात पर उसके साथ विवाद किया और फिर गाली-गलौच एवं जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ मारपीट की। इससे उसे चोटें आई हैं। पुलिस ने इस मामले में बीएनएसः296, 351-2, 115-2, 3-5 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

सूने मकान में धावा 80 हजार की चोरी

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र में एक सूने मकान में चोरी हो गई। घटना 18 नवंबर की रात से 23 नवंबर के दरमियान की है। प्रार्थी चंद्रशेखर नायडू ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पूरा परिवार बाहर गया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उसके साकेत विहार चंगोराभाठा स्थित सूने मकान के मुख्य दरवाजे पर लगा ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने, नकदी जुमला 80 हजार चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामले में बीएनएसः 331-4, 305 ए के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

पार्किंग के लिए जगह का टोटा, 60 स्टॉल, बैठने के लिए कुर्सियां लगीं तो होगी मुश्किल

चौपाटी स्थल पर न लाइट पहुंची, न पानी का इंतजाम

आमानाका ब्रिज के नीचे उड़ रही धूल, स्टॉल के बीच जगह कम, चौपाटी अब भी चौपट

हरिभूमि सरोकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

साइंस कालेज के सामने मुख्य मार्ग की चकाचक सड़क पर 3 साल से सज रही चौपाटी को नगर निगम ने आनन-फानन में ऐसे वहां शिफ्ट करा दिया, जहां धूल उड़ रही है। यूनिवर्सिटी गेट से लेकर आमानाका ब्रिज के नीचे वाली पहुंच मार्ग का आज तक डामरीकरण नहीं हुआ है।

ऐसे में 60 वेंडरों को अपने रोजगार की चिंता सता रही है। सबसे परेशानी की बात ये है कि नगर निगम और जिला प्रशासन ने अब तक स्पष्ट नहीं किया है कि चौपाटी वाली जमीन किसकी है। भुक्तभोगी दुकानदारों का कहना है कि ब्रिज के सामने रेलवे की जमीन है, ऐसे में अनजान जगह पर बेफ्रिक होकर कैसे व्यवसाय कर सकते हैं?

लाइट, पानी, शौचालय, सफाई का इंतजाम नहीं, चौथे दिन भी गुलजार नहीं चौपाटी

साइंस कालेज की चौपाटी को जल्दबाजी में आमानाका ब्रिज के नीचे शिफ्ट कर दिया गया, लेकिन नई जगह पर 60 दुकानदारों और चौपाटी में परिवार के साथ पहुंचने वाले ग्राहकों के लिए लाइट, पानी, सर्वसुविधा युक्त शौचालय की व्यवस्था रायपुर स्मार्ट सिटी और नगर निगम अब तक नहीं कर पाया है। हालत ये है कि दुकानदार दुकानें ▶▶|शेष पेज 13 पर

प्रभावित दुकानदारों का व्यू

दूसरों को रोजगार देने वाला खुद बेरोजगार

साइंस कालेज चौपाटी में चाइनीज प्रोडक्ट विक्रेता परवेज अली का कहना है कि नौकरी के पीछे भागने की जगह उन्होंने स्टार्ट शुरू किया। हमने भी जरूरतमंद युवाओं को रोजगार देने की पहल की, लेकिन एक झटके से मुख्य मार्ग में संचालित सुव्यवस्थित चौपाटी को हटाने से खुद बेरोजगार हो गए हैं। उनके साथ काम करने वाले सहायक के समक्ष रोजी-रोजी की समस्या आ खड़ी हुई है।

नई जगह पर आजीविका की चिंता

मोमोज विक्रेता अमित कुमार के मुताबिक चौपाटी से उनकी आजीविका चलने से कोई दिक्कत नहीं रही, नई जगह चौपाटी शिफ्ट होने पर ग्राहकी की चिंता खाए जा रही है। देखते हैं आगे क्या होता है?

हटाने से पहले व्यवस्था करते तो बेहतर

दुकानदार रामदास यादव का कहना है कि साइंस कालेज की चौपाटी को हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट करने से पहले व्यवस्था कर लेते तो बेहतर होता। निगम प्रशासन को इस ओर ध्यान देना था। यहां न बिजली है, न पानी और ना शौचालय। सफाई भी नहीं कराई गई।

तीन-तीन लाइन में दुकानें, स्पेस भी कम

जूस दुकान के संचालक ने बताया कि साइंस कालेज चौपाटी में सभी दुकानें एक लाइन में व्यवस्थित थीं, पार्किंग के लिए लोगों को पर्याप्त स्पेस मिल रहा था, ट्रैफिक की समस्या भी नहीं होती थी, पर नई जगह तीन-तीन लाइनों में कम जगह में दुकानें मनमर्जी तरीके से रख दी गई हैं। दुकान खोलने को लेकर अनिश्चितता और संशय में हैं। सुविधाएं जल्द मिलनी चाहिए।

उत्तरी इलाके में शीतलहर के बन रहे आसार तीन से चार दिनों की ठंड

शहर का भी उतरेगा पारा

राज्य के उत्तरी इलाके में बुधवार की रात से ठंड बढ़ने के आसार बन रहे हैं। इसके बाद तीन से चार दिनों के सर्द मौसम में उत्तरी इलाके में शीतलहर जैसी स्थिति बनने की संभावना है। गिरावट के इस दौर में शहर का तापमान भी सामान्य से नीचे जाएगा। प्रदेश में आने वाली हवा की दिशा में बदलाव होने की संभावना बन रही है। इसके प्रभाव से एक बार फिर ठंड की वापसी होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस बारी ठंड तीन से चार दिन अपना असर दिखाएगी। इस दौरान अंबिकापुर और उससे लगे क्षेत्रों में शीतलहर की वापसी होने की संभावना है। इसी तरह मैदानी इलाकों के साथ अन्य क्षेत्रों में भी ठंड बढ़ने की संभावना है। अभी रायपुर का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री के करीब है जिसमें दो से तीन डिग्री के गिरावट होने के आसार बन रहे हैं। इसी तरह जगदलपुर में भी ठंड का प्रभाव बढ़ने के आसार है। पिछले चौबीस घंटे में रात के तापमान में मामूली गिरावट ▶▶|शेष पेज 13 पर

डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस की तैयारी का एसपीजी ने लिया जायजा, आज और कल रिहर्सल

- पीएम और गृहमंत्री की सुरक्षा एसपीजी के हवाले
- एसपीजी ने किया कार्यक्रम स्थलों को निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर में 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित आईआईएम परिसर में 60वां अखिल भारतीय डीजीपी-आईजी सम्मेलन आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस तीन दिवसीय बैठक में शामिल होंगे। सम्मेलन से पहले 26 और 27 नवंबर को रिहर्सल रखी गई है। मंगलवार को एसपीजी की टीम रायपुर पहुंच गई है, जिसने कार्यक्रम स्थल और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। कांफ्रेंस को लेकर नया रायपुर पूरी तरह सील रहेगा। उससे पहले सिविल लाइंस स्थित सी-4 डायल 112 कंट्रोल रूम में अधिकारियों की बैठक होगी। सम्मेलन में देशभर के डीजीपी और आईजी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मसलों पर चर्चा करेंगे। साइबर सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी रणनीति, ड्रग्स नियंत्रण और सीमा प्रबंधन ▶▶|शेष पेज 13 पर

वीवीआईपी सुरक्षा के लिए शहर में कारकेड व्यवस्था

वहीं पीएम मोदी और कई वीवीआईपी 28–29 नवंबर को रायपुर पहुंचेंगे। जिसके चलते वीवीआईपी सुरक्षा के लिए शहर में कारकेड की व्यवस्था की गई है। अफसरों के लिए विशेष बस सेवा तैयार किया गया है। 27 नवंबर से एयरपोर्ट पर अफसरों और मेहमानों के स्वागत के खास इंतजाम होंगे। सुबह वीवीआईपी आगमन, शाम को वापसी, आम जनता की आवाजाही पर न्यूनतम असर रहेगा। रूट डायवर्जन, होटल व्यवस्था और उच्च स्तरीय सुरक्षा के लिए सभी विभाग अलर्ट पर हैं।

ऐसे होगी ठहरने की व्यवस्था

प्रधानमंत्री एम-1, केंद्रीय गृहमंत्री एम-11 में ठहरेंगे। नए सर्किट हाउस में एनएसए अजीत डोभाल, डिप्टी एनएसए अनीश दयाल सिंह, आईबी चीफ तपन डेका, केंद्रीय गृह सचिव और दोनों केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के ठहरने की व्यवस्था की गई है। सर्किट हाउस में 6 सूइट और 22 कमरे बुक किए गए हैं। ठाकुर प्यारेलाल संस्थान में 140 कमरे और निमोरा अकादमी में 91 कमरे बुक हैं। यहां 33 राज्यों से आने वाले डीजीपी, पैरामिलिट्री फोर्स के 20 डीजी/एडीजी समेत 75 पुलिस अधिकारी ठहरेंगे।

स्कूलों में लगाए जाएंगे लौकी, पालक और करेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बच्चों को पोषण प्रदान करने प्रयोग

जिले विद्यालयों में छात्रों को वितरित किए जा रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सहित अन्य बिंदुओं पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी सहित कलेक्टर व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ.गौरव सिंह ने लाभांवित बच्चों की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शालाओं में किचन गार्डन और पोषण वाटिका के विस्तार के लिए लौकी, पालक, करेला, पुदीना, मिर्ची, टमाटर, धनिया और मुनगा के पौधे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही एलपीजी गैस की उपलब्धता प्रति माह 25% बढ़ाकर गैस सिलेंडर से मध्यान्ह भोजन तैयार करने के निर्देश दिए गए।

न्योता भोज में बढ़ाएं सहभागिता

नवंबर माह में जिले की 658 शालाओं में 'न्योता भोजन' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में सामाजिक व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों और पालकों की सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही विशेष अवसरों पर अधिकारियों व कर्मचारियों को भी शालाओं में 'न्योता भोजन' कराने का आह्वान किया। पालकों की जन्मतिथि या विशेष अवसरों ▶▶ शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

करन ट्रैवल्स के ठिकानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू ने दी दबिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- शराब घोटाले के पैसों से देश-विदेश की यात्रा, होटल की बुकिंग ट्रैवल्स के माध्यम से की गई थी

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले के मामले में एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने मंगलवार को करण ट्रैवल्स नामक एजेंसी के ठिकानों पर छापा मारा। इस छापेमारी के दौरान टीम एजेंसी के राजधानी रायपुर के पिथालिया काम्पलेक्स स्थित दफ्तर पहुंची और यहां जांच-पड़ताल की। सूत्रों के अनुसार ईओडब्ल्यू ने यह छापा पूर्व में शराब घोटाला की जांच के दौरान मिले दस्तावेजों के आधार पर मारा है। बताया जा रहा है कि पूर्व में हुई जांच में ईओडब्ल्यू को ट्रैवल्स एजेंसी के विरुद्ध कुछ तथ्य मिले हैं। शक है कि इस ट्रैवल्स एजेंसी के ▶▶|शेष पेज 13 पर

शराब घोटाले का मामला

एयर टिकट एवं होटल बुकिंग के दस्तावेज खंगाले जा रहे

सूत्रों के अनुसार इस छापामार कार्यवाही के दौरान ईओडब्ल्यू करन ट्रैवल्स के दस्तावेजों के साथ एयर टिकट और होटल की बुकिंग की लिस्ट को भी खंगाल रही है। बताया जा रहा है कि इस लिस्ट में उन सभी के नाम खंगाले जा रहे हैं, जिनके नाम शराब घोटाला से जुड़े हुए हैं या जिनके नाम पर घोटाला में शामिल होने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार इस छापा में विदेश के कई शहरों के अलावा देश के जम्मू-कश्मीर, केरल, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड आदि राज्यों में ट्रैवल्स करने की हिस्ट्री सामने आई है। फिलहाल जांच की कार्यवाही जारी होने के कारण इसका खुलासा नहीं किया गया है।

हरिभूमि जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 75. तारकेश्वर प्रजापति पिता\पति सुकलाल प्रजापति पता- राम विहार आरंग, 76. विजय साहू पिता\पति अश्वनी साहू पता - कबीर नगर एकता चौक रायपुर, 77. ओम प्रकाश साहू पिता\पति घासी राम साहू पता- धनेली रावाभाठा धरसीवा रायपुर, 78. चंचल ध्रुव पिता\पति किशोर ध्रुव पता- सुदामा नगर रायपुर, 79. अर्जुन तांडी पिता\पति त्रिनाथ तांडी पता- BSUP कॉलोनी ब्लॉक न. C रायपुर, 80. सुनीता जायसवाल पिता\पति छोटेलाल जायसवाल पता- बढाई पारा रायपुर, 81. जानवी गोयल पिता\पति कमल किशोर पता- डूमर तालाब रायपुर, 82. राकेश पंचवारे पिता\पति हनेश पंचवारे पता- भनपुरी बिरगांव रायपुर, 83. ट्विंकल धनकर पिता\पति तरुण धनकर पता - रामेश्वर मंदिर न्यूज़ शांति नगर, 84. वीणा साहू पिता\पति संतोष साहू पता- दुर्गा नगर बिरगांव, 85. तुषार साहू पिता\पति रामनाथ साहू पता- बकली, 86. लिना देशमुख पिता\पति केशव देशमुख पता- पीपरछेड़ी धमतरी, 87. ममता कुम्भकार पिता\पति चंदूलाल कुम्भकार पता- ब्राम्हण पारा वार्ड कुम्हार पारा धमतरी, 88. ईश्वरलाल साहू पिता\पति गुलाबराम साहू पता- पुलिस लाइन रुद्री धमतरी, 89. हिमांशु साहू पिता\पति भूषण लाल साहू पता- राजनांदगांव, 90. मूलचंद साहू पिता\पति भुनेश्वर साहू पता-कोटराभांठा, 91. निरंजन साहू पिता\पति भिखारी राम साहू पता- राजनांदगांव म. न. 8 18 एकड़ पुलिस लाइन, 92. उमा केशरवानी पिता\पति सूरज केशरवानी पता- बाज़ारपारा बेमेतरा वार्ड न.18, 93. रूपराम बनपेला पिता\पति स्व. महेत्तर राम बनपेला पता- म.न. 215 अन्नापूर्णा पारा पुराना आरामिल के पास कांकेर, 94. टोडरमल साहू पिता\पति मिलन राम साहू पता- पेवरो गुरुर, 95. ललित सोनी पिता\पति स्व. रामलाल सोनी पता- जगदलपुर, 96. धनंजय देवांगन पिता\पति बृजराम देवांगन पता- बागबहरा वार्ड न.13, 97. नरेश कुमार केशरवनी पिता\पति स्व. फागुराम केशरवानी पता- नगर पंचायत पांडातराई, 98. डिकेश्वर वर्मा पिता\पति तिरिशराम वर्मा पता - सिविल लाइन बलौदाबाजार, 99. पी. गंगा रेड्डी पिता\पति मनिंदर पाल आनंद पता - डी. एन. के. कोंडागांव, 100. लोकेश कुमार देशमुख पिता\पति में कुमार देशमुख पता - तिरंगा वार्ड- 7 दुर्ग, 101. ओमप्रकाश देशमुख पिता\पति डोमन लाल देशमुख पता- अंजोर भिलाई, 102. यशवंत यादव पिता\पति अरुण यादव पता- बघेरा वार्ड न. 56 दुर्ग, 103. रेशनी साहू पिता\पति हिरमन लाल साहू पता- पोलसाय पारा दुर्ग, 104. विजय कुमार रामटेके पिता\पति स्व. डेहराराम रामटेके पता- शिवनगर बाँधा तालाब दुर्ग, 105. हेमा चंद्राकर पिता\पति पुराणिक चंद्राकर पता - दीपक नगर दुर्ग, 106. मंजीत कौर भाटिया पिता\पति स्व. इवेल सिंह भाटिया पता- संतरा बाड़ी दुर्ग, 107. दुलसिया बाई पिता\पति स्व. बिसहुवा साहू पता- पदुम नगर चरोदा भिलाई-3, 108. अंशिका गुप्ता पिता\पति श्याम जी गुप्ता पता- कैंप -1 भिलाई, 109. स्वाति साहू पिता\पति पूरण चंद साहू पता-भिलाई, **बिलासपुर संस्करण**- 110. प्रवीण यादव पिता/पति- धनेश यादव, पता शांति नगर हाफा रोड सकरी, बिलासपुर 111. मुस्कान यादव, पिता/पति- कृष्ण कुमार यादव, पता - उसलापुर साईं आनंदम के पास, बिलासपुर 112. रश्मि सेन पिता/पति- स्व. कमल सेन, बिलासपुर पता - होटल अजित के सामने तेली पारा, बिलासपुर 113. आर्यांश जायसवाल, पिता/पति- शैलेन्द्र जायसवाल, पता- नंदू गैरेज के पीछे तेलीपारा बिलासपुर, 114. शैलेंद्र कुमार सोनवानी, पिता/पति- सरजू प्रसाद सोनवानी, पता - छोटी कोनी बिलासपुर, 115. चुम्मन चंद्राकर पिता/पति- गिरधर चंद्राकर, पता - विकाश नगर शांति नगर, बिलासपुर 116. चितगोविंद प्रसाद कौशिक, पिता/पति- स्व. अजीतराम कौशिक, पता- यातायात नगर परसदा, जिला बिलासपुर, 117. मनीष पटेल पिता - रामप्रसाद पटेल, पिता/पति- वार्ड न. 43 पटेल मोहल्ला, बिलासपुर 118. दिलप्रीत सिंह छाबड़ा पिता/पति- जी.एस. छाबड़ा, पता - मित्र बिहार लिंक रोड बिलासपुर, 119. प्रतिमा कश्यप, पिता- रामकिशुन कश्यप, पिता/पति- कुदुदण्ड मिलन चौक बिलासपुर, 120. हरप्रीत सिंह खनुजा, पिता/पति- थान सिंह खनूजा, पता- दयालबंद टिकरापारा बिलासपुर, 121. श्यामसुंदर कुशवाहा पिता/पति- स्व. चंद्रशेखर प्रसाद, पता- मंगला बिलासपुर, 122. सुचिता सिंह पिता/पति- एम.एल. ऊके, पता- भारतीय नगर बिलासपुर, 123. नुमान बाघड़े, पिता/पति- नितिन बाघड़े पता - जरहाभाठा बिलासपुर, 124. राधा सिंह ठाकुर बाघड़े पिता/पति- अजय सिंह ठाकुर पता- सिटी कोतवाली बिलासपुर, 125. श्रेया विश्वकर्मा पिता/पति- बी.पी. विश्वकर्मा पता- तेलीपारा बिलासपुर, 126 मौजी निर्मलकर पिता/पति- सुखदेव निर्मलकर, पता- जुना बिलासपुर, 127. सुन्दर लाल मार्को पिता/पति- स्व. होरीलाल मार्को, पिता/पति- बिनौरी काठाकोनी, जिला बिलासपुर 128. अल्का साहू पिता/पति- राजेन्द्र कुमार साहू, पता- मंगला बिलासपुर, 129. वैभव यादव पिता/पति- विरेन्द्र कुमार यादव, पता नया तालाब के पास सड़क के पास मोपका, जिला बिलासपुर 130. आर्यन गुप्ता पिता/पति- विष्णुकांत गुप्ता पता- कपिल नगर सरकंडा, बिलासपुर 131. पवन विश्वकर्मा पिता/पति- बी.पी. विश्वकर्मा, पता तेलीपारा बिलासपुर, 132. राम किशोर ठाकुर पिता/पति- स्व. तुलसीराम ठाकुर पता - सरकंडा बिलासपुर, **भोपाल संस्करण**- 133. नित्या बलदार पिता\पति -विमल बलदार पता- 727 बागसेवनिया, 134. फातिमा पिता\पति मो. शाहिद पता- 87 नारियल खेड़ा भोपाल, 135. आलिया पिता\पति इमरान 26 पता- जनता नगर करोद, 136. अर्पिता यादव पिता\पति श्रीकांत यादव पता- फ्लैट 8 ड्रीमलैंड अपार्टमेंट ईदगाह हिल्स भोपाल, 137. मयंक उपाध्याय पिता\पति शिवप्रसाद उपाध्याय पता- जीरापुर, 138. लक्ष्मी शर्मा पिता\पति सतीश शर्मा (मावावाला) पता -आवास कॉलोनी जीरापुर, 139. प्रीति राठौर पिता\पति राजेश राठौर पता- आवास कॉलोनी जीरापुर, 140. सुरेन्द्र सिंह पिता\पति जीरापुर, **जबलपुर संस्करण**- 141. अदिति मेहरा पिता\पति कृष्ण कुमार मेहरा पता- कांटी धमनी पाटन, 142. अर्पिता श्रीवास्तव पिता\पति ए.के श्रीवास्तव पता- कांचघर, 143. शशांक सिंह पिता\पति अमर सिंह पता- रिछाई जबलपुर, 144. सुभद्रा पिता\पति अजय पता- जबलपुर आधारताल, 145. शिवा निषाद पिता\पति राम खिलावन निषाद पता- गांधीगंज कटनी, 146. नारायण प्रसाद अग्रहरी पिता\पति द्वारका प्रसाद अग्रहरी पता- राजीव गांधी वार्ड वार्ड नंबर 13 रबर फैक्ट्री साइन मंदिर के पास कटनी मुड़वारा, 147. शशि कोस्टा पिता\पति- स्व. कंदीलाल कोस्टा पता-जगमोहन दास वार्ड नई बस्ती कटनी, 148. मानसी पिता\पति- विजय बाबा नारायण शाह पता- गुरुद्वारा के पास मुरवारा कटनी

नियम एवं शर्तें लागू*

शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

खबर संक्षेप

प्रदेश के किसानों की समस्याओं को बृजमोहन ने प्रखरता से रखा

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में जैविक एवं जैव उर्वरकों को बढ़ावा विषय पर केंद्रित रसायन एवं उर्वरक संबंधी संसदीय स्थाई समिति की बैठक में प्रदेश के किसानों की समस्याओं को प्रखरता से रखा। श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के किसानों की समस्याओं, अनुभवों और आकांक्षाओं को अत्यंत मजबूती से रखा और कई निर्णायक सुझाव दिए। श्री अग्रवाल ने जैविक उर्वरकों की उपलब्धता ग्रामीण क्षेत्रों तक सरलता से सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने राज्यवार आवश्यकता के अनुसार उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा प्रमाणीकरण प्रक्रिया को तेज और किसान-हितैषी बनाने पर जोर दिया।

जन चेतना पार्टी देगी दस्तक मूलभूत सुविधा पर देगी जोर

रायपुर। प्रदेश में जल्द ही जन चेतना पार्टी आम जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर लोगों के बीच जाएगी। पार्टी के संस्थापक सदस्य जसबीर सिंह चावला, जयंत गायधने और अभिषेक बाफना ने नई राजनीतिक पार्टी लाने का ऐलान किया है। मंगलवार को पत्रकार वार्ता में संस्थापक सदस्यों ने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी से युवाओं का पलायन नशे की लत, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क और पेयजल की समस्या से लोग जूझ रहे हैं, ऐसे में जन चेतना पार्टी इन्ही मुद्दों पर काम करेगी। पत्रकारों से चर्चा करते हुए जसबीर सिंह चावला ने कहा कि उनकी नई पार्टी समय-समय पर जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी।

नए प्रोजेक्ट पर सीएम ने केंद्रीय रेल मंत्री से की चर्चा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य मुलाकात की। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में रेलवे से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों रेल सुविधाओं के विस्तार, नए रेल प्रोजेक्ट्स की प्रगति तथा प्रगतिरत परियोजनाओं की पूर्णता के संबंध में विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि स्वीकृत परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, रेलवे मंत्रालय छत्तीसगढ़ में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार उपस्थित थे।

पायलट दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर

रायपुर। सचिन पायलट 26 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे रायपुर पहुंचेंगे, जहां से सीधे धमतरी के लिए रवाना होंगे। धमतरी में वे संविधान बचाओ दिवस के आयोजन में शामिल होंगे और इसके बाद एसआईआर अभियान की समीक्षा बैठक लेंगे।

तरुण चुग बोले- घुसपैठिया, नकली और मृत वोट लोकतंत्र को खोखला कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व एसआईआर के राष्ट्रीय प्रभारी तरुण चुग ने कहा, एसआईआर की प्रक्रिया लोकतंत्र के लिए अमतृ है। घुसपैठिया, नकली और मृत वोट लोकतंत्र को खोखला करने का काम कर रहे हैं। ये दीमक की तरह हैं। हर 20 साल बाद एसआईआर होता है। इससे घुसपैठिया, नकली और मृत वोट डिलीट होते हैं।

श्री चुग ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी से लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तक घुसपैठियों का बचाने के लिए यात्राएं कर रहे हैं और बयान दे रहे हैं। ममता बनर्जी बंगाल के अंदर जिहादी मानसिकता को प्रोत्साहित करने का काम कर रही है। श्री चुग ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में एसआईआर रायपुर संभाग के टोली की बैठक ली। श्री चुग ने कहा, एसआईआर के माध्यम से हम लोकतांत्रिक व्यवस्था और निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक शुद्ध व मजबूत कर सकते हैं। उनका कहना है, मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र के लिए अमृत है। इस अभियान में हम सब की भूमिका महत्वपूर्ण है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में एसआईआर टोली की भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने ली बैठक

सबकी सहभागिता जरूरी

श्री चुग ने कहा, एसआईआर के माध्यम से हम आने वाले हर लोकतंत्र के पर्व को और भी उत्साह से मना सकते हैं। जब-जब देश में चुनाव होगा, तो उस समय आज हो रहे एसआईआर की जरूरत अनुभव होगी। इसलिए लोकतंत्र के इस महायज्ञ में हम सब जरूर जुड़ें। श्री चुग ने कहा, फेक वोटर्स को डिलीट व डिटेक्ट करने के साथ ही पात्र मतदाताओं को जोड़ने का यह अभियान है, जिसके लिए आप सबकी सहभागिता जरूरी है।

भाजपा कार्यकर्ता संकल्प पूरा करता है: देव

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा, जब भी भाजपा का कार्यकर्ता संकल्प लेता है, तो उसे पूर्ण करता है और यह एक अवसर है जब हम अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए जुट रहे हैं। तो आप सबके संकल्प से हम इस अभियान में भी अपनी सहभागिता दे रहे हैं, जिसका सार्थक परिणाम आएगा। इस अवसर पर एसआईआर प्रदेश टोली के सदस्य व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर मिश्रा ने एसआईआर की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर भाजपा प्रदेश सहसंगठन मंत्री अजय जामवाल, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रदेश महामंत्री-यशवंत जैन व डॉ. नवीन मार्कंडेय सहित पार्टी प्रदेश पदाधिकारी व जिलाध्यक्ष, एसआईआर टोली के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने किया।

एनसीओआरडी की राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

छत्तीसगढ़ में ड्रग्स पर शिकंजा कसने में जुटी पुलिस, एनसीबी और डीआरआई भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में ड्रग्स के खिलाफ अभियान में राज्य पुलिस और केंद्र सरकार की एजेंसी एनसीबी और डीआरआई तेजी जुटी हुई है। इन एजेंसियों ने गांजा, अफीम, हेरोइन, मेडिकल ड्रग्स, की बड़े पैमाने पर बरामदगी की है। इस संबंध में बनाए गए 435 प्रकरणों में 931 लोगों की गिरफ्तारी पिछले कुछ महीनों में की गई है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई एनसीओआरडी की राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में ये जानकारी सामने आई है। ड्रग्स की तस्करी या उससे जुड़े कारोबार की शिकायतें राज्य से केंद्र सरकार के मानस पोर्टल पर सामने आ रही है। इन शिकायतों पर 12 अपराध भी दर्ज किए गए हैं।

- ड्रग्स के 14 प्रकरणों में 13 .5 करोड़ की संपत्ति जब्त

छत्तीसगढ़ नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान में मानस पोर्टल भी कारगर साबित हो रहा है। इस पोर्टल पर राज्य से संबंधित 105 शिकायतें सामने आने के बाद इनमें से 56 का निपटारा हो चुका है। इनमें से 12 शिकायतें सही पाई जाने के बाद अपराध दर्ज किए गए हैं। 19 शिकायतों को संदिग्ध प्रवृत्ति की माना गया है। 25 शिकायतें खारिज हो गई हैं। जिला स्तर पर 49 शिकायतें लंबित हैं। इन मामलों से संबंधित छत्तीसगढ़ की सटीक जानकारी हासिल करने के लिए मानस पोर्टल को एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड) को स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित 104 से लिंक भी किया जा रहा है।

सैकड़ों क्विंटल नशे का सामान बरामद

ड्रग्स केस में अब वित्तीय जांच भी

खास बात ये है कि राज्य में मादक पदार्थ(ड्रग्स केस)की वित्तीय जांत के लिए भी पुलिस मुख्यालय से एसओपी जारी की गई है। इसके साथ ही एनसीबी द्वारा दिए गए फार्मेट में प्रकरणों की नियमित मॉनीटरिंग की जा रही है। एनडीपीएस के 50 प्रकरणों की सतत निगरानी करने की जानकारी पुलिस मुख्यालय ने बैठक में दी है। ताकि अधिक से अधिक सजा दिलाई जा सके। इससे संबंधित 14 प्रकरणों में 13.05 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है। सात नए प्रकरण भी बनाए गए हैं।

नशे के सामान की बड़ी खेप बरामद

छत्तीसगढ़ में नशे के खिलाफ अभियान में राज्य पुलिस मुख्यालय एवं नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा की गई कार्रवाई का ब्योरा समन्वय समिति की बैठक में सामने आया है। राज्य में पुलिस ने 6 हजार 639.776 किलो गांजा, एक किलो अफीम, 1.086 ग्राम हेरोइन, मेडिकल ड्रग्स जैसे इंजेक्शन, टेबलेट, सीरप 67 हजार 582 बरामद करते हुए 435 केस बनाए और इनमें 931 लोगों की गिरफ्तारी हुआ है। एनसीबी और डीआरआई ने करीब 246 किलो गांजा जब्त किया है और 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। यही नहीं इन एजेंसियों जब्तशुदा नशीले सामान का बड़ी मात्रा में ड्रग्स डिस्पोजल भी किया है। यही नहीं छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग ने पिछले छह महीनों में 162 स्थानों पर छापामार कर 23 अंतरराज्यीय केस बनाएं हैं। 140 फर्मों के लाइसेंस सस्पेंड करने के लिए 16 के लाइसेंस निरस्त किए हैं।

मानस पोर्टल क्या है?

मानस पोर्टल भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन प्लेटफॉर्म है। इसका पूरा नाम मादक पदार्थ निषेध सूचना केंद्र है। इसका मुख्य उद्देश्य नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना और नागरिकों को मादक पदार्थों से जुड़ी समस्याओं की रिपोर्टिंग के लिए एक सुरक्षित, गोपनीय मंच प्रदान करना है। नागरिक टोल-फ्री नंबर 1933 पर कॉल कर सकते हैं।

इसमें किस तरह की शिकायतें दर्ज की जाती हैं?

मानस पोर्टल केवल मादक पदार्थों (ड्रग्स) से संबंधित शिकायतों के लिए है। इसमें इस प्रकार की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। ड्रग्स की तस्करी, अवैध खरीद-बिक्री, भंडारण या निर्माण। नशीले पदार्थों की अवैध खेती, नशे की लत से पीड़ित व्यक्तियों के लिए डी-एडिक्शन और पुनर्वास। यह पोर्टल नशामुक्त भारत अभियान का हिस्सा है और सामान्य शिकायतों (जैसे अन्य अपराधों) के लिए नहीं है।

धान खरीदी, एसआईआर जमीन की गाइड लाइन दरों पर भूपेश ने सरकार को घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज धान खरीदी, सर्वर समस्या और एसआईआर तथा प्रदेश में फैली प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, प्रदेश में धान खरीदी की स्थिति जगजाहिर है, बताने की जरूरत नहीं है। पूरे प्रदेश में धान खरीदी में आ रही समस्याओं से किसान परेशान हैं। कई किसानों के नाम लिस्ट से कट गए हैं, इस कारण किसानों का धान भी नहीं लिया जा रहा। सर्वर डाउन होने से टोकन कट नहीं पा रहे, गिरदावरी की रिपोर्ट के आधार पर खरीदी हो रही, जिसमें 21 क्विंटल के हिसाब से खरीदी नहीं हो पा रही। किसान डिजिटल कॉर्प सर्वे और गिरदावरी के बोगस आंकड़ों के आधार पर की जा रही रकबा कटौती से व्यथित हैं। 21 क्विंटल प्रति एकड़ के बजाए मात्र 15 से 17 क्विंटल प्रति एकड़ धान ही बेच पा रहे हैं। एग्रीटेक पोर्टल की वजह से हजारों किसानों के धान का रकबा कट गए हैं। सरकार लाखों किसानों का धान नहीं खरीदेगी, आदिवासी पट्टाधारी किसानों का धान नहीं खरीदेगी, सर्वर डाउन होने से किसान टोकन नहीं कटा पा रहे हैं।

- एग्रीटेक पोर्टल की वजह से हजारों किसानों का रकबा कटा, सरकार लाखों किसानों का धान नहीं खरीदेगी

तीन चौथाई मतदाताओं के घरों तक गणना पत्रक नहीं पहुंचा

एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करते हुए श्री बघेल ने कहा, बीएलओ बड़ी मुश्किल से फार्म जमा कर पा रहे हैं। उन पर इतना ज्यादा दबाव बना दिया गया है कि वो भी मानसिक रूप से परेशान हैं। आयोग दावा करता है कि 80 मतदान केंद्रों में एसआईआर का काम शत प्रतिशत पूरा हो गया है, तो आयोग उन 80 मतदान केंद्रों की सूची सार्वजनिक कर दे जिनका एसआईआर का काम पूरा हो गया है। निर्वाचन आयोग का यह भी दावा है कि 97 प्रतिशत गणना पत्रक फार्म मतदाताओं को बांटे जा चुके हैं, लेकिन हकीकत में यह आंकड़ा 25 प्रतिशत के आसपास है। तीन चौथाई मतदाताओं के घरों तक गणना पत्रक फार्म अब तक पहुंचा ही नहीं है।

हिड़मा को लेकर उनके कथित फूफा ही परेशान : पाण्डेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने नक्सली हिड़मा के एनकाउंटर को लेकर कहा, हिड़मा को लेकर उनके कथित फूफा ही परेशान हैं जो हिड़मा की मौत के बाद वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। कोई भी देशद्रोही देश के लिए हितकर नहीं हो सकता और वह समाज का नायक भी नहीं हो सकता, लेकिन कांग्रेस की मानसिकता कुछ और ही है।

श्री पाण्डेय ने मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, हिड़मा का समर्थन कर कांग्रेस ने अपनी मानसिकता को प्रदर्शित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से लेकर कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता तक हिड़मा को लेकर अलोकतांत्रिक बातें कर रहे हैं। श्री पाण्डेय ने कहा, इस देश में नक्सलवाद की समस्या को कांग्रेस ने उर्वरक देने का काम किया और यह काम आज भी जारी है। कांग्रेस हमेशा नक्सलियों को अपनी बी टीम मानती है, इसलिए उनके खात्मे से कांग्रेस भी कमजोर हो रही है। यही कारण है कि लगातार कांग्रेसी अलोकतांत्रिक नक्सलियों के समर्थन में आकर अपनी खोई हुई जमींन को मजबूत करने में जुटे हैं, लेकिन इसमें वे सफल नहीं होंगे। श्री पाण्डेय ने कहा, कांग्रेस की ओर से उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार कौन थे और उनकी सलवा जुडूम अभियान पर अंकुश लगाने में क्या भूमिका थी, कोई भूला नहीं है। इसके साथ ही नक्सल विरोधी अभियान को लेकर केंद्र व राज्य की सरकार मजबूती से काम कर रही है इसी का नतीजा है कि हम लगातार सफल हो रहे हैं।

- कांग्रेस हमेशा नक्सलियों को अपनी बी टीम मानती है
- सरकार मजबूती से काम कर रही है इसी का नतीजा है कि हम लगातार सफल हो रहे हैं

किसान सोसाइटी से टोकन लेकर भी बेच सकते हैं धान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए किसानों को आनलाइन टोकन हासिल करना ही आवश्यक नहीं है। किसान उपार्जन केंद्र (सोसाइटी से सीधे प्राप्त कर सकते हैं, या टोकन तुहर हाथ मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं भी टोकन ले सकते हैं। यह मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध है।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में प्रदेश में धान उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने के लिए राज्य शासन द्वारा धान खरीदी 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। लगभग 50 कार्य दिवसों में खरीदी कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

धान सुखाकर लाएं, 17 प्रतिशत नमी होगी मान्य

किसानों से कहा गया है कि उपार्जन केंद्र में धान लाते समय किसान-धान को अच्छी तरह सुखाकर लाएं, जिसमें नमी 17 प्रतिशत से अधिक न हो, धान साफ-सुथरा एवं अशुद्धियों से मुक्त हो। साथ में टोकन, ऋण पुस्तिका एवं आधार कार्ड अवश्य रखें। किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि निर्धारित निर्देशों का पालन करते हुए समय पर धान विक्रय करें, जिससे खरीदी कार्य सुचारू एवं बाधारहित पूर्ण किया जा सके।

किस किसान को कितने टोकन

राज्य शासन के निर्देशों के अनुसार किसानों की भूमि धारिता के आधार पर टोकन जारी किए जा रहे हैं। 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 से 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 2 टोकन और 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 3 टोकन जारी किए जा रहे हैं। खरीदी से संबंधित शिकायतें एवं सुझाव खाद्य विभाग के टोल-फ्री नंबर 1800-233-3663 पर भी दी जा सकती हैं। इसके साथ ही जिले में अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर तथा कॉल सेंटर का गठन किया गया है, जो धान की रीसाइक्लिंग पर रोक, कोचियों,बिचौलियों की गतिविधियों की निगरानी और धान के उठाव एवं परिवहन की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित कर रहा है।

पालिकाओं, राजस्व ग्रामों और जिलों की सीमाएं में 31 दिसंबर तक हो सकेगा बदलाव, जनगणना से पहले केंद्र ने भेजा निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जनगणना 2027 शुरू होने से पहले छत्तीसगढ़ में नगर पालिकाओं, राजस्व ग्रामों, तहसीलों, उप मंडलों और जिलों की सीमाओं में 31 दिसंबर तक बदलाव किया जा सकेगा। इसके बाद 1 जनवरी 2026 से सभी सीमाएं फ्रीज हो जाएंगी। जनगणना पूरी होने तक सीमाओं में अगले 15 महीने कोई बदलाव नहीं हो सकेगा। इस संबंध में केंद्र सरकार ने राज्य को निर्देश जारी किया है। इसके साथ ही सीमाओं को बदलने के प्रस्ताव भी बुलाए गए हैं।

- सीमाएं फ्रीज होने के बाद 15 महीने नहीं हो सकेगा बदलाव

नगरीय प्रशासन ने जारी किया आदेश

इस मामले को लेकर राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को केंद्र के आदेश के हवाले से निर्देश जारी कर दिया है। इसके साथ ही एक प्रोफार्मा में यह जानकारी पांच दिन में देने कहा है। भारत की जनगणना-2027 नगरों में वार्ड, कालोनी, मोहल्ला, पारा,गंदी बस्ती क्षेत्र का संकलन, जिला, तहसील आदि की जानकारी मांगी गई है। इन केंद्रीय निर्देशों के बाद, विभिन्न राज्यों ने अपने संबंधित विभागों, जिलाधिकारियों और स्थानीय निकायों को समय सीमा से पहले सभी लंबित प्रस्तावों को निपटाने और अंतिम अधिसूचना जारी करने के निर्देश दिए हैं।

क्यों यह किया जा रहा है

इस बाउंड्री फ्रीज का मुख्य उद्देश्य जनगणना के दौरान देश के भौगोलिक क्षेत्र का पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना है, ताकि डेटा संग्रह में कोई चूक या दोहराव (ओवरलैप) न हो। यह कदम जनगणना अधिनियम, के अनुरूप है, जिसमें कहा गया है कि जनगणना से कम से कम एक वर्ष पहले प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर किया जाना चाहिए। दरअसल केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि जब 1 अप्रैल, 2026 से जनगणना का पहला चरण (मकान सूचीकरण) और उसके बाद जनसंख्या गणना शुरू हो, तब तक सभी प्रशासनिक इकाइयां स्पष्ट रूप से परिभाषित और अपरिवर्तित हों।

क्या है मामला

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 की तैयारी के तहत छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में प्रस्तावित किसी भी बदलाव को 31 दिसंबर, 2025 तक अंतिम रूप देने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। 1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2027 के बीच ये सीमाएँ स्थिर (फ्रीज) रहेंगी, ताकि जनगणना प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

सीमाओं को देना है अंतिम रूप

सभी राज्यों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे 31 दिसंबर, 2025 तक जिलों, उप-मंडलों, तहसीलों, नगर निगमों, कस्बों, राजस्व गांवों और यहां तक कि वार्डों तक की सीमाओं में किसी भी प्रस्तावित परिवर्तन (जैसे नए निर्माण, विलय या क्षेत्राधिकार में परिवर्तन) को अंतिम रूप दें और लागू करें। 1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक, यानी लगभग 15 महीने की अवधि के लिए, प्रशासनिक सीमाओं में कोई नया बदलाव करने की अनुमति नहीं होगी। यह अवधि जनगणना के दोनों चरणों (मकान सूचीकरण और जनसंख्या गणना) के संचालन के लिए है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर 13 भाठागांव, तह. / जिला रायपुर, छ.ग.

//आम सुचना//

जारी दिनांक 21.11.2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुराग अग्रवाल पिता स्व.मनोहर प्रसाद निवासी- पुरानी बस्ती रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम भाठागांव प.ह.नं. 60 राजस्व निरीक्षक मण्डल- रायपुर-13 स्थित भूमि खसरा नंबर 257/15, 257/897, 0.256 हे., 0.0970 हे. कुल खसरा क्रमांक 2 रकबा 0.353 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 10.11.25 के परिपालन में दिनांक09/12/25 को समय अपरान्ह 12:00 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी में हल्का पटवारी हल्का नंबर 60 के भाठागांव स्थित पटवारी / राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वंय अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरान्त किसी /दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-13 भाठागांव

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर -19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 24.11.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमाकांत पंडित पिता/पति जगन्नाथ पंडित निवासी टाटीबंध रायपुर की ग्राम बेन्दरी प.ह.नं. 30 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 130/55 रकबा 0.4050 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/ वाचक/ तह./ 2024 आदेश दिनांक 11.11.2024 के परिपालन में दिनांक 16.12.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 30 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नही होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर -19, धनेली

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर -19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 24.11.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बांके बिहारी पिता/पति गुगुन प्रसाद अग्रवाल निवासी कोटा रायपुर की ग्राम बेन्दरी प.ह.नं. 30 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 130/53 रकबा 0.4050 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/ वाचक/ तह./ 2024 आदेश दिनांक 18.06.2024 के परिपालन में दिनांक 16.12.2025 को समय 12:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 30 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नही होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर -19, धनेली

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 24/11/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चेतन अग्रवाल पिता/पति रमेश अग्रवाल निवासी समता कालोनी रायपुर की ग्राम बेन्दरी प.ह.नं. 30 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 130/54 रकबा 0.3000 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/तह./2024-25 आदेश दिनांक 30/06/2025 के परिपालन में दिनांक 16/12/2025 को समय 12:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 30 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक रायपुर-19 (धनेली)

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर जिला रायपुर छ.ग.

-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क्र. 202511110500047
अ/6 (अ) वर्ष 2025-26
ग्राम गिरोला प.ह.नं. 27 तहसील अभनपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नरेन्द्र साहू पिता श्री तिरिथ साहू निवासी - वार्ड नं. 46 वी.आई.पी. रोड फुण्डहर रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया है कि ग्राम गिरहोला प.ह.नं. 27 रा.नि.मं. व तहसील अभनपुर जिला रायपुर में स्थित भूमि ख.नं. 203/4 का भाग रकबा 0.03 हे. (3000 वर्गफुट) का यश शुक्ला पिता श्री अरूण शुक्ला निवासी- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी धनसुली रायपुर से पंजीकृत बैनामा दिनांक 25/03/2022 के माध्यम से क्रय किया है। आवेदक ने उक्त भूमि को अपने नाम पर नामांतरण कराया। उसके बाद आवेदक के नाम से ऋण पुस्तिका क्रमांक पी-3767999 जारी किया गया, जिसमें आवेदित भूमि ख.नं. 203/8 रकबा 0.03 हे. आवेदक नरेन्द्र साहू पिता तिरिथ साहू के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि ख.नं. 203/8 रकबा 0.01 हे. वर्तमान ऑनलाईन कम्प्यूटर अभिलेख में अनावेदक- रामेश्वर प्रसाद साहू पिता इंदरमन साहू निवासी- फुंडहर रायपुर के नाम पर दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि ख.नं. 203/8 रकबा 0.03 हे. भूमि को ऑनलाईन कम्प्यूटर अभिलेख में अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी दिनाँक 04/12/2025 तक न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित में पेश कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति या दावा पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 14/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार अभनपुर जिला रायपुर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्री भीषम कुमार सिंहा पिता श्री सुखी सिंहा की संपत्ति जो की खसरा नं. 180/40, रकबा 2100 वर्गफुट मौजा डंगनिया, शांति विहार कालोनी, पं. दिनदयाल उपाध्याय वार्ड, वार्ड नं. 40, प.ह.न. 0058, रा.नि.म. रायपुर-1, तहसील एवं जिला रायपुर में स्थित हैं। जिसको बेचने का शौदा कर चुके है जिसका विक्रय विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन होना शेष है । उपरोक्त संपत्ति का पूर्व विक्रय विलेख एवं संसोधन विलेख जिसको क्रेता श्रीमती शोभा देवी मिश्रा पति श्री वकील कुमार मिश्रा ने विक्रेता श्री अमिताभ दुबे पिता श्री रामअवतार दुबे से क्रय कर उप-पंजीयक कार्यालय रायपुर में दिनांक 25/06/1999 का ग्रंथ नं. 22948, दस्तावेज क्र. 981-ख एवं संसोधन विलेख दिनांक 24/04/2006 का ग्रंथ नं. 33902, दस्तावेज नं. 594-क देकर कर पंजीकृत किया गया है। जिसकी मूल प्रति कही गुम हो गई है। उक्त गुमा पुर्व विक्रय विलेख के संबंध में डी. डी. नगर थाना, जिला रायपुर में दिनांक 20/11/2025 को सुचना दी जा चुकी है।

अतः उपरोक्त वर्णित सव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, फर्म, संस्था, बैंक, महाजन, शासकीय एवं अर्धशासकीय निकाय इत्यादि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि के 07 (सात) दिनों के भीतर मय दस्तावेज के साथ मेरे कार्यालय में प्रत्यक्ष रुप से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावे। समयावधि बीतने के पश्चात की गई आपत्ति अवैध एवं शून्य समझी जावेगी । तथा मेरे पक्षकार पर लागू एवं बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जानें।

स्थानः- रायपुर

भवदीय
आशुतोष मिश्रा (अधिवक्ता)
आफिस - एफ-3, मॉर्डन कॉमप्लेक्स, लालगंगा सिटी मार्ट के बाजू, रायपुर छ.ग.
मो. 94255-48998,
आफिस फोन नं. 0771-2222042

खबर संक्षेप

धरसीवां में ब्लास्ट फर्नेस गैस लीकेज पर मॉक ड्रिल

धरसीवां। ब्लास्ट फर्नेस के जीसीपी एरिया में बीएफ गैस लीकेज के सिनेरियो पर एक मॉक ड्रिल सक्सेसफुली की गई। सीओ गैस पॉइज़निंग के कारण 4 मॉक कैजुअल्टीज़ को प्रभावित दिखाया गया, जिन्हें एससीबीए सेट से लैस रेस्क्यू टीम ने बचाया। उनमें से 3 लोगों को प्लांट के ओएचसी में ठीक कर दिया गया और 1 व्यक्ति को बाहर शिफ्ट कर दिया गया, जो स्टेबल कंडीशन में था और बाद में ठीक हो गया। सभी इमरजेंसी सपोर्ट फंक्शनरी जैसे कॉम्बैट टीम, रेस्क्यू टीम, मेडिकल टीम, ऑक्ज़ीलरी टीम और आस-पास के संयंत्रों ने भी सहभागिता किया और म्यूचुअल एड्स ने तुरंत अपनी ज़िम्मेदारी निभाई और सिचुएशन को नॉर्मल कंडीशन में लाया। बीएफ, जीसीपी, पीसीआई, पीसीएम और दूसरे सस्पेक्टेड एरिया से सभी लोगों को खतरे से बाहर एक जगह पर असेंबली पॉइंट पर सेफली निकाल लिया गया है। मॉक ड्रिल के बाद एक डीब्रीफिंग सेशन किया गया और सभी टीमों के साथ-साथ ऑब्ज़र्वर ने अपनी राय और एक्सपर्ट सलाह दी, जिसे आगे और सुधार के लिए नोट किया गया। कुल मिलाकर, मॉक ड्रिल सफल रही।

जेबी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने बनाया इनोवेटिव पावर रक्षक मॉडल

तिल्दा नेवरा। कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित साइंस वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता आयोजित की गई , जे. बी. पब्लिक स्कूल, तिल्दा के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मोस्ट प्रोमिसिंग अवार्ड प्राप्त कर और विद्यालय व तिल्दा क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 200 से अधिक वर्किंग साइंस मॉडल प्रस्तुत किए गए। कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर में साइंस वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझाने एवं कार्यात्मक मॉडल तैयार और प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए मॉडल वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों, नवाचारी सोच और वर्तमान चुनौतियों के रचनात्मक समाधानों पर आधारित थे। इसी क्रम में जेबी पब्लिक स्कूल के कक्षा दसवीं के छात्र पूरब निषाद, पुष्कर वर्मा और लक्की ध्रुव ने पावार रक्षक नामक अभिनव मॉडल तैयार किया। यह मॉडल स्ट्रीट लाइट पावर बॉक्स एम सी बी बाक्स की सुरक्षा हेतु बनाया गया, जिसे केवल एक विशेष कार्ड की सहायता से ही खोला जा सकता है। इसका मुख्य उद्देश्य- बिजली संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित करना, इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट से बचाव करने के साथ ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। निर्णायक मंडल ने इस मॉडल की प्रशंसा करते हुए इसे भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी तकनीकी नवाचार बताया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रों को पांच हजार रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित छात्रों के प्रति विद्यालय प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आरंग में धूमधाम से मनाया गया श्रीराम-सीता विवाह पर्व

आरंग। अगहन शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि पर भगवान श्रीराम-माता सीता के शुभ विवाह पर्व के अवसर पर नारायण बन हनुमान मंदिर में मंगलवार को राजा मोरध्वज आध्यात्मिक धार्मिक मानस संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण मानस लोधी, अशोक साहू, अवध विश्वकर्मा, ओमकार विश्वकर्मा, धनऊ धुरंधर, संतोष लाला लोधी, अशोक साहू, विनोद गुप्ता गुरुजी, उपेंद्र साहू, हीरालाल साहू, टोकेश साहू, कामता प्रसाद पाल, गैंदलाल साहू, नारायण पाल, मनोहर वर्मा, निकेश निषाद, प्रेमलता धीवर, चंचल यादव, शैलेन्द्र धीवर, विकास ध्रुव, नरेंद्र साहू, राजकुमार लहरी द्वारा सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, राम स्तुति तथा बालकांड के विवाह प्रसंग की चौपाइयाँ श्रद्धा भाव से गाई गईं।

निधन

फेरहराम साहू

आरंग। ग्राम पिरदा निवासी 72 वर्षीय फेरहराम साहू का मंगलवार को निधन हो गया। उनके अंतिम यात्रा में परिजन व ग्रामीण शामिल हुए। वे चैती बाई साहू के पति व मिथलेश साहू के पिता थे।

समस्या : 25 साल बाद भी दो गांवों को जोड़ने वाली सड़क अधूरी

परसतराई-मुरेठी मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे आए दिन हो रही घटनाएं, प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूंरा

परसतराई–मुरेठी मार्ग की हालत इतनी खस्ताहाल हो चुकी है कि स्थानीय लोग इसे सड़क नहीं, मौत के गड्ढों का सफर" कहकर संबोधित करने लगे हैं। रोज़ाना दो गांवों के बीच सफर करने वाले ग्रामीण, मजदूर, किसान, स्कूली बच्चे और मरीज इस रास्ते से गुजरने में खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि अब तक इस मार्ग के सुधार को लेकर न तो कोई ठोस कार्रवाई हुई है और न ही विभागीय स्तर पर कोई जवाबदेही दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जगह–जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बरसात के दौरान ये गड्ढे पानी से भरकर तालाब जैसे बन जाते हैं, जिससे दोपहिया वाहन फिसलने की घटनाएं आम हो जाती हैं। कई बार तो स्कूली बच्चों को गिरकर चोट लग गई, पर जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई निरीक्षण या कार्ययोजना नहीं बनाई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले पांच वर्ष से इस मार्ग पर केवल आश्वासन मिले हैं, पर काम शुरू करने की बात सिर्फ कागजों में ही सीमित रह गई है। दूसरी ओर क्षेत्र में मौजूद एरिकेशन विभाग की नहर पटरी का रास्ता भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह मार्ग परसतराई और कुंरा सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों को जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है। ग्रामीणों का कहना है कि छत्तीसगढ़ राज्य बने 25 साल हो चुके हैं, लेकिन नहर किनारे बनने वाली यह सड़क आज तक पक्की नहीं हो पाई। बरसात में यह मार्ग पूरी तरह कीचड़ में बदल जाता है और गर्मियों में धूल के गुबार से गुजरना मुश्किल हो जाता है। कृषि कार्य, फसल ढुलाई और अस्पताल जाने जैसे जरूरी काम भी बाधित होते हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह सड़क पिछले कई दशकों से केवल अस्थायी मरम्मत पर निर्भर है। साल में एक-दो बार मिट्टी डालकर या गड्ढों को भरकर औपचारिकता पूरी कर ली जाती है, पर स्थायी सुधार के लिए न तो बजट स्वीकृत होता है और न ही किसी ठेकेदार को जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

सड़क मरम्मत और पक्कीकरण की प्रक्रिया शुरू नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि बार–बार ज्ञापन देने, जनप्रतिनिधियों से मिलने और सोशल मीडिया पर मुद्दा उठाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। परसतराई और मुरेठी के बीच की इस दूरी को लोग कभी आधे घंटे में पार कर लेते थे, लेकिन खराब सड़क के कारण अब वही सफर एक कठिन और जोखिम भरा अनुभव बन चुका है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी होती है और कृषि उत्पादों की बाजार तक ढुलाई में अतिरिक्त खर्च लग रहा है। इस मार्ग पर चलने वाले वाहन भी रोजाना खराब हो रहे हैं, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि समय रहते सड़क मरम्मत और पक्कीकरण की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। लोगों की मांग है कि सड़क को प्राथमिकता में रखकर न सिर्फ मरम्मत की जाए, बल्कि इसे स्थायी रूप से पक्का बनाया जाए ताकि आने वाले वर्षों तक दो गांवों के बीच आवागमन सरल और सुरक्षित हो सके।

हमारे विभाग में नहीं आता

पी डब्लू डी अधिकारी धनेश्वर देवांगन से उक्त सड़क को क्यों नहीं बनाए जाने के बारे में जानकारी चाहा गया तो उन्होंने कहा कि परसतराई से मुरैठी पहुंच मार्ग के संबंध में मुझे कई आवेदन प्राप्त हुए है पर वह सड़क हमारे विभाग में नहीं आता वह सड़क पीएमजीएसवाय के तहत आता है इस लिए हमारे विभाग के द्वारा नहीं बनाया जा सका है।

ठेका प्रक्रिया पश्चात शुरू होगा कार्य

एरिकेशन विभाग के एसडीओ पीएन बंदे से परसतराई से कूंरा पहुंच केनाल मार्ग को अब तक क्यों नहीं बनने से संबंधित बात किए जाने पर उन्होंने कहा कि उक्त केनाल मार्ग को बनाए जाने पूरा मांग पत्र कागज मंत्रालय में हमारे द्वारा जमा किया जा चुका है। वहां से स्वीकृति एवं टेंडर व ठेका प्रक्रिया पश्चात ही कार्य को प्रारंभ किया जा सकता है।

स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ हैं हमारी मितानिनें : सरपंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

ग्राम पंचायत लखौली में मंगलवार को आयोजित सम्मान समारोह में मितानिन बहनों कुमारी बंजारे, जामुन घृतलहरे, हेमलता साहू, मीना साहू और जमुना बंजारे को साड़ी और श्रीफल भेंट कर सरपंच हिरामन साहू ने सम्मानित किया। पंचायत भवन में हुए कार्यक्रम में ग्रामीणों की उपस्थिति और उत्साह ने पूरे माहौल को गरिमा से भर दिया। समारोह को संबोधित करते हुए सरपंच हिरामन साहू ने कहा कि मितानिनें गांव की स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ हैं, जो संकट की हर घड़ी में सबसे पहले ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचती हैं। उन्होंने कहा कि गर्भवती माताओं की देखभाल, बच्चों के टीकाकरण, कुपोषण उन्मूलन और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे सभी मोर्चों पर मितानिन बहनों ने जिम्मेदारी, सेवा और ईमानदारी का अद्वितीय परिचय दिया है। पंचायत स्तर पर उनके कार्यों को मजबूती देने के लिए हर संभव सहयोग की घोषणा भी उन्होंने की। सम्मान पाकर मितानिन बहनों ने संयुक्त रूप से कहा कि यह केवल उपहारों का नहीं, बल्कि उनकी रात्रि–दिवस की सेवा भावना और समर्पण का सम्मान है। मितानिन कुमारी बंजारे ने कहा कि प्रसव स्थिति में रात में सहायता पहुँचना हो या घर-घर टीकाकरण की जानकारी देना वे हमेशा गांव के साथ खड़ी रही हैं। वहीं मितानिन हेमलता साहू ने भावुक होकर कहा कि सरपंच द्वारा दिया गया प्रोत्साहन उन्हें और अधिक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे आगे भी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण जागरूकता में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगी। कार्यक्रम में रत्थु साहू, भीमा मोहन साहू, सोनू मानिकपुरी, धनी यादव, ईश्वर धीवर, नोहर साहू, तारा ढीढ़ी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सरपंच हिरामन साहू ने मितानिनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गांव के विकास और महिलाओं-बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एग्रीस्टेक पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ी से हजारों किसान परेशान, पंजीयन और टोकन से वंचित

आरंग। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान विक्रय के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू एग्रीस्टेक पोर्टल किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 25 नवंबर निर्धारित होने के बावजूद हजारों किसान अब भी पंजीयन और टोकन से वंचित हैं। इसकी वजह से किसानों में गहरी नाराज़गी और बेचैनी देखी जा रही है। एग्रीस्टेक पोर्टल में दिखीं भारी खामियां धान विक्रय के लिए अनिवार्य ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया पिछले कई दिनों से किसानों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। अनेक किसानों का पंजीयन होने के बाद भी सहकारी समितियों में विक्रय टोकन जारी नहीं किए जा रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तकनीकी त्रुटियाँ और प्रशासनिक लापरवाही किसानों को मुश्किल स्थिति में डाल रही हैं।हजारों किसान प्रभावित, ऑफिसों के लगातार चक्कर ओबीसी कांग्रेस रायपुर के जिलाध्यक्ष व किसान नेता भूषण साहू ने बताया कि समस्या को लेकर पटवारियों, सहकारी समितियों और तहसील कार्यालयों में बार-बार गुहार लगाने के बावजूद समाधान नहीं मिल पा रहा है।उन्होंने बताया नारा समिति में करीब 130 किसान भानसोज समिति में लगभग 100 किसान टेकारी समिति में 120 किसान व गोढ़ी सोसाइटी में 200 से अधिक किसान इसी तरह अन्य समितियों के भी हजारों किसान टोकन कटने, खाता पंजीयन और एग्रीस्टेक पोर्टल में त्रुटियों के चलते ऑफिस से ऑफिस भटक रहे हैं। धान कटाई चल रही, किसान दुविधा में इधर धान कटाई का समय है। किसान संभ्रम की स्थिति में हैं कि खेत में फसल देखें या ऑफिसों के चक्कर काटें। पंजीयन न होने की स्थिति में हजारों किसानों के सामने अपनी मेहनत की फसल बेचने का संकट गहरा गया है।किसान नेता साहू ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि एग्रीस्टेक पोर्टल की तकनीकी गड़बड़ियों को तत्काल दूर किया जाए पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए या पूर्ववत पंजीयन के आधार पर धान खरीदी की व्यवस्था लागू की जाए अन्यथा किसानों की समस्याओं को लेकर सभी सहकारी समितियों में बड़े पैमाने पर धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है।

पुत्र के पीएससी चयन पर बच्चों को न्योता भोज

आरंग। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रीवा में कार्यरत रमा नाग शिक्षक एलबी ने अपने पुत्र वैभव नाग के पीएससी में उपसंचालक समाज सेवा के पद पर चयनित होने के उपलक्ष्य में शाला के बच्चों को आंशिक न्यौता भोज दिया गया। मध्यान्ह भोजन में बच्चों में भोजन के साथ केला, गुलाब जामुन और समोसा परोसा गया। ज्ञात हो कि वैभव के पिता पीके नाग भी स्थानीय बद्रीप्रसाद कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय में लंबे समय तक राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवा दिए है। श्रीमती नाग को इस आयोजन एवं बेटे की सफलता के लिए शाला के प्रधानपाठक शैलेन्द्र कुमार शुक्ला, शिक्षक ऋतु ध्रुव, जितेन्द्र देवांगन ने बधाई देते हुए आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किए।

गौसेवा की अनूठी मिसाल, आरंग के चंद्रप्रकाश साहू डेढ़ दर्जन से अधिक गायों की कर रहे हैं सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

एक ओर गांवों में लोग पशुपालन को मेहनत, देखभाल और खर्च का विषय मानकर इससे दूर चलते जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर रीवा (आरंग) के चंद्रप्रकाश साहू पूर्व सरपंच ने गौसेवा को अपना कर्तव्य मानकर 2 वर्षो से डेढ़ दर्जन से अधिक गायों की सेवा कर रहे हैं। वर्तमान समय में वे जर्सी, साहीवाल और एचएफ जैसी बेहतर दुग्ध देने वाली नस्लों का संरक्षण व पालन कर रहे हैं, जो ग्रामीणों के बीच उन्हें एक प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में स्थापित करता है। ग्रामीणों का कहना है कि बदलते दौर में जहां पशुपालन तेजी से घट रहा है, चंद्रप्रकाश साहू अपने समर्पण, नियमित देखभाल और अनुशासित दिनचर्या से साबित कर रहे हैं कि इच्छाशक्ति हो तो गौपालन न लाभहीन है, न कठिन। वे रोज सुबह-शाम गोशाला में स्वयं उपस्थित होकर गायों को चारा, दाना, पानी और साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था करते हैं। गायों के स्वास्थ्य और टीकाकरण पर भी वे विशेष ध्यान देते हैं।चंद्रप्रकाश साहू का मानना है कि गौसेवा केवल परंपरा नहीं बल्कि जीवन में अनुशासन, करुणा और सकारात्मक ऊर्जा की साधना है। उनका कहना है गाय गांव की शान और घर की शांति होती है। अच्छी नस्ल की गायें सिर्फ दूध ही नहीं देतीं, बल्कि पूरे परिवार में समृद्धि का वातावरण भी बनाती हैं। गौसेवा में लगा समय कभी व्यर्थ नहीं जाता। चंद्रप्रकाश साहू की पहल ने न सिर्फ गांव में गौ-समृद्धि, दुग्ध उत्पादन और आत्मनिर्भरता की सोच को मजबूत किया है, बल्कि यह भी साबित किया है कि यदि निष्ठा हो तो पशुपालन आज भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन सकता है।

महिलाएं कर रही डीडी कॉलोनी शिव मंदिर में सुंदरकांड का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

डीडी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में महिला समिति द्वारा इस मंगलवार को भी भक्ति और श्रद्धा के वातावरण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। दक्षिणमुखी हनुमान जी के समक्ष बैठकर महिलाओं ने सामूहिक रूप से संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। समिति की प्रमुख सीमा शर्मा ने बताया कि कॉलोनी की महिलाओं द्वारा प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से धार्मिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनमें सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा और भगवान शिव की आरती प्रमुख हैं। इन आयोजनों में कॉलोनी के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होते हैं और सामूहिक पूजा-अर्चना के माध्यम से क्षेत्र में सकारात्मक और आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण होता है। मंगलवार को आयोजित सुंदरकांड पाठ में महिला समिति की सदस्य सीमा शर्मा, दीप्ति शर्मा, ऋतिका मिश्रा, शिखा चंद्राकर, नमिता चंद्राकर, गायत्री चंद्राकर, लक्ष्मी साहू सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हनुमान जी की स्तुति और भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में आरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया। आयोजकों का कहना है कि इस तरह के धार्मिक आयोजन न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। महिला समिति ने आगे भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर करते रहने का संकल्प लिया है।

सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में हार्ट ...

करती है। आमतौर में ठंड की वजह से नसों में सिकुड़न होती है, जिससे शरीर के विभिन्न अंगों में अकड़न की समस्या होती है। सिकुड़न अगर हृदय की नसों से संबंधित है, तो हार्ट फेल्यिर जैसी बड़ी समस्या का कारण बन सकता है। इसी तरह ठंड के सीधे और ज्यादा संपर्क में रहने की वजह से खून गाढ़ा होने की शिकायत भी होती है, जो ब्लाकेज यानी हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। आंबेडकर अस्पताल के एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में इस तरह के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। यहां हार्ट अटैक जैसी समस्या लेकर रोजाना औसतन तीन मरीज पहुंच रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार इस महीने एसीआई में करीब 50 लोगों की एंजियोग्राफी अथवा एंजियोप्लास्टी की जरूरत पड़ी है। डाक्टरों की मानें, तो अक्टूबर से जनवरी के चार महीने में हृदय संबंधी शिकायतों के मरीजों की संख्या डेढ़ से दो गुनी बढ़ जाती है।

ठंड से बचाव के लिए गाइड...

सफेदपन, सुन्नता जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। कई लोग ठंड से बचने के लिए कोयला जलाकर आग सेंकते हैं, लेकिन बंद कमरे में कोयला जलाना अत्यंत खतरनाक है, क्योंकि इससे निकलने वाली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस जहरीली होती है और जानलेवा भी साबित हो सकती है। हाइपोथर्मिया की स्थिति में व्यक्ति को तुरंत गर्म स्थान पर लिटाएं और कंबल या गर्म कपडों से ढंक दे, जिससे शरीर का तापमान सामान्य हो सके। मांसपेशियों में अकड़न होने पर भी डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

अस्थमा और हड्डी संबंधी भी...

मरीजों के लिए भी थोड़ी परेशानी का कारण बन जाता है जिनकी हड्डियों अथवा जोड़ों की सर्जरी हुई रहती है। ठंड में

पेज 11 के शेष...

नमी की कमी होने से हड्डियां सिकुड़ती हैं जिससे समस्याएं पैदा होती हैं।

उत्तरी इलाके में शीतलहर...

हुई जिससे हल्की ठंड का अहसास हुआ। दिन का पारा 29 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस कम है। राज्य का सबसे ज्यादा पारा दुर्ग का 31.8 डिग्री रिकार्ड किया और अंबिकापुर का सबसे कम 8.5 दर्ज किया गया।

लाइट, पानी, शौचालय...

नहीं खोल पा रहे हैं। मूलभूत सुविधा नहीं होने से उन्हें अपनी आजीविका की चिंता सता रही है। ओवरब्रिज के नीचे चौपाटी शिफ्ट होने से दुकानदारों का व्यापार पूरी तरह चौपट हो गया है। प्रभावित दुकानदारों का कहना है कि दुकानों के लिए सबसे जरूरी बिजली और पानी है, बिजली कनेक्शन होने पर ही दुकानों को रोशन कर सकेंगे। फ्रिज, इंडक्शन, एक्जास्ट जैसी जरूरी सुविधाएं बिना बिजली के कैसे चला पाएंगे।

डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस...

प्रमुख एजेंडा होंगे। पहले दिन 2, दूसरे दिन 4 और तीसरे दिन 2 सत्र होंगे। अमित शाह तीनों दिन मौजूद रहेंगे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी दो दिन शामिल हो सकते हैं। सभी राज्य अपराध नियंत्रण और सुरक्षा उपायों पर प्रेजेंटेशन देंगे। एक मॉडल स्टेट के आधार पर कॉमन गाइड लाइन तैयार की जाएगी। उद्घाटन सत्र में अमित शाह और समापन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह का बंगला अस्थायी पीएमओ के रूप में उपयोग होगा। कॉन्फ्रेंस में जुटेंगे साढ़े पांच सौ अफसर : साथ ही रुकने वाले स्थानों की सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती की जाएगी. राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल की 5 कंपनी को ड्यूटी में उपलब्ध कराया जाएगा। 28 से 30 नवंबर तक होने वाले सम्मेलन स्थल पर सीआरपीएफ के जवानों के साथ ही आईबी की टीम तैनात रहेगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी के जिम्मे रहेगी। केंद्रीय फोर्स के जवान सहयोगी की भूमिका में रहेंगे। सम्मेलन की सुरक्षा एडीजी दीपांशु काबरा और आईजी अमरेश मिश्रा की कमान में रहेगी। केंद्रीय फोर्स, इंटेलिजेंस एजेंसियों और राज्य पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी इनके पास होगी।

करन ट्रैवल्स के ठिकानों पर....

माध्यम से ही शराब घोटाले के पैसों से देश-विदेश की यात्रा के लिए एयर टिकट तथा होटल की बुकिंग की जाती थी। इन तथ्यों के आधार पर ईओडब्ल्यू ने अब एजेंसी संचालक के ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया है। इधर इस छापामार कार्यवाही को लेकर ईओडब्ल्यू के अधिकारियों की ओर से अधिकृत रूप से कोई भी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ पाई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शराब घोटाला की जांच कर रही एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने दोपहर बाद गंज क्षेत्र स्थित पिथालिया काम्पलेक्स स्थित करन ट्रैवल्स के दफ्तर में दबिश दी। इस दौरान टीम दफ्तर में रखे कम्प्यूटर सिस्टम सहित दस्तावेजों की जांच की है। इओडब्ल्यू को पूर्व में शराब घोटाला में गिरफ्तार किए गए राजनेता, अधिकारी सहित अन्य अभियुक्तों से की गई पूछताछ तथा जांच में मिले दस्तावेजों में करण ट्रैवल्स का भी नाम सामने आया था। **एयर टिकट एवं होटल बुकिंग के दस्तावेज खंगाले जा रहे:** सूत्रों के अनुसार इस छापामार कार्यवाही के दौरान ईओडब्ल्यू करन ट्रैवल्स के दस्तावेजों के साथ एयर टिकट और होटल की बुकिंग की लिस्ट को भी खंगाल रही है। बताया जा रहा है कि इस लिस्ट में उन सभी के नाम खंगाले जा रहे हैं।

आरंग के बाजार में महंगाई की मार

सर्दी की दस्तक के बावजूद सब्जियों के दाम छू रहे आसमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सर्दी की दस्तक के साथ जहां आमतौर पर सब्जियों के दामों में राहत मिलती है, वहीं इस बार बाजार में उलटा माहौल देखने को मिल रहा है। सब्जियों की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों का रसोई बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। विशेषकर टमाटर के दाम हर दिन नए रिकॉर्ड छू रहे हैं, जिससे उपभोक्ता चिंतित और सब्जी विक्रेता परेशान हैं। सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि आलू और प्याज की थोक में आने वाली 20 से 25 किलो की मांग अचानक बढ़ गई है। डिमांड बढ़ने के साथ ही सप्लाई धीमी पड़ने से बाजार में इनके खुदरा दाम स्थिर नहीं रह पाए। आम घरेलू उपयोग में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली ये दोनों सब्जियां अब बाजार में लोगों को अतिरिक्त बोझ का अहसास करा रही हैं। जहां ज्यादातर सब्जियों के रेट ऊपर की ओर भाग रहे हैं, वहीं गोभी भाजी पिछले एक माह से 40 रुपये किलो के स्थिर दाम पर बिक रही है। बाजार में गोभी की अच्छी आवक होने के कारण इसमें उतार–चढ़ाव देखने को नहीं मिला। उपभोक्ता फिलहाल इसे बजट में राहत देने वाली सब्जी के रूप में देख रहे हैं। हरी सब्जियों के दाम भी लोगों को राहत नहीं दे पा रहे।बाजार में लौकी, टिंडा, भिंडी, बैंगन, परवल, मूली, मेथी, पालक–साग सहित अन्य सब्जियां 40 से 80 रुपये प्रति किलो तक बिक रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि खेतों में उत्पादन कम, आवक सीमित और मंडियों में बढ़े परिवहन खर्च ने कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। टमाटर की कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल देखने को मिल रहा है।उपभोक्ताओं का कहना है कि टमाटर खरीदना अब रोज-रोज की चुनौती बन गया है। सब्जी विक्रेताओं के अनुसार टमाटर की फसल खराब होने और आवक कम रहने से बाजार में कमी बनी हुई है। यही वजह है कि इसके दाम प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं और इसने रसोई की आखिरी उम्मीद भी तोड़ दी है।

आम जनता की परेशानी बढ़ी

उपभोक्ता बोले अब सब्जियां खरीदना भी सोच-समझकर पड़ रहा। स्थानीय ग्राहकों ने कहा कि रोजमर्रा की जरूरतें अब जेब ढीली कर रही हैं। एक उपभोक्ता ने बताया सब्जियों का रेट पूछने में ही डर लगता है। जो भाजी हर मौसम में सस्ती मिलती थी, वही अब 50–80 रुपये किलो बिक रही है। सब्जी विक्रेताओं का भी कहना है कि दाम बढ़ने से उनकी बिक्री में गिरावट आई है और ग्राहक कम मात्रा में खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। बाजार में सब्जियों के बढ़ते दामों ने आम जनता की परेशानी बढ़ा दी है। टमाटर की लगातार बढ़ती कीमतें और आलू–प्याज का स्थिर न होना बाजार की अनिश्चित स्थिति को दर्शाता है। ऐसे में उपभोक्ता केवल उम्मीद लगाए बैठे हैं कि आने वाले दिनों में आवक बढ़े और कीमतें फिर से सामान्य हों, ताकि रसोई का बजट राहत पा सके।

राष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिए अभनपुर स्कूल का मॉडल चयनित, राज्य स्तर पर तीसरा स्थान

अभनपुर। जशपुर में आयोजित राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान मेला में विकासखंड अभनपुर के श्री बजरंग दास शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय के छात्र केशव विश्वकर्मा एवं विनोद धीवर द्वारा तैयार किया गया वैज्ञानिक मॉडल अब राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी हेतु चयनित हो गया है। छात्रों ने 'विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत' विषय के अंतर्गत उप-विषय 'दिव्यांग मॉडल हरित ऊर्जा' पर आधारित एक मॉडल तैयार किया था। इस प्रेरणादायक मॉडल ने राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया है। प्रदर्शनी में नौ ज़ोनों से विभिन्न जिलों के छात्रों ने भाग लिया, जहां इन प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस सफल मॉडल निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण में छात्रों को विद्यालय की व्याख्याता शशि किरण साहू द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। छात्रों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती, विकासखंड शिक्षा अधिकारी धनेश्वरी साहू, स्रोत समन्वयक राकेश साहू, शाला विकास समिति अध्यक्ष भारती शिंदे, प्राचार्य ईला सेंगर, सहित विद्यालय परिवार के शिक्षकगण गुणीत साहू, सुलेखा गोस्वामी, निर्मित चौरसिया ने छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रूस-भारत शिखर सम्मेलन में डॉ. अभिषेक होंगे शामिल

रायपुर। रेफ्राकास्ट मेटलर्जिकल्स रायपुर के डॉ. अभिषेक पाण्डेय को आगामी 4-5 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले रूस-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण प्राप्त हुआ है। यह उच्च-स्तरीय फोरम रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित होगा। इसके अलावा दोनों देशों के शीर्ष सरकारी प्रतिनिधि, उद्योग जगत और व्यावसायिक समुदाय के सदस्य इसमें भाग लेंगे। रूस की ओर से इस आयोजन का प्रबंधन रोसकॉन्ग्रेस फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है।

निधन

मिर्जा हारुन बेग

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर निवासी मिर्जा हारुन बेग का 25 नवंबर को इंतकाल हो गया। उन्हें 26 नवंबर को सुबह 12 बजे मौदहापारा कब्रिस्तान में बाद नमाज के सुपुर्दे-खाक किया जाएगा।

लालचंद रामनानी

रायपुर। पुराना पंचशील नगर रायपुर निवासी लालचंद रामनानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे डॉ. मेघराज रामनानी के भाई एवं प्रकाश व अजय रामनानी के पिता थे।

जोधन राम साहू

रायपुर। दीनदयाल उपाध्याय नगर निवासी जोधन राम साहू का 25 नवंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 26 नवंबर को सुबह 10 बजे निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे सरस्वती साहू के पति और इंद्रदीप साहू के पिता थे।

दया बाई सोनकर

रायपुर। सोनकर पारा निवासी दया बाई सोनकर (86)का मंगलवार 25 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेव घाट मुक्तिधाम में किया गया। वे पूर्व प्राचार्य रामबिशाल सोनकर की धर्मपत्नी, डॉ. अशोक, ओम, कविता, अनिता सोनकर की मां थीं।

पीजी काउंसिलिंग में ओपन मेरिट सिस्टम पर विभागीय मंथन जारी, प्रभावित डाक्टर भी कोर्ट जाने मूड में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मेडिकल पीजी की काउंसिलिंग में ओपन मेरिट सिस्टम के तरीके पर विभागीय मंथन जारी है। दूसरी ओर इसकी वजह से स्थानीय लोगों का अहित होने की आशंका पर प्रभावित डाक्टर सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में हैं। हाईकोर्ट द्वारा डोमिसाइल आधार पर सीटों के आरक्षण को असंवैधानिक बताया गया था, जिसके बाद पीजी प्रवेश की प्रक्रिया थमी हुई है।

राज्य के सात शासकीय और निजी मेडिकल कालेज में एमडी-एमएस की सीटें हैं। शासकीय कालेजों की आधी सीट अभा. कोटे और आधी राज्य कोटे की होती है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा राज्य और प्रबंधन कोटे की सीटों पर एडमिशन देने के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इस बीच लगाई गई एक याचिका के आधार पर हाईकोर्ट द्वारा डोमिसाइल यानी मूल निवास के आधार पर सीटों को आरक्षित करना असंवैधानिक करार दिया गया था। उनके द्वारा विशेषज्ञ सीटों पर प्रवेश योग्यता के आधार पर देने का फैसला लिया गया था। इस फैसले के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है। इस फैसले के बाद हुए ओपन मेरिट सिस्टम को किस तरह काउंसिलिंग नियम में शामिल किया जाए इस पर चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा मंथन जारी है। इसे लेकर काउंसिलिंग से जुड़े अन्य लोगों से अफसर चर्चा कर रहे हैं।

स्थानीय चिकित्सकों को नुकसान होने का दिया जा रहा तर्क

जूजी करने वाले डॉक्टर भी राज्य कोटे के लिए हो जाएंगे पात्र

दूसरी ओर इस नियम के लागू होने से कुछ चिकित्सक संगठन स्थानीय विद्यार्थियों का नुकसान होने का हवाला दे रहे हैं। उनका तर्क है कि इससे दूसरे विश्वविद्यालयों से यूजी करने वाले डाक्टर भी राज्य कोटे के लिए पात्र हो जाएंगे और स्थानीय छात्रों को उच्च शिक्षा का अवसर नहीं मिल पाएगा। इसे लेकर राज्य कोटे के लिए दावेदारी करने वाले विद्यार्थियों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाने की तैयारी की जा रही है।

स्थानीय को प्राथमिकता का नियम

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पीजी काउंसिलिंग को लेकर कुछ दिनों पहले प्रवेश नियम जारी किया था। इसमें राज्य कोटे की सीट के लिए आयुष विवि से संबंधित महाविद्यालयों के छात्रों को प्राथमिकता देने और सीट बचने अन्य विवि के विद्यार्थियों को मौका देने का नियम बनाया था। हाईकोर्ट के फैसले का प्रवेश नियम पर भी असर पड़ा है।

नई गाइड लाइन लागू होने से रजिस्ट्री पर असर शुरुआती दिनों में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की नई गाइड लाइन लागू होने से रजिस्ट्री में 20 प्रतिशत गिरावट आई है। रायपुर पंजीयन कार्यालय में सामान्य दिन में औसतन प्रतिदिन 150 से अधिक रजिस्ट्री होती थी, लेकिन नई गाइड लाइन लागू होने के बाद अलग-अलग क्षेत्र में जमीन की कीमतें बढ़ने से रजिस्ट्री में औसतन 20 से 25 प्रतिशत तक गिरावट आई है। यह आंकड़ा पंजीयन कार्यालय से मिला है। विभागीय सूत्र के अनुसार रजिस्ट्री में आई गिरावट सिर्फ रायपुर नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी जिलों में आई है। कई जिलों में 25 प्रतिशत से भी अधिक गिरावट की जानकारी आ रही है। हालांकि दूसरे जिलों में रजिस्ट्री में कितने प्रतिशत तक गिरावट आई है, इसकी जानकारी अधिकृत रूप से सामने नहीं आ पाई है।

- **सामान्य दिन में प्रतिदिन 150 से अधिक होती थी रजिस्ट्री, अब औसतन 120 हो रही**

3 दिन में 360 रजिस्ट्री : प्रदेश में जमीन की कीमत को लेकर लाई गई नई गाइड लाइन 20 नवंबर से लागू है। इस गाइड लाइन के लागू होने का असर पहले दिन से रजिस्ट्री पर पड़ना शुरू हो गया है। रायपुर पंजीयन कार्यालय में इस दिन 133 रजिस्ट्री हुई है। इसके दूसरे दिन 21 नवंबर को 136 रजिस्ट्री हुई है, वहीं दो दिन छुट्टी के बाद तीसरे दिन 24 नवंबर को मात्र 91 रजिस्ट्री हुई है। इस तरह इन 3 दिनों के दौरान कुल 360 रजिस्ट्री हुई है। इसका औसत निकालें, तो प्रतिदिन 120 रजिस्ट्री हो रही है, जबकि नई दरें लागू होने से पहले प्रतिदिन लगभग 150 या उससे अधिक रजिस्ट्री होती थी।

बहुतों ने रजिस्ट्री कराना किया कैंसिल

जमीन की दरें बढ़ने के कारण एक ओर जहां रजिस्ट्री कम हो रही हैं, वहीं कई लोगों ने ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी कैंसिल कराया है। सूत्रों के अनुसार रायपुर जिले में पिछले तीन दिनों के दौरान ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने वालों में लगभग 25 से 30 लोग अपॉइंटमेंट कैंसिल करा चुके हैं। हालांकि विभागीय अधिकारी कुछ रजिस्ट्री अलग-अलग कारण से कैंसिल कराने की बात कह रहे हैं। इसमें दस्तावेजों की कमी भी एक कारण बताया गया है।

साफ्टवेयर अपडेट नहीं

जमीन की नई दरों को लेकर नई गाइड लाइन लागू कर दी गई है, लेकिन अभी तक पंजीयन विभाग के अनुसार साफ्टवेयर को अपडेट नहीं किया जा सका है। अधिकारियों का कहना है कि साफ्टवेयर को अपडेट करने का काम जारी है, जो कुछ दिनों में हो जाएगा। इधर साफ्टवेयर के अपडेट नहीं हो पाने के कारण रजिस्ट्री के दौरान उप पंजीयकों द्वारा लोगों को

पंजीयन शुल्क ने बढ़ाई कमाई

नई गाइड लाइन से रजिस्ट्री में गिरावट जरूर आई है, लेकिन इसका असर विभाग की कमाई पर नहीं पड़ा है। तीन दिनों में हुई 360 रजिस्ट्री में 4 करोड़ 9 लाख 28 हजार 770 रुपए का स्टाम्प शुल्क तथा 2 करोड़ 36 लाख 77 हजार 386 रुपए का पंजीयन शुल्क लगा है, जो स्टाम्प शुल्क की कुल राशि का 58 प्रतिशत होता है। रिवाइज्ड कराकर पंजीयन शुल्क पटाने के लिए कहा जा रहा है।

एक माह बाद दिखेगा ज्यादा असर

इधर रजिस्ट्री कराने का कार्य करने वाले कुछ वकीलों ने बातचीत में बताया कि नई गाइड लाइन को लागू हुए कुछ दिन ही हुए हैं। इसके कारण इसका असर अभी कम देखा जा रहा है। इनमें वकील हरनाम सुंदरानी ने बताया कि नई गाइड लाइन लागू होने से पहले कई बिल्डर सहित आम लोग प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री का सौदा कर चुके हैं। इन दिनों जो रजिस्ट्री हो रही है, उनमें ज्यादातर ऐसे ही मामले हैं। उन्होंने बताया कि कई रजिस्ट्री नई दर के लागू होने के बाद कैंसिल भी हो चुकी हैं। मेरे संज्ञान में ही ऐसे आधा दर्जन मामले आ चुके हैं। जमीन की दरें बढ़ने के कारण आगामी दिनों में प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री पर खासा असर पड़ेगा, क्योंकि इसका सबसे ज्यादा प्रभाव आम लोगों पर पड़ेगा, जिसके लिए प्रॉपर्टी खरीदने से लेकर रजिस्ट्री कराना भारी महंगा पड़ेगा।

साफ्टवेयर जल्द हो जाएगा अपडेट

नई गाइड लाइन के अनुसार ही रजिस्ट्री हो रही है। साफ्टवेयर जल्द अपडेट हो जाएगा।

- विनोज कोचे, पंजीयक रायपुर

भंग हुई प्राचार्यों की कमेटी बगैर परामर्श तैयार हो रही समय-सारिणी, इसलिए थोक में गड़बड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पिछले वर्ष सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने पांच बार समय-सारिणी में बदलाव किया था। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड था, जब विवि को इतने बाद समय-सारिणी बदलनी पड़ी। इस वर्ष भी इस तरह के हालात निर्मित हो रहे हैं। रविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं 28 नवंबर से प्रारंभ हो रही हैं।

- **पिछले वर्ष पांच बार बदला गया था रविवि का टाइम-टेबल, इस बार भी गड़बड़ी**

इसके कुछ दिनों पूर्व 13 नवंबर को विवि प्रबंधन द्वारा समय-सारिणी जारी की गई। इसके पहले अस्थायी समय-सारिणी में उन विषयों को भी शामिल कर दिया गया था, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद से कोर्स से हटाए जा चुके हैं। महाविद्यालय प्रबंधन को यह समय-सारिणी निरीक्षण के लिए भेजी गई थी। त्रुटियों की जानकारी प्रदान करने के बाद इसमें बदलाव कर स्थायी समय-सारिणी जारी की कई थी। शीतकालीन अवकाश में परीक्षाएं आयोजित किए जाने से लेकर कई तरह की त्रुटियां इस समय-सारिणी में हैं। इसे लेकर महाविद्यालयों द्वारा पुनः रविवि को सूचित किया गया है। इसमें बदलाव की मांग महाविद्यालय प्रबंधन के साथ छात्र भी कर रहे हैं।

पुराना पैटर्न अपनाने की मांग

कुछ वर्षों पूर्व तक विवि द्वारा समय-सारिणी निर्माण के लिए महाविद्यालयों के प्राचार्यों की मदद ली जाती थी। अब यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। विवि अपने स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों की मदद से ही समय-सारिणी तैयार कर रहा है। विषयों की तकनीकी जानकारी नहीं होने के कारण टाइम-टेबल निर्माण में तकनीकी त्रुटि आ रही है। बार-बार समय-सारिणी में बदलाव होने से विद्यार्थियों में भी असमंजस की स्थिति निर्मित होती है। अपडेट नहीं होने के कारण वे पुरानी समय-सारिणी के आधार पर ही परीक्षा दिलाने पहुंच जाते हैं। बीते वर्ष भी इस तरह के कई मामले सामने आए थे। इसे देखते हुए हुए महाविद्यालयों के प्राचार्य मांग कर रहे हैं कि पूर्व निर्धारित विधि के अनुसार टाइम-टेबल तैयार किया जाए ताकि प्रबंधन और छात्र परेशानियों से बच सकें।

परामर्श अनिवार्य

समय-सारिणी में जिस तरह से त्रुटियां हो रही हैं, उसे देखते हुए प्राचार्यों अथवा विशेष विशेषज्ञ से परामर्श अनिवार्य है। इससे महाविद्यालय प्रबंधन सहित छात्र भी अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे।

- डॉ.देवाशीष मुखर्जी, सचिव निजी कॉलेज संघ

बिजनेस साइट

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में अंतर-महाविद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित अंतर-महाविद्यालयीन फुटबॉल पुरुष प्रतियोगिता 2025–26 का खिताब सेंट विंसेंट पैलोटी कॉलेज ने अपने नाम किया। दो दिनों तक चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने श्रेष्ठ कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम तक कोई गोल नहीं हुआ। टाई-ब्रेकर में पैलोटी कॉलेज ने 4–2 से जीत दर्ज की। टीम की ओर से अंकुश मिंस, आशीष टांडी, आकाश कुजूर और दीप नायक ने सफल शॉट लगाए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलाधिपति रविशंकरजी महाराज ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में नेतृत्व और खेलभावना को प्रोत्साहित करते हैं।

एमएम स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में जीते पदक

रायपुर। एमएम स्कूल ने राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 28 पदक जीते। जल संरक्षण विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने 11 स्वर्ण, 9 रजत और 8 कांस्य पदक हासिल कर स्कूल व शहर का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों की कविताओं ने पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति उनकी समझ व जागरूकता को दर्शाया। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

घुटने-रीढ़ दर्द के उन्नत उपचार हेतु विशेष परामर्श शिविर 27–28 नवंबर को

रायपुर। बढ़ते घुटने और रीढ़ संबंधी दर्द की गंभीरता को देखते हुए श्री अमृतम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल पचपेड़ीनाका में 27 और 28 नवंबर को दो दिवसीय विशेष परामर्श शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में ऐसे मरीजों को आधुनिक, बिना सर्जरी वाले उपचार विकल्पों के बारे में जानकारी और विशेषज्ञ परामर्श दिया जाएगा, जो लंबे समय से घुटने या कमरदर्द से परेशान हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, शिविर के दौरान स्टेमसेल थेरेपी, पीआरपी और कूल्ड रेडियो फ्रीक्वेंसी जैसी उन्नत तकनीकों से उपचार की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में कोलकाता की प्रसिद्ध दर्द विशेषज्ञ एवं इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन की पूर्व अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पोद्दार विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। वे मरीजों की जांच कर उन्हें उपयुक्त उपचार संबंधी सुझाव प्रदान करेंगी। शाम 5 से 7 बजे तक आयोजित होने वाला यह शिविर उन मरीजों के लिए उपयोगी साबित होगा, जो बिना सर्जरी के नए और प्रभावी उपचार विकल्प तलाश रहे हैं।

जोरा मुक्तिधाम का होगा सौंदर्यीकरण, 32 लाख स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण में लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के जोरा मुक्तिधाम के सौंदर्यीकरण के लिए 32 लाख 46 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उपमुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोद के बाद सूडा द्वारा इसकी स्वीकृति के संबंध में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप को परिपत्र जारी किया गया है।

रायापुर नगर निगम के जोन 9 क्षेत्र स्थित लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के जोरा मुक्तिधाम की दशा सुधरेगी। सूडा ने इसके सौंदर्यीकरण के लिए नगरनिगम को 32 लाख 46 हजार रुपए की मंजूरी दी है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन मंत्री के अनुमोदन के बाद नगर निगम आयुक्त को परिपत्र जारी कर दिया गया है।

रायपुरा, चंगोराभाठा, भाठागांव, भारत चौक में महापौर ने किया विशेष गहन पुनरीक्षण का निरीक्षण

एसआईआर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का मंगलवार को महापौर मीनल चौबे ने निरीक्षण किया। उन्होंने रायपुरा, चंगोराभाठा, भाठागांव,भारतमाता चौक, गुढ़ियारी सहित विभिन्न स्थानों पर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। महापौर मीनल चौबे ने दस जोन के जोन कमिश्नरों, अधिकारियों और बीएलओ से एसआईआर कार्य को तय समय अवधि में गुणवत्ता पूर्ण कराने के निर्देश दिए। राजधानी में इन दिनों नगर निगम के 10 जोन स्थित 70 वार्डों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

दुर्ग के होटल में गला दबाकर हत्या, पुलिस को गुमराह करने अमलीडीह इलाके में शव लाकर फेंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पुलिस कालोनी के पास सूनसान जगह पर खाली प्लॉट में मिली नाबालिग लड़की की गला दबाकर हत्या की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। इस खुलासा के साथ पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान करने के साथ उसकी हत्या किस स्थान पर की गई है, इसका भी पता लगा लिया है। दुर्ग के एक होटल में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। होटल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में नाबालिग की लाश लेकर निकलते दो आरोपी कैद भी हुए हैं, जिनकी पहचान कर पुलिस सरगर्मी से उनकी तलाश में जुटी है।

- **होटल से लाश लेकर निकलते दो आरोपी सीसीटीवी कैमरे में हुए कैद**

पुलिस को गुमराह करने लाश को रायपुर में फेंका : राजेंद्रनगर थाना प्रभारी ने बताया कि अमलीडीह इलाके में मिली नाबालिग की लाश मिलने की घटना की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ चुकी है। इस रिपोर्ट में लड़की का मुंह और नाक दबाकर हत्या करना पाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया है, वहीं जांच में यह भी पता चला कि मृतका की हत्या रायपुर में नहीं, बल्कि दुर्ग के सूर्योदय नगर पोल्सेपारा स्थित 36 होटल में की गई है। इस होटल के सीसीटीवी कैमरे में मृतका के शव को होटल से निकालते हुए दो आरोपी कैद हुए हैं। पुलिस ने सीसीटीवी में कैद आरोपियों की पहचान कर ली है, लेकिन दोनों के नाम का खुलासा अभी नहीं किया है। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी बालिग हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद ही उनके नाम का खुलासा किया जाएगा।

काशीराम नगर की लड़की की हत्या लाश अमलीडीह के खाली प्लाट में फेंकी

प्रेम प्रसंग के कारण हत्या की आशंका

तीन दिन पहले मिला था शव

मृतका का शव तीन दिन पहले अमलीडीह की पुलिस कालोनी के पास खाली प्लाट में मिला था। शव को देखकर पुलिस ने हत्या की आशंका जताई थी। काशीरामनगर की रहने वाली मृतका तीन दिन से घर से लापता था। उसकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस में भी दी थी। इस मामले में यह भी आशंका जताई गई है कि उसकी हत्या प्रेम प्रसंग के कारण हुई है। फिलहाल इस मामले में पुलिस को भी आरोपियों के पकड़े जाने का इंतजार है। दोनों के पकड़े जाने पर ही हत्या के कारण का खुलासा हो पाएगा।

पेज 11 के शेष ...

सबसे बड़े सरकारी अस्पताल ...

करती है। आमतौर में ठंड की वजह से नसों में सिकुड़न होती है, जिससे शरीर के विभिन्न अंगों में अकड़न की समस्या होती है। सिकुड़न अगर हृदय की नसों से संबंधित है, तो हार्ट फेल्यिर जैसी बड़ी समस्या का कारण बन सकता है। इसी तरह ठंड के सीधे और ज्यादा संपर्क में रहने की वजह से खून गाढ़ा होने की शिकायत भी होती है, जो ब्लाकेज यानी हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। आंबेडकर अस्पताल के एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में इस तरह के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। यहां हार्ट अटैक जैसी समस्या लेकर रोजाना औसतन तीन मरीज पहुंच रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार इस महीने एसीआई में करीब 50 लोगों की एंजियोग्राफी अथवा एंजियोप्लास्टी की जरूरत पड़ी है। डाक्टरों की मानें, तो अक्टूबर से जनवरी के चार महीने में हृदय संबंधी शिकायतों के मरीजों की संख्या डेढ़ से दो गुनी बढ़ जाती है।

ठंड से बचाव के लिए गाइड...

सफेदपन, सुन्नता जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। कई लोग ठंड से बचने के लिए कोयला जलाकर आग सेंकते हैं, लेकिन बंद कमरे में कोयला जलाना अत्यंत खतरनाक है, क्योंकि इससे निकलने वाली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस जहरीली होती है और जानलेवा भी साबित हो सकती है। हाइपोथर्मिया की स्थिति में व्यक्ति को तुरंत गर्म स्थान पर लिटाएं और कंबल या गर्म कपडों से ढंक दे, जिससे शरीर का तापमान सामान्य हो सके। मांसपेशियों में अकड़न होने पर भी डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

अस्थमा और हड्डी संबंधी भी...

मरीजों के लिए भी थोड़ी परेशानी का कारण बन जाता है जिनकी हड्डियों अथवा जोड़ों की सर्जरी हुई रहती है। ठंड में नमी की कमी होने से हड्डियां सिकुड़ती हैं जिससे समस्याएं पैदा होती हैं।

उत्तरी इलाके में शीतलहर के ...

हुई जिससे हल्की ठंड का अहसास हुआ। दिन का पारा 29 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस कम है। राज्य का सबसे ज्यादा पारा दुर्ग का 31.8 डिग्री रिकार्ड किया और अंबिकापुर का सबसे कम 8.5 दर्ज किया गया।

लाइट, पानी, शौचालय...

नहीं खोल पा रहे हैं। मूलभूत सुविधा नहीं होने से उन्हें अपनी आजीविका की चिंता सता रही है। ओवरब्रिज के नीचे चौपाटी शिफ्ट होने से दुकानदारों का व्यापार पूरी तरह चौपट हो गया है। प्रभावित दुकानदारों का कहना है कि दुकानों के लिए सबसे जरूरी बिजली और पानी है, बिजली कनेक्शन होने पर ही दुकानों को रोशन कर सकेंगे। फ्रिज, इंडक्शन, एक्जास्ट जैसी जरूरी सुविधाएं बिना बिजली के कैसे चला पाएंगे।

डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस की ...

प्रमुख एजेंडा होंगे। पहले दिन 2, दूसरे दिन 4 और तीसरे दिन 2 सत्र होंगे। अमित शाह तीनों दिन मौजूद रहेंगे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी दो दिन शामिल हो सकते हैं। सभी राज्य अपराध नियंत्रण और सुरक्षा उपायों पर प्रेजेंटेशन देंगे। एक मॉडल स्टेट के आधार पर कॉमन गाइड लाइन तैयार की जाएगी। उद्घाटन सत्र में अमित शाह और समापन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह का बंगला अस्थायी पीएमओ के रूप में उपयोग होगा।

कॉन्फ्रेंस में जुटेंगे साढ़े पांच सौ अफसर : साथ ही रुकने वाले स्थानों की सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती की जाएगी. राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल की 5 कंपनी को ड्यूटी में उपलब्ध कराया जाएगा। 28 से 30 नवंबर तक होने वाले सम्मेलन स्थल पर सीआरपीएफ के जवानों के साथ ही आईबी की टीम तैनात रहेगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी के जिम्मे रहेगी। केंद्रीय फोर्स के जवान सहयोगी की भूमिका में रहेंगे। सम्मेलन की सुरक्षा एडीजी दीपांशु काबरा और आईजी अमरेश मिश्रा की कमान में रहेगी। केंद्रीय फोर्स, इंटेलिजेंस एजेंसियों और राज्य पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी इनके पास होगी।

करन ट्रैवल्स के ठिकानों ...

माध्यम से ही शराब घोटाले के पैसों से देश-विदेश की यात्रा के लिए एयर टिकट तथा होटल की बुकिंग की जाती थी। इन तथ्यों के आधार पर ईओडब्ल्यू ने अब एजेंसी संचालक के ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया है। इधर इस छापामार कार्यवाही को लेकर ईओडब्ल्यू के अधिकारियों की ओर से अधिकृत रूप से कोई भी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ पाई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शराब घोटाला की जांच कर रही एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने दोपहर बाद गंज क्षेत्र स्थित पिथालिया काम्पलेक्स स्थित करन ट्रैवल्स के दफ्तर में दबिश दी। इस दौरान टीम दफ्तर में रखे कम्प्यूटर सिस्टम सहित दस्तावेजों की जांच की है। इओडब्ल्यू को पूर्व में शराब घोटाला में गिरफ्तार किए गए राजनेता, अधिकारी सहित अन्य अभियुक्तों से की गई पूछताछ तथा जांच में मिले दस्तावेजों में करण ट्रैवल्स का भी नाम सामने आया था।

एयर टिकट एवं होटल बुकिंग के दस्तावेज खंगाले जा रहे: सूत्रों के अनुसार इस छापामार कार्यवाही के दौरान ईओडब्ल्यू करन ट्रैवल्स के दस्तावेजों के साथ एयर टिकट और होटल की बुकिंग की लिस्ट को भी खंगाल रही है। बताया जा रहा है कि इस लिस्ट में उन सभी के नाम खंगाले जा रहे हैं, जिनके नाम शराब घोटाला से जुड़े हुए हैं या जिनके नाम पर घोटाला में शामिल होने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार इस छापा में विदेश के कई शहरों के अलावा देश के जम्मू-कश्मीर, केरल, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड आदि राज्यों में ट्रैवल्स करने की हिस्ट्री सामने आई है। फिलहाल जांच की कार्यवाही जारी होने के कारण इसका खुलासा नहीं किया गया है।

न्योता भोज में बढ़ाएं ...

को गूगल शीट में दर्ज कर उन्हें "आओ खुशियां बांटें" परियोजना से जोड़ने की पहल पर भी चर्चा की गई। वर्तमान में जिले की 97% शालाओं में स्व-सहायता समूहों द्वारा मध्यान्ह भोजन संचालित हो रहा है, जिसे 100% तक ले जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय, पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मुद्रण तथा सामग्री लेखन विभाग भर्ती परीक्षा के प्रवेशपत्र जारी

रायपुर। मुद्रण तथा सामग्री लेखन विभाग के अंतर्गत कापी होल्डर, प्लेट मेकर सहित अन्य पदों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षा के लिए व्यापम द्वारा प्रवेशपत्र जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा 30 नवंबर को आयोजित की जाएगी। इसके लिए केवल राजधानी रायपुर में ही केंद्र बनाए गए हैं। दिशा-निर्देश सहित अन्य जानकारी व्यापम ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

छात्रों को मिले निशुल्क पास

रायपुर। एनएसयूआई ने 3 दिसंबर को भारत-साउथ अफ्रीका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की निशुल्क टिकट छात्रों को देने की मांग की है। प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के डिप्टी डायरेक्टर रविकांत अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर मांग करते हुए एनएसयूआई ने कहा, स्टेडियम की क्षमता 65,000 दर्शकों की है। फिर भी केवल 1,500 छात्रों को टिकट 800 रुपए की दर से जारी किए गए हैं। अधिकतर छात्रों के लिए आर्थिक रूप से इतनी राशि वहन करना संभव नहीं है। राज्य में 50 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

एचआईवी सहित अन्य जांच के लिए शिविर का आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत रायपुर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा नोडल अधिकारी एड्स के निर्देशानुसार को रॉयल कॉलेज आफ फॉर्मेसी, डूमरतालाब रायपुर एवं साहू भवन डूमरतालाब, रायपुर में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस एकीकृत स्वास्थ्य शिविर में रॉयल कॉलेज आफ फार्मेसी के सभी छात्र-छात्राओं, कॉलेज के प्रिंसिपल सहित सभी शिक्षकों का बीपी, शुगर, एक्स-रे एवं अन्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

लाखेनगर में आज से श्रीमद भागवत कथा

रायपुर। पुरानी बस्ती लाखेनगर स्थित श्रीराम मंदिर में सात दिवसीय 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रीमद भागवत कथा के कथावाचक आचार्य पं. युवराज पांडेय होंगे। यह जानकारी कार्यक्रम आयोजक ने देते हुए बताया कि श्रीमद भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और जीवन की शिक्षाओं का वर्णन किया जाता है। यह आयोजन भक्तों को शांति, सुख और मोक्ष की प्राप्ति में मदद करता है।

मो. अली बने गरीब नवाज मस्जिद के मुतवल्ली

रायपुर। हजरत गरीब नवाज मस्जिद संजय नगर में रविवार को मुतवल्ली के चयन के लिए चुनाव कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समुदाय के लोगों ने भाग लिया। कुल 1791 मतपत्रों में से 26 मत निरस्त पाए गए, जबकि 1765 मत मान्य घोषित किए गए। चुनाव परिणामों के अनुसार, सैय्यद मोहम्मद अली (भोला भाई) ने कुल 829 मत प्राप्त कर मुतवल्ली पद पर विजय प्राप्त की। उनकी जीत के बाद मस्जिद से जुड़े लोगों में उत्साह और हर्ष देखा गया। हाजी सैयद, साजिद अली, मोहम्मद शकील और कमालउद्दीन निजामी सहित कई अन्य ने भी अपनी दावेदारी पेश की थी। नवनिर्वाचित मुतवल्ली के रूप में सैयद मोहम्मद अली मस्जिद से संबंधित धार्मिक, सामाजिक एवं व्यवस्थापन संबंधी कार्यों का संचालन करेंगे। उनके सहयोग के लिए स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों की एक सलाहकार समिति भी बनाई गई है।

सूर्य घर योजना में आवेदन न करने वाले पॉवर कंपनी के कर्मचारियों की छूट होगी कट

डेडलाइन डेड, अब दिसंबर से खपत पर लगेंगे पूरे पैसे, अब तक 50 फीसदी मिलती थी छूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर एक तरफ जहां आम उपभोक्ता लगातार आवेदन कर अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने का काम कर रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों में इसे लेकर कोई रुचि नहीं है। 25 नवंबर तक सभी को आवेदन करने का फरमान जारी किया गया था, लेकिन तय डेडलाइन तक 25 फीसदी से भी कम ने आवेदन किए हैं। ऐसे में आवेदन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलने वाली 50 फीसदी की छूट को बंद कर दिया जाएगा और दिसंबर से इनको पूरे बिजली बिल का भुगतान करना पड़ेगा। इनकी हर माह की जितनी खपत होती है, उसमें अब तक टैरिफ में आधा पैसा ही लगता है। प्रदेश में करीब 14 हजार अधिकारी और कर्मचारी हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर प्रदेश सरकार बहुत गंभीर है। ऐसे में इस योजना के लिए केंद्र सरकार की सब्सिडी के साथ ही राज्य सरकार ने भी अपनी सब्सिडी जारी की है। ऐसे में अब डबल सब्सिडी के कारण आम उपभोक्ता इसकी तरफ प्रभावित हो रहे हैं। आवेदनों की रफ्तार में बहुत ज्यादा इजाफा हो गया है। अब तक एक लाख 11 हजार से ज्यादा आवेदन हो गए हैं। इसी के साथ 14 हजार घरों में सोलर पैनल भी लग गए हैं।

25 फीसदी आवेदन भी नहीं

प्रदेश सरकार ने जब अगस्त से बिजली बिल हॉफ योजना का दायरा कम करके इसमें मिलने वाली छूट को चार सौ यूनिट से घटाकर सौ यूनिट किया और पूरा फोकस पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली की तरफ लगाया तो छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपने घरों में हर हाल में तीन माह में सोलर पैनल लगाने का फरमान जारी किया गया। इस फरमान का असर ज्यादा नजर नहीं आया। इसके बाद 25 नवंबर तक आवेदन करने का नया फरमान जारी किया गया। पीएम सूर्य घर योजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों का अलग से डाटा निकाल पाना उतना आसान नहीं है, क्योंकि सभी के आवेदन एक ही पोर्टल में किए जा रहे हैं।

छूट होगी बंद

पॉवर कंपनी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हर हाल में 25 नवंबर तक आवेदन करने थे, जिन्होंने भी आवेदन नहीं किए हैं, उनको मिलने वाली 50 फीसदी की छूट बंद कर दी जाएगी।

- भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

अधिनियम में सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक प्रयोजनों का उल्लेख

पंजीकृत आवासीय समितियों में मेंटेनेंस शुल्क को लेकर रजिस्ट्रार फर्म सोसाइटी ने मांगे प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पंजीकृत आवासीय समितियों द्वारा मेंटेनेंस शुल्क लिए जाने के संबंध में रजिस्ट्रार, फर्म्स और सोसाइटी ने समितियों से उनके उपनियमों में संशोधन के प्रस्ताव मांगे हैं। यह कदम मेंटेनेंस शुल्क के संबंध में पारदर्शिता लाने और एक समान नीति बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है, क्योंकि इस मुद्दे पर अक्सर समितियों के बीच विवाद होते रहते हैं।

शुल्क लेना अनिवार्यः एक हाउसिंग सोसाइटी का हिस्सा होने के नाते, निवासियों के लिए रखरखाव शुल्क (मेंटेनेंस चार्ज) का भुगतान करना अनिवार्य है, क्योंकि इसका उपयोग सुरक्षा, सफाई, पानी की आपूर्ति और अन्य साझा सुविधाओं के प्रबंधन के लिए किया जाता है। रजिस्ट्रार ने समितियों से उनके मौजूदा उपनियमों में संशोधन के लिए प्रस्ताव 15 दिन में भेजने कहा है। इन प्रस्तावों में रखरखाव शुल्क की संरचना, बकाया राशि पर जुर्माना और अन्य वित्तीय नियम शामिल हो सकते हैं। इसका उद्देश्य अधिनियम के तहत स्पष्टता लाना, विवादों को कम करना और समितियों के संचालन को सुव्यवस्थित करना है।

आबंटन के 3 माह में सोसाइटी बनाना अनिवार्य : रियल एस्टेट सेक्टर का रेगुलेशन कर इस सेक्टर में पारदर्शिता व दक्षता लाने तथा उपभोक्ताओं के हितों को संरक्षित करने के उद्देश्य से 1 मई 2017 से भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम लागू किया गया। अधिनियम की धारा 11 में वर्णित प्रावधानों के अनुसार किसी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में 50 प्रतिशत से अधिक आबंटितियों (केताओं) द्वारा अपना प्लाट, अपार्टमेंट, भवन बुक कराने के 3 माह के अवधि के भीतर अनिवार्य रूप से उनका एसोसिएशन या सोसायटी या सहकारी सोसायटी बनाए जाने का प्रावधान है। अधिनियम में वर्णित प्रावधानों के अनुसार ऐसी रहवासी सोसाटियों द्वारा ही संबंधित कॉलोनियों के दैनिक रख-रखाव व प्रबंधन संबंधी कार्य किये जाने है।

आनंद विहार रेसीडेंट्स सोसाइटी का पंजीयन निरस्त

इन्हीं निर्देशों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के तहत आनंद विहार रेसीडेंट्स विकास सोसाइटी, रायपुर पंजीकृत है। सोसाइटी द्वारा दैनिक रख-रखाव संबंधी कार्य किया जा रहा है एवं उसके लिए शुल्क लिया गया है, जो संस्था के पंजीकृत उद्देश्यों के विपरीत है। उक्त समिति के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर समिति का पंजीयन छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के तहत निरस्त किया गया है।

360 पंजीकृत सोसाइटी, 15 दिन में मांगे प्रस्ताव

रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं पद्मिनी भोई साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ द्वारा इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अंतर्गत पंजीकृत कुल 360 रहवासी, आवासीय, परिसर को सूचित गया है कि यदि आपके उद्देश्यों में धारा 2 के विपरीत मेंटेनेंश/ रख-रखाव है, तो वे समितियां 15 दिवस के भीतर उदश्यों में संशोधन के लिए ऑनलाइन प्रस्ताव प्रस्तुत करें। उक्त स्थिति में शिकायत प्राप्त होने पर समिति का पंजीयन अधिनियम की धारा 34 के अधीन निरस्त कर दिया जावेगा।

स्वदेशी संकल्प यात्रा के स्वागत को लेकर प्रदेशभर में उत्साह, कल राजनांदगांव से प्रादेशिक चरण शुरू, रमन मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- कैट प्रदेश कार्यालय में हुई अहम बैठक

देशभर में स्वदेशी जागरण का संदेश लेकर निकली स्वदेशी संकल्प यात्रा के छत्तीसगढ़ आगमन को लेकर प्रदेशभर में उत्साह का माहौल है। कैट और स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में संचालित इस यात्रा का 27 नवंबर को राजनांदगांव से प्रादेशिक स्तर पर शुभारंभ होगा। इसमें छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमनसिंह के मुख्य आतिथ्य में अगवानी होगी। मंगलवार को राजधानी के पंडरी स्थित कैट के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को यात्रा को भव्य स्वरूप देने बैठक हुई।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी,स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों, व्यापारिक संगठनों, युवा इकाइयों एवं स्वयं सेवी टीमों ने प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। बैठक में यात्रा की संपूर्ण रूपरेखा, समय-सारणी, स्वागत कार्यक्रम, जन-जागरूकता गतिविधियां और सुरक्षा-व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। यात्रा को प्रदेश में ऐतिहासिक स्वरूप देने कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी सहमति बनी।

जिलों को जारी किए गए दिशा-निर्देश

प्रदेश कार्यालय द्वारा सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश भेजे गए हैं, जिनके आधार पर सभी जिला समितियां तैयारियां कर रही हैं।

इसमें स्वागत एवं रथ पूजन कार्यक्रम, यात्रा जिले की सीमा में प्रवेश करे, तब भव्य स्वागत,स्वदेशी संकल्प रथ का पूजन होगा।

इसके अलावा संवाद एवं प्रेरणा सत्र भी रखे गए हैं, व्यापारियों, महिला उद्यमियों और युवाओं के लिए अलग से सत्र होगा।

वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी व्यापार मॉडल तथा आत्मनिर्भर भारत विषय पर संवाद होगा। बाजारों में स्वदेशी संदेश के साथ रैली, सोशल मीडिया कैंपेन, स्थानीय उत्पादों के स्टाल लगाने खास अपील की गई है।

इसके अलावा जिला स्तर पर समन्वय समितियाँ बनाई जा रही है। हर जिले में 7 सदस्यीय संयोजन समिति का गठन किया जाएगा।

बैठक में कैट एवं स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी अमर पारवानी, जगदीश पटेल, सुमन मुथा, विक्रम सिंहदेव, परमानंद जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज, अवनीत सिंह, कांति पटेल, रतनदीप सिंह, राजेन्द्र खटवानी, कन्हैया गुप्ता एवं नागेन्द्र तिवारी उपस्थित रहे।

चौपाटी हटाने के विरोध में सड़क पर उतरी एनएसयूआई, कहा-छात्रों से सुविधा छीन रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हस्ताक्षर कर जताया विरोध

साइंस कॉलेज के समीप से चौपाटी हटाए जाने के विरोध में एनएसयूआई सड़क पर उतर आई है। इसे लेकर एनएसयूआई द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का रवैया लगातार छात्र-विरोधी रहा है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में छात्रों के हित में बनाया गया फूड कोर्ट परिसर, जहां रोजाना हजारों छात्र-छात्राएं भोजन, बैठक एवं सुरक्षित वातावरण का लाभ लेते थे, उसे भाजपा सरकार ने अचानक तोड़ दिया। इस कार्रवाई ने न केवल छात्रों को सुविधाओं से वंचित किया, बल्कि वहां काम करने वाले दुकानदारों और युवाओं के रोजगार पर भी सीधा प्रहार किया।

एनएसयूआई ने कहा, छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार और विधायक का कहना है कि फूड कोर्ट वाली जगह पर नालंदा-2 लाइब्रेरी बनना तय हुआ है। यह विचारणीय है कि जिस जगह पर नालंदा-2 लाइब्रेरी बनने जा रहा है वो जगह मेन रोड के ठीक किनारे है, जहां से 24 घंटे गाड़ियों का आना-जाना है। ठीक पीछे शहर का एकमात्र खुला मैदान है, जहां महीने के 20 दिन कुछ न कुछ कार्यक्रम होते ही रहता है। इन स्थितियों में पढ़ाई के लिए छात्रों को उचित वातवरण नहीं मिल सकेगा।

बूढ़ापारा चौपाटी को भी हटाए सरकार

छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान के दौरान नारेबाजी करते हुए सरकार से कई सवाल पूछे। छात्रों ने कहा, फूड जोन को बनाने में आई लागत 6 करोड़ 12 लाख रुपए को सरकार किससे वसूल करेगी? शैक्षणिक क्षेत्रों के समीप होने का जिस तरह से हवाला दिया गया है, क्या उसी तरह से बूढ़ापारा चौपाटी को भी हटाया जाएगा? यदि हटाया जाएगा तो राज्य सरकार और निगम प्रशासन हटाने का दिन और समय बताए। एनआईटी फूड कोर्ट प्रोजेक्ट बनाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर सरकार और विधायक राजेश मूणत कब और क्या कार्यवाही करेंगे? कार्यक्रम में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडेय, जिलाध्यक्ष शांतनु झा, अमित शर्मा, हेमंत पाल, महताब हुसैन, पुनेश्वर लहरे, गावेश साहू सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में गड़बड़ी, पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

- एसआईआर फार्म भरने के बाद पावती नहीं मिल रही

रायपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में मतदाता सूची को लेकर खामियां सामने आ रही है। इन गड़बड़ियों को लेकर परेशान लोगों की बातों को निर्वाचन अधिकारी तक पहुंचाने पूर्व महापौर एजाज ढेबर, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है।

साथ ही चुनाव आयोग पर बिना किसी पूरी तैयारी के एसआईआर की प्रक्रिया को अंजाम देने का आरोप लगाया है। उनका ये भी कहना है कि 2003 में मतदान करने वाले कई लोगों के नाम सूची से गायब हैं। ढेबर ने इसे चौंकाने वाली और अस्वीकार्य चूक बताया।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने रामसागर पारा की रामजी हलवाई गली में करीब 80 लोगों का नाम 2003 की सूची से गायब होने पर निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराया। विकास उपाध्याय ने कहा कि इन्हीं लोगों ने 1998 में उन्हें वोट किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की तैयारी पूरी नहीं है, आनन-फानन में इसे लागू किया गया है, जिसके कारण जनता भटक रही है। उन्होंने कहा कि बीएलओ को कुछ पता नहीं है, जिन लोगों का नाम 2003 की सूची से गायब है, उनको कहा जा रहा है कि आप ऐसे ही फार्म भर दीजिए। बीएलओ और सुपरवाइजर को सही तरीके से निपुण करना था।

देश, विदेश के निश्चेतना विशेषज्ञ राजधानी में जुटे, नेशनल कांफ्रेंस शुरू, 16 वर्कशाप होंगे, 28 से तीन दिवसीय शैक्षणिक सत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 27 नवंबर को सीएमई का आयोजन, 28 से तीन दिवसीय शैक्षणिक सत्र भी
- निश्चेतना के प्रति सामाजिक संदेश देने बाइक और कार रैली

अखिल भारतीय निश्चेतना सम्मेलन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मंगलवार से शुरू हो गया है। दो दिन में 16 वर्कशाप रखे गए हैं। इसमें देशभर से 3 हजार निश्चेतना विशेषज्ञ और विदेश से 40 निश्चेतना विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करने आमंत्रित हैं। 27 नवंबर को कंटीन्यूस मेडिकल एजूकेशन का सत्र रखा गया है। सीएलटीसी के वर्कशाप में शामिल निश्चेतना वैज्ञानिक को सिडनी आस्ट्रेलिया से आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय एक्सपर्ट डॉ. माइकल प्रायोगिक तौर पर ज्ञानवर्धन करेंगे।

नेशनल कांफ्रेंस के आर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. सुधीर टिचकुले, आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप शर्मा, चीफ एडवाइजर डॉ. महेश सिन्हा ने मंगलवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में इस बात की जानकारी दी।

पत्रकारों से चर्चा में डॉ. सुधीर टिचकुले ने बताया 27 नवंबर को कंटीन्यूअस मेडिकल एजुकेशन का आयोजन होगा, जिसमें देश भर के ख्याति प्राप्त निश्चेतना विज्ञानी अपनी विशेषज्ञता प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन में देश-विदेश की 150 अलग-अलग मेडिकल डिवाइस कंपनियां हिस्सा लेंगी, जो नवीनतम टेक्नालॉजी के मशीनों का प्रदर्शन करेंगे।

गिरफ्तारी के साथ परेड लेकर दी समझाइश

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले गुंडे-बदमाशों पर पुलिस की नकेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर।

नया रायपुर स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले मैच के पूर्व पुलिस प्रशासन ने शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुंडे-बदमाशों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। इसके तहत मंगलवार को पुलिस ने ढाई सौ से अधिक गुंडे-बदमाशों को सिविल लाइन स्थित पुलिस कंट्रोल में बुलाकर न केवल सभी की परेड लेकर उन्हें कड़ाई से समझाइश दी, बल्कि उनमें 96 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। इनमें 9 के विरुद्ध आर्म्स एक्ट एवं 87 के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह के निर्देश पर पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के मद्देनजर जिले के गुंडे-बदमाश एवं असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। इसके तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्र के छंटे हुए बदमाशों को सिविल लाइन में तलब किया था। इसके तहत 256 गुंडे-बदमाशों ने हाजिरी दी। पुलिस ने इनमें से 96 बदमाशों में 9 के विरुद्ध आर्म्स एक्ट तथा 87 के तहत प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है, वहीं अन्य सभी आरोपियों की परेड कराते उन्हें सख्ती से समझाइश दी कि वे सभी अपराध छोड़कर शांति रूप से जीवन यापन करें और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद करें।

200 से अधिक वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

रायपुर रेंज में संचालित निश्चय एवं वारंट तामिल अभियान के तहत पुलिस ने पिछले तीन दिन में अलग-अलग जिले से कुल 200 से अधिक वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा हैं। इनमें क्रमशः महासमुंद से 77, धमतरी-11, गरियाबंद 47, बलौदाबाजार-68 एवं रायपुर से 25 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों पर दस वर्ष पुराने प्रकरण दर्ज हैं। इनमें कई हत्या जैसे गंभीर अपराध के वारंटी भी शामिल है। रायपुर जिले में इससे पूर्व 300 वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

02

सिया बनीं दुल्हन, दूल्हा रघुराई...

एजुकेशन अलर्ट

केंद्रीय और नवोदय विद्यालयों में 14 हजार से अधिक पदों पर आवेदन शुरू

रायपुर। देशभर के केंद्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में टीचिंग तथा नॉन टीचिंग के करीब 15 हजार पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 14 नवंबर से स्टार्ट हो गई है, जो निर्धारित अंतिम तिथि 4 दिसंबर तक जारी रहेगी। ऐसे में जो भी उम्मीदवार इस भर्ती के लिए पात्रता पूरी करते हैं, वे ऑनलाइन माध्यम से सीबीएसई ऑफिशियल वेबसाइट cbse.gov.in पर जाकर या इस पेज पर दिए लिंक से फॉर्म भर सकते हैं। नोटिफिकेशन के मुताबिक, इस भर्ती के माध्यम से टीचिंग एवं नॉन टीचिंग की 14967 पोस्ट पर नियुक्तियां की जाएंगी। इसमें से केंद्रीय विद्यालयों में 9126 पदों और नवोदय विद्यालयों में 5841 पदों पर भर्ती की जाएगी। एससी, एसटी व पीएच वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को सभी पदों पर आवेदन के लिए 500 रुपए का भुगतान करना होगा।

एग्जाम के लिए योग्यता एवं मापदंड

इस भर्ती में भाग लेने के लिए पद के अनुसार अलग-अलग पात्रता तय की गई है। टीजीटी, पीजीटी एवं प्रिंसिपल के पदों पर आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन एवं बीएड/एमएड की डिग्री होनी चाहिए। नॉन टीचिंग पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास स्नातक या परास्नातक सहित अन्य निर्धारित योग्यता होना अनिवार्य है। इसके अलावा अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु पदानुसार 18, 30 व 35 वर्ष और अधिकतम आयु 40, 45, व 50 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि आरक्षित श्रेणी से आने वाले अभ्यर्थियों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी। इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी स्वयं ही ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आपकी सहूलियत के लिए यहां आवेदन का डायरेक्ट लिंक एवं स्टेप्स प्रदान किए जा रहे हैं। एप्लीकेशन फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले वेबसाइट **cbse.gov.in** पर जाएं। होमपेज पर लेटेस्ट में जाकर भर्ती से संबंधित अप्लाई लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद आप रजिस्टर लिंक पर क्लिक करें और मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण कर लें। रजिस्ट्रेशन होने के बाद अन्य डिटेल भरकर फॉर्म को पूरा कर लें। अंत में केटेगरी के अनुसार निर्धारित फीस जमा करके फॉर्म को सबमिट कर दें। उसका एक प्रिंटआउट निकालकर भविष्य के लिए सुरक्षित रख लें।

● नए फीचर वाली कारों का बढ़ता क्रेज, पुरानी गाड़ियों में अपग्रेडेशन पर लोग खर्च कर रहे लाखों

पुरानी कार को बना रहे लग्जरी, 20 लाख की गाड़ी पर 8 लाख तक का मॉडिफिकेशन, सिर्फ म्यूजिक और टेक अपग्रेड पर 5 लाख तक खर्च

हर साल कार कंपनियां अपनी गाड़ियों को नए फीचर्स के साथ लॉन्च कर रही हैं, जिससे कार प्रेमियों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि लोग अपनी पुरानी कारों में भी नए फीचर्स लगवाकर उन्हें आकर्षक और लग्जरी बनाने पर लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। साउंड सिस्टम, इंटीरियर, टेक्नोलॉजी, एक्सटीरियर से लेकर परफॉर्मेंस तक हर तरह के मॉडिफिकेशन कराकर लोग अपनी कार को समय के साथ अपग्रेड कर रहे हैं।

रायपुर। कार एक्सपर्ट्स का कहना है कि मॉडिफिकेशन न सिर्फ सुविधा बढ़ाते हैं, बल्कि कार की लाइफ भी लंबी करते हैं। आजकल लोग टॉप वेरियंट में मिलने वाली सुविधाओं को अपने बेस मॉडल में लगवाकर कार को मॉडर्न बना रहे हैं। हरिभूमि ने शहर के कार मॉडिफिकेशन दुकानदारों से बातचीत की। अनुपम गार्डन स्थित कार मॉडिफिकेशन सेंटर के संचालक विनीत चौधरी ने बताया कि इन दिनों युवा सबसे ज्यादा साउंड सिस्टम, सनरूफ, फॉग लाइट, 360-डिग्री कैमरा सिस्टम और वायरलेस चार्जिंग जैसे फीचर्स पर खर्च कर रहे हैं। 15 से 20 लाख की कारों पर ही 3 से 5 लाख रुपए तक के हाई-एंड साउंड सिस्टम लगवाए जा रहे हैं। इसके अलावा टेक्नोलॉजी अपग्रेड में टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जिंग, जीपीएस और ट्रैकिंग डिवाइस की भारी मांग है, जिन पर एक लाख रुपए तक का खर्च आ जाता है। नई कारों में ये सुविधाएं कंपनी फिटेड मिल जाती हैं, लेकिन पुरानी गाड़ियों को मॉडर्न बनाने के लिए लोग इन्हें अतिरिक्त रूप से लगवा रहे हैं।

एंबिएंट लाइट के साथ लगवा रहे म्यूजिक सिस्टम

कार में म्यूजिक सिस्टम में 1 से 5 लाख तक राजधानी में लगाए जा रहे हैं। महंगी गाड़ियों में कार के अंदर एंबिएंट लाइट लगा रहे हैं, म्यूजिक के साथ इसकी रोशनी कम ज्यादा होती है। इस सिस्टम में 2 लाख तक बड़ी गाड़ियों में खर्च आता है। दुकान संचालक कैलाश वैष्णव ने बताया कि बूम बॉक्स और सबवुफर की कीमत छोटी कार में 50 हजार से 2 लाख तक है। इसके अलावा एम्प्लीफायर और स्पीकर अपग्रेड भी करा रहे हैं, जिसमें खर्च 2 लाख से अधिक तक पहुंच जाता है। शहर में हर महीने 300 से 600 हाई एंड कार म्यूजिक सिस्टम सेल हो रहे हैं। इनमें 30 प्रतिशत कार मालिक 2 से 3 साल में सिस्टम अपग्रेड करा रहे हैं। 25 से 45 आयु वर्ग के प्रोफेशनल और बिजनेसमैन म्यूजिक पर कई तरह प्रयोग भी कर रहे हैं। लंबी यात्रा के लिए अलग और सिटी के लिए अलग ट्यूनिंग पर म्यूजिक सिस्टम सेट हो रहा है।

युवा दे रहे लग्जरी लुक पर अधिक ध्यान

इंटीरियर कस्टमाइजेशन इन दिनों सबसे तेजी से बढ़ने वाला ट्रेंड बन गया है। कार प्रेमी अपनी पसंद के अनुसार न सिर्फ सीटों का लुक बदल रहे हैं बल्कि पूरे केबिन को हाई-एंड फीचर्स से अपग्रेड कर रहे हैं, जिससे गाड़ी का इंटीरियर बिल्कुल नए मॉडल जैसा दिखाई देता है।कार मॉडिफिकेशन से जुड़े दुकानदारों के अनुसार सबसे ज्यादा मांग लेदर सीट कवर, एंबिएंट एलईडी लाइटिंग, डिजिटल डैशबोर्ड, लक्जरी स्टीयरिंग व गियर नॉब जैसे फीचर्स की है। इसमें युवा 30 हजार से 2 लाख तक खर्च कर रहे हैं। ये मॉडिफिकेशन कार के अंदर लग्जरी कार जैसा अहसास देते हैं। वहीं गर्मी से बचाव और आरामदायक ड्राइविंग के लिए सन शेड और इंसुलेशन भी बड़ी संख्या में लगवाए जा रहे हैं।

छोटी कार में भी लगवा रहे सनरूफ

कार को नए लुक व अपग्रेट करने अब शहर में छोटी कार में भी सनरूफ लगाया जा रहा है। आमतौर में सनरूफ वाली गाड़ियां 9 लाख तक आती हैं। एक लाख तक मॉडिफिकेशन कार बिना सनरूफ वाली कारों में भी इसे लगाया जा रहा है। लोगों इसकी मांग अब बढ़ने लगी है। इसके अलावा स्क्रैच से बचाने के लिए पेंट प्रोटेक्शन गार्ड लगा रहे हैं, जिसकी कीमत 1 लाख से 1.5 लाख रुपए तक होती है। यह कार को स्क्रैच, मामूली खरोंच से बचाने के लिए मदद करता है। नई कार के बाद इसे ज्यादातर लोग लगवा रहे है।

सिटी इवेंट

मैथ्स के सवालों पर पकड़ बनाने स्टूडेंट्स रेगुलर क्लास करें अटेंड

रायपुर। कुशालपुर गवर्नमेंट हाईस्कूल की लेक्चरर, मैथ्स टीचर श्वेता बारिक बोर्ड परीक्षा के टिप्स देते हुए बताती हैं कि मैथ्स के सवालों पर पकड़ के लिए नियमित प्रैक्टिस चाहिए होती है। बोर्ड एग्जाम में सफलता और मेरिट में स्थान पाने के लिए विद्यार्थियों को नियमित तौर पर क्लास के बाद घर पर जाकर रोजाना मैथ्स के सवालों को रिवाइज करना चाहिए। साथ ही मैथ्स के किसी भी फार्मूले को लेकर डाउट हो तो उसे मैथ्स टीचर्स से क्लीयर करें। फिर घर पर उसकी प्रैक्टिस करें। मैथ्स का विषय नियमित प्रैक्टिस मांगता है। प्रैक्टिस से ही मैथ्स विषय के सवालों व फार्मूलों को समझा व याद रखा जाना संभव है। ऐसे करने से एग्जाम हॉल में सवालों व उनको हल करने के सूत्रों को भूलेंगे नहीं। हम स्कूल में बच्चों को बोर्ड एग्जाम पैटर्न के अनुरूप तैयारी कराते हैं, ताकि वह एग्जाम में सफल हो सके। इसके लिए निर्धारित बोर्ड पैटर्न के अनुसार सिलेबस बेस सवालों को अंक विभाजन के हिसाब से हल कराना शामिल है।

तैयारी पूरी रहेगी तो नर्वस नहीं होंगे

टीचर्स व काउंसलर संजीव सूर्यवंशी का कहना है कि बोर्ड एग्जाम को लेकर नियमित तौर पर सिलेबस की प्रैक्टिस करेंगे तो दिमाग पर दबाव नहीं आएगा। पार्ट-पार्ट में सिलेबस रीडिंग की टाइमिंग मैनेज कर लें। फिर तैयारी करें, ऐसा करने से परीक्षा के समय पर एकदम से बोझ दिमाग पर नहीं आएगा। विषयों की बार-बार प्रैक्टिस से आपका मनोबल भी बढ़ेगा। जब स्टूडेंट्स नियमित तौर पर टाइम मैनेजमेंट कर विषयों की तैयारी करेंगे तो उनको परीक्षा हॉल में किसी तरह के नर्वस मोमेंट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही वह निर्धारित समय पर सभी प्रश्नों को अच्छी तरह से हल कर पाएंगे।

सिलेबस, ब्लूप्रिंट, अंक विभाजन के अनुरूप करें तैयारी

दानी गर्ल्स स्कूल के लैक्चरर, मैथ्स टीचर सीके वर्मा 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए टिप्स देते हुए बताते हैं कि बोर्ड एग्जाम का पैटर्न सिलेबस+ब्लूप्रिंट+अंक विभाजन पर आधारित होता है। इसी के आधार पर हम बच्चों को गणित विषय के सवालों, सूत्रों की प्रैक्टिस कराते हैं। क्लास में नियमित यूनिट टेस्ट के साथ ही प्री-बोर्ड एग्जाम भी आयोजित होता है। स्टूडेंट्स को परीक्षा में सफलता के साथ ही अच्छे अंक हासिल करने हैं तो क्लास में यूनिट टेस्ट, प्री-बोर्ड एग्जाम के सवालों को नियमित घर पर हल करना चाहिए। वहीं अंक विभाजन के स्टेप टू स्टेप 1 नंबर, 4 नंबर, 5, नंबर, 6 नंबर के प्रश्नों को विभाजित कर तैयारी कराना चाहिए। ऑब्जेक्टिव प्रश्नों में मैथ्स के नॉलेज बेस प्रश्न आते हैं, जिनमें परीभाषा, सूत्र, मान ज्ञात करने जैसे सवाल परीक्षा में पूछे जाते हैं। परीक्षा में मैथ्स में 80 नंबर के थ्योरिकल एग्जाम और 20 नंबर का प्रोजेक्ट शामिल होते हैं। स्टूडेंट्स को परीक्षा में सफल होना है तो नियमित मैथ्स क्लास अटैंड करना और नियमित घर पर प्रैक्टिस भी बहुत जरूरी है।

वाद्ययंत्रों संग 350 बच्चों ने किया सामूहिक कीर्तन

रायपुर। सिख समाज छत्तीसगढ़ द्वारा गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को समर्पित भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा श्री स्टेशन रोड रायपुर में 350 बच्चों ने सामूहिक कीर्तन प्रस्तुत कर गुरु साहिबान की शिक्षाओं और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगत ने उपस्थिति दर्ज कराई और गुरु तेगबहादुर जी की अदम्य आस्था, त्याग और मानवता के संदेश का स्मरण किया। वाद्ययंत्रों के साथ बच्चों की इस प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। सामूहिक कीर्तन में विशेषकर छोटे बच्चों ही भागीदारी रही। बड़ी संख्या में गुरुद्वारे पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं सद्भाव की कामना की। बात दें कि छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा प्रदेशभर में आयोजित हो रही गतिविधियों विशेषकर निबंध प्रतियोगिताओं, जागरूकता कार्यक्रमों और युवा सहभागिता रही। इन आयोजनों से नई पीढ़ी को गुरु साहिब के त्याग, तप और मानव सेवा की परंपरा से परिचित कराया जा रहा है।

महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर पोस्टर मेकिंग स्पर्धा

रायपुर। पं. हरिशंकर शुक्ल स्मृति महाविद्यालय में मंगलवार को महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर खास आयोजन किया गया, इस दौरान छात्रों ने महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को लेकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं के आधार, समानता और अन्य अधिकारों को पोस्टर में दर्शाया गया। जहां छात्रों ने महिला हिंसा उन्मूलन, अधिकार, अब तक की घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है।

महिला हिंसा, आत्मरक्षा समानता मुख्य विषय

यह खास कार्यक्रम एनएसएस, एसएचजी, ईओसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना और समाज में व्याप्त महिला हिंसा के प्रति संवेदनशीलता उत्पन्न करना रहा। प्रतियोगिता में छात्रों ने महिला अधिकार और जागरूकता विषय पर आधारित महिला हिंसा, आत्मरक्षा, समानता जैसे विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों की रचनात्मकता, प्रभावशीलता व सृजनात्मकता को प्रदर्शित करने का मौका देते हैं।

नया ट्रेंड : अब कार्ड के साथ गोल्ड कॉइन, चॉकलेट्स और ड्राई फ्रूट्स का प्रीमियम सेट भी दे रहे

डिजिटल दौर में भी फिजिकल वेडिंग कार्ड्स की मांग, 50 हजार से 1 लाख तक के बनवा रहे थीम-बेस्ड इनविटेशन कार्ड

कार्नर न्यूज

रायपुर। शादी की तैयारियों की पहली कड़ी यानी वेडिंग कार्ड्स इस सीजन में बेहद खास और क्रिएटिव रूप में नजर आ रहे हैं। राजधानी में इस बार इनविटेशन कार्ड्स के लिए बाजार में ढेरों प्रीमियम और इनोवेटिव विकल्प मौजूद हैं, जिनकी कीमत 500 रुपए से शुरू होकर 1 लाख रुपए तक पहुंच रही है। ई-कार्ड्स और ऑनलाइन निमंत्रण के विकल्प बढ़ने के बावजूद अधिकांश परिवार अब भी पारंपरिक छपाई वाले कार्ड्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसका कारण कार्ड में भावनात्मक जुड़ाव और सांस्कृतिक अहमियत बताया जा रहा है। इस बार सबसे ज्यादा पसंद की जा रही थीम है 'पिछवाई' राजस्थान की पारंपरिक चित्रकला शैली। लोग पेपर के अलावा फैब्रिक और वुडन बेस पर भी इस आर्टवर्क के साथ कार्ड्स डिजाइन करवा रहे हैं। कार्ड डीलरों के अनुसार श्रीनाथजी, गणेश जी और राम दरबार जैसे पारंपरिक प्रतीकों के साथ पिछवाई शैली वाले कार्ड्स की मांग खासतौर पर बढ़ी है। यह धार्मिक आस्था और कलात्मकता का संतुलन पेश करता है। इसके अलावा टैबलेट जैसे दिखने वाले डिजिटल कार्ड्स, ड्राय फ्रूट के साथ आने वाले इनविटेशन बॉक्स, पिरामिड शेप कार्ड्स और लेजर कट डिजाइनों ने भी बाजार में विशेष आकर्षण पैदा किया है। पारंपरिक पीले और लाल रंगों की जगह अब लोग पेस्टल शेड्स, मिनिमल लुक और एलीगेंट डिजाइनों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पिछवाई थीम वाले कार्ड्स की बढ़ती डिमांड

कार्ड विक्रेता मयंक तिवारी के अनुसार, इस वेडिंग सीजन में पैडेड पेपर वेडिंग कार्ड्स की मांग तेजी से बढ़ी है। इन कार्ड्स की कीमत आमतौर पर 85 से 200 रुपए तक होती है। ग्राहक अब सॉफ्ट शेड्स जैसे लाइम, गोल्ड और स्काई ब्लू के साथ-साथ डार्क कलर्स में ओलिव, ब्राउन और मरून को भी खूब पसंद कर रहे हैं। इन कार्ड्स में खूबसूरत पिछवाई आर्ट थीम का इस्तेमाल किया जाता है। डिजाइन में पारंपरिक दीवारों जैसा बैकग्राउंड बनाया जाता है, जिस पर गाय और बछड़े की पेंटिंग होती है, और कार्ड के बीच में गोल्डन या मेटल फिनिश में श्रीनाथजी की प्रतिमा उकेरी जाती है। परंपरा और एलीगेंस के इस मेल ने पिछवाई थीम को आज की सबसे लोकप्रिय थीम बना दिया है। खासकर उन दूल्हा-दुल्हनों के लिए, जो अपने वेडिंग कार्ड में ट्रेडिशन व रॉयल टच दोनों शामिल करना चाहते हैं।

1 लाख तक कीमत वाले कस्टमाइज्ड वेडिंग कार्ड

कार्ड डिजाइनरों के मुताबिक अभी प्रीमियम रेंज में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले कार्ड टैबलेट वेडिंग कार्ड हैं। इन कार्ड्स में एक छोटा कस्टमाइज्ड टैबलेट लगा होता है, जिसमें मेहमान वीडियो और फ़ोटो स्क्रोल करके देख सकते हैं। इनकी कीमत लगभग 80 हजार से 1 लाख रुपए तक होती है। यह कार्ड पूरी तरह कस्टमाइज्ड होता है। ग्राहक चाहें तो इसमें गोल्ड या सिल्वर प्लेटिंग भी करवा सकते हैं। यह कार्ड बटन से खुलता है और एक असली टैबलेट की तरह इस्तेमाल भी किया जा सकता है। कार्ड के साथ गोल्ड कॉइन, चॉकलेट्स और ड्राई फ्रूट्स का एक प्रीमियम सेट भी दिया जाता है। सबसे खास बात कि जैसे ही कार्ड का दरवाज़ा खुलता है, अंदर लाइट ऑन हो जाती है और ट्रे स्लाइड करने पर म्यूजिक प्ले होने लगता है।

प्रीमियम बॉक्स में हेरिटेज लुक दे रहे कार्ड

आजकल लोग शादी के लिए स्टाइलिश और अलग तरह के कार्ड्स पसंद कर रहे हैं, ताकि मेहमानों को एक खास अंदाज़ में निमंत्रण भेजा जा सके। इसी वजह से ड्राई फ्रूट बॉक्स पैटर्न वाले कार्ड्स की डिमांड बहुत बढ़ गई है। ये कार्ड्स 300 से 1500 रुपए की कीमत में मिल जाते हैं और इन्हें अपनी पसंद के अनुसार कस्टमाइज भी कराया जा सकता है। हेरिटेज लुक में बने ये कार्ड्स असल में एक प्रीमियम बॉक्स की तरह तैयार किए जाते हैं, जिनमें 2 या 4 छोटे जार होते हैं। इन जार में ड्राई फ्रूट्स, चॉकलेट्स या मिठाइयां खूबसूरती से पैक करके रखी जाती हैं। इस तरह यह कार्ड सिर्फ एक निमंत्रण नहीं, बल्कि एक खूबसूरत गिफ्ट की तरह भी दिखता है।

सिटी लाइव

यूथ का स्क्रीनिंग टाइम 15-18 घंटे तक बढ़ा, अब कम उम्र में पेशेंस और नींद में कमी की समस्या

रायपुर। बदलते वक्त के साथ युवाओं का स्क्रीनिंग टाइम तेजी से बढ़ता जा रहा है। बड़ी संख्या में यूथ रोजाना 15 से 18 घंटे स्क्रीन पर समय बिता रहे हैं। पिछले दो-तीन वर्षों में स्क्रीन टाइम में बढ़ोतरी हुई है, जो 'मोबाइल एडिक्शन' की नई बीमारी के रूप में सामने आ रही है। फिजिकल एक्टिविटी में कमी के कारण युवा अपना ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताने लगे हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर दिखने लगा है। कम उम्र में ही नींद न आना, घबराहट, तनाव और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं युवाओं में सबसे अधिक देखने को मिल रही हैं।

मोबाइल एडिक्शन से नींद न आने की समस्या बढ़ी

हरिभूमि से बातचीत के दौरान काउंसलर मोनिका साहू ने बताया कि युवाओं में स्क्रीन टाइम तेजी से बढ़ रहा है, वे दिनभर में 15-18 घंटे मोबाइल पर बिता रहे। रात में सोने से पहले मोबाइल के उपयोग से नींद न आने की समस्या तेजी से बढ़ रही है, लगभग 15-25 साल के युवा इस समस्या के साथ काउंसिलिंग के लिए पहुंच रहे। उनका कहना है कि अकेले रहने से युवाओं को घबराहट होने लगी है। ब्रेन से मेलाटोनिन हार्मोन रिलीज होने पर नींद आती हैं, लेकिन आंखों के नजदीक मोबाइल देखने से माइंड में डोपामिन हार्मोन रिलीज होता है, जो मेलाटोनिन हार्मोंस को रोकता हैं। सरल शब्दों में डोपामिन हार्मोन तब रिलीज होता है, जब आपको कुछ मजेदार महसूस होने लगे। लगातार बढ़ता मोबाइल एडिक्शन एक नई मानसिक बीमारी के रूप में सामने आ रहा है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है।

रील्स स्क्रॉलिंग की आदत से पेशंस लेवल खत्म हो रहा

मनोवैज्ञानिक पूर्वा जैन ने बताया कि सोशल मीडिया पर देखे जाने वाले रील्स का फॉर्मेट बेहद छोटा होता है, जो कुछ ही सेकंड में पूरा हो जाता है। ऐसे में लोग एक से 50 और 100 तक रील्स कब स्क्रॉल करते हैं, उन्हें एहसास नहीं होता। इससे लोग धीरे-धीरे पेशेंस खोते जा रहे हैं, वे हर काम को कम से कम समय में पूरा करने की सोचते हैं। वे किसी भी काम को पेशेंस के साथ नहीं कर पाते, इससे परिवारिक रिश्तों में तनाव, स्वास्थ्य और कॅरियर पर बुरा प्रभाव सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा।

रील्स कंटेंट बदल रहा बच्चों का नेचर

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. निलय मोझरकर ने बताया कि स्क्रीन टाइम बढ़ने से अब लगभग 7-18 साल तक के बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं। अब उनमें पढ़ाई के लिए पेशेंस कम होता जा रहा। इन दिनों कई डिफरेंट कंटेंट के साथ रील्स बनाया जाता है, ऐसे में जो कंटेंट स्क्रीन पर सबसे ज्यादा देखा जा रहा है, बच्चों का माइंड भी उसकी तरह बन रहा है। वे कम उम्र में ही बड़ों की तरह व्यवहार करने लगे हैं।

● छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुरूप विवाह पंचमी पर नडोरी, साखोचार, पाणिग्रहण और कन्यादान की रस्म

सिया बनीं दुल्हन, दूल्हा रघुराई...गाजे-बाजे के साथ निकली रामजी की बारात, फूलों की वर्षा से स्वागत

राम-सिया के शुभ विवाह की घड़ी है, मिलकर मंगल गाओ रे, सब मिल खुशियां मनाओ रे...श्रीराम -जानकी विवाह के अवसर पर शहरभर के मंदिरों में खासी धूम रही। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली, जो भगवान राम और माता सीता के विवाह रस्मों में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान जैतूसाव मठ, दूधाधारी मठ, गोपीदास मंदिर में विवाह की खास रस्में निभाई गईं। देर शाम तक मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ रही, यहां विवाह के पश्चात भी छत्तीसगढ़ी विवाह गीत के साथ, मिथिला के पारंपरिक भजन सुनने को मिले।

मिथिला परंपरा के अनुरूप उत्सव में दही-चिवड़ा का विशेष भोग

पुरानी बस्ती स्थित जैतूसाव मठ में सुबह 8 बजे से धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत हुई, जहां भगवान श्रीराम की गाजे-बाजे के साथ बारात निकाली गई। इस खास मौके पर मठ परिसर में महिलाएं भगवान की नजर उतारती दिखीं। पारंपरिक गानों में झूमते हुए, बारात नगर भ्रमण के पश्चात मठ परिसर पहुंची। यहां फूलों की वर्षा के साथ श्रीराम का स्वागत हुआ। छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुसार विवाह रस्में निभाई गईं, जहां महिलाओं ने नडोरी, साखोचार, पाणिग्रहण और कन्यादान जैसी खास रस्मों में मुख्य भूमिका निभाती दिखीं। विवाह के दौरान भगवान श्रीराम को खास दही-चिवड़ा का भोग लगाया गया, जो मिथिला की परंपरा है।

रायपुर। विवाह पंचमी के खास अवसर पर शुभ मुहूर्त में धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत की गई। देर रात तक श्रद्धालु भगवान श्रीराम और माता सीता के दर्शन के लिए शामिल हुए। इस दौरान बारात का स्वागत फूलों की वर्षा से किया गया, जहां नगरवासी बाजे-गाजे के साथ नगर भ्रमण में शामिल हुए। मंदिरों में खास भजन-कीर्तन का सिलसिला दिनभर चलता रहा, जहां लोग झूमते नजर आए।

बता दा बबुआ लोगवा देत काहे गारी..पारंपरिक गीत की धूम

तोहरा से पुछूं मैं ओ धनुषधारी, बता दा बबुआ लोगवा देत काहे गारी...विवाह पंचमी के अवसर पर पुरानी बस्ती स्थित गोपीदास मंदिर में ये पारंपरिक गीत सुनने को मिला। जो खासतौर पर मिथिला की महिलाएं वर श्रीराम के लिए गुनगुनाती नजर आईं। विवाह महोत्सव की रौनक सुबह से ही देखने को मिली, जहां वर-वधु पक्ष ने पारंपरिक रीति-रिवाज से विवाह रस्म पूर्ण की। जहां वधु मां सीता को वर पक्ष ने सोने की नथ और मांग टीका भेंट किए। इस खास अवसर पर सैकड़ों की भीड़ शामिल हुई, यहां खास अवसर पर वृंदावन से पोशाक लाई गई थी। जहां दिनभर में तीन बार से अधिक नई पोशाक भगवान को अर्पित की गई।

भव्य श्रृंगार के साथ चांदी के आसन पर विराजे सीता-राम

दूधाधारी मठ में विवाह पंचमी उत्सव की शुरुआत पारंपरिक तेल-हल्दी रस्म के साथ हुई। विशेष अवसर पर मठ परिसर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया। गर्भगृह में श्री राम-जानकी का चल विग्रह चांदी के आसन पर विराजमान नजर आए, जहां मंडप सजाकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान और विवाह की रस्में निभाई गईं। देर रात तक मठ परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही, जो टिकावन टीकने के लिए पहुंचे। इस पावन अवसर पर भगवान श्रीराम और माता सीता का चांदी और स्वर्ण आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। श्रृंगार में फूलों की मालाओं में भी अनोखी झलक देखने को मिली, मां सीता ने रामनाम की माला पहनी, जबकि भगवान राम ने सीता नाम की माला धारण कर भक्तों का मन मोह लिया।

महिलाओं ने उतारी भगवान की नजर

रायपुरा स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर में निषाद समाज की महिलाएं विवाह की रस्में पूरी करती दिखीं, सुबह मंगलाआरती में सौ से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ रही। दिनभर महिलाओं द्वारा विवाह रस्में निभाई गईं, वहीं लोग परिजनों के साथ दर्शन के लिए मंदिर परिसर पहुंचे। छत्तीसगढ़ी पारंपरिक रस्मों के साथ विवाह कार्यक्रम पूर्ण हुआ, वहीं देर शाम भजन संध्या का भी आयोजन किया गया।

इवेंट लाइव

आधुनिक कृषि पद्धतियों पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

रायपुर। कृषि महाविद्यालय के बीएससी चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने ग्राम नकटी, धरमपुरा में "आधुनिक खेती, आधुनिकीकृत कृषि पद्धतियां" विषय पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति का उद्देश्य ग्रामीण किसानों तक नई कृषि तकनीकों और आधुनिक पद्धतियों की जानकारी पहुंचाना था। इस दौरान छात्रों ने उनके संचार, नेतृत्व और विस्तार शिक्षा कौशल को मजबूत करने का प्रयास किया है, साथ ही ग्रामीण किसानों तक नई और प्रभावी कृषि तकनीकों का संदेश पहुंचाते हुए उनसे खास बातचीत भी की।

नई कृषि तकनीकों पर किसानों से चर्चा

नाटक के दौरान ईशा ठाकरे, पूर्णेंद्र कुमार वर्मा, दर्शन साहू, कौशल साहू, ऋतिका बंजारे, पिंकी शोरी, पूजा द्विवेदी और दीपचंद विद्यार्थियों ने नाटक प्रस्तुत किया, साथ ही ग्रामीणों को कृषि संबंधित कई जानकारियां भी साझा कीं। इस दौरान दौ सौ से अधिक किसान परिवार नाटक देखने शामिल हुए, जिन्होंने बेहतर खाद, कम जगह में सब्जियों की खेती, महंगे फल के उपज पर खास बातचीत की। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय की डीन डॉ. आरती गुहे और कार्यक्रम संचालक डॉ. रविंद्र सोनी उपस्थित रहे।

आवास मेले के समापन समारोह में उमड़ी भीड़ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने बांधा समां

रायपुर। आवास मेले में समापन दिवस पर आवास खरीदारों की संख्या सबसे अधिक रही। रायगढ़, कोरबा, जशपुर, राजनांदगांव, कांकेर, जगदलपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा सहित कई जिलों के प्रोजेक्ट्स में बड़ी संख्या में बुकिंग हुई। रायपुर के प्रमुख प्रोजेक्ट कबीर नगर, भुरकोनी, बोरियाकला, पिरदा, सेजबहार, नरदहा तथा नवा रायपुर (अटल नगर सेक्टर-12 फेस-2 तथा मुख्यमंत्री सह प्रधानमंत्री आवास योजना) में भारी बुकिंग दर्ज की गई। अटल विहार योजना, सामान्य आवास योजना और मुख्यमंत्री सह प्रधानमंत्री आवास योजना को नागरिकों ने अत्यधिक सराहा। तीन दिवसीय आवास मेला में 23 से 25 नवंबर शाम 7 बजे तक 879 अवासीय व व्यावसायिक संपत्तियों की बुकिंग प्राप्त हुई। इससे छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को 188 करोड़ की प्राप्ति हुई। ग्राहकों ने इस दौरान आकर्षक उपहार भी जीते, जिसमें भवन मूल्य के केवल 1 प्रतिशत राशि पर बुकिंग, तत्काल बैंक लोन सुविधा और प्रतिदिन आयोजित लकी ड्रॉ. ने लोगों को बड़ी संख्या में मेला स्थल तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। मेले में कूपन भरकर प्रतिदिन रात 10 बजे टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मिक्सर- ग्राइंडर तथा प्रेस जैसे उपहार दिए गए। जबकि बंपर पुरस्कार के रूप में स्विफ्ट कार, होंडा शाइन बाइक और होंडा एक्टिवा शामिल हैं।

डॉ. रमन बोले- सायजी को आवास वाले बाबा के नाम से जानेंगे

आवास मेले के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा समेत आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद भी शामिल हुए। इस मौके पर डॉ. रमन ने कहा कि भविष्य में मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायजी को लोग आवास वाले बाबा के नाम से जानने वाले हैं। हाउसिंग बोर्ड ने मेले ने 1 प्रतिशत दर पर आवास बुकिंग की अवधि 30 नवंबर तक बढ़ा दी है। साथ ही मेला बुधवार 26 नवंबर को भी जारी रहेगा।

अइसन छत्तीसगढ़िया भाखा कौनो संग...

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा बीटीआई ग्राउंड पर आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय आवास मेले का मंगलवार को रंगारंग समापन हुआ। इस दौरान छत्तीसगढ़ी लोकगायक सुनील तिवारी ने अपनी मधुर आवाज में पारंपरिक लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति से समां बांधा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की सुरमयी रात करीब 9 बजे सजी। लोकगायक व साथियों ने रात को लोक सुरों की सुरमई बना दिया। सुनील तिवारी ने जब मोर भाखा के संग दया मया के सुग्घर हवे मिलाप रे और अइसन छत्तीसगढ़िया भाखा कौनो संग... गुनगुनाया तो दर्शक झूम उठे। श्री तिवारी ने राउत गीत, ददरिया, सोहर, विवाह, पंथी गीतों से दर्शकों में उत्साह, आनंद और उर्जा का संचार कर दिया।

ये हुए शामिल

समापन अवसर पर मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, यह आवास मेला नागरिकों के सपनों को पूरा करने का सर्वोत्तम माध्यम सिद्ध हुआ है। बीटीआई ग्राउंड में आयोजित गोंडवाना राष्ट्रीय आजीविका एवं सांस्कृतिक कला महोत्सव (मेला) 2025 में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल का स्टॉल 14 दिसंबर तक लगा रहेगा, हितग्राही आवास मेले के बाद भी इसी जगह पर आकर हाउसिंग बोर्ड से संबंधित जानकारी ले सकते हैं। इस अवसर पर हाउसिंग बोर्ड आयुक्त अवनीश कुमार शरण और हाउसिंग बोर्ड के मुख्य संपदा अधिकारी सुनील कुमार सिंह उपस्थित रहे। मुख्य संपदा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने समापन समारोह में आभार व्यक्त किया।

पांचो तख्त के दर्शन कर हजार से अधिक यात्री स्पेशल ट्रेन से आज पहुंचेंगे स्टेशन

रायपुर। गुरु तेगबहादुर साहेब के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित पंज तखत दर्शन सिमरन यात्रा की ट्रेन आज स्टेशन पहुंचेगी। गुरुद्वारा श्री गुरुसिंग सभा स्टेशन रोड से साध-संगत स्पेशल ट्रेन से रायपुर रेलवे स्टेशन से 13 नवंबर को रवाना हुई थी। यह ट्रेन 14 नवंबर को तख्त हुजूर साहेब नांदेड़, 16 नवंबर को तख्त अनंतपुर साहेब पंजाब, 17 नवंबर को तख्त श्री दमदमा साहेब बठिंडा पंजाब, 18 और 19 नवंबर को अकाल तख्त श्री अमृतसर पंजाब, 20 नवंबर को रकाबगंज साहेब दिल्ली बंगला साहेब दिल्ली, 22 नवंबर को तख्त श्री पटना साहेब बिहार, 23 एवं 24 नवंबर को धुबरी साहेब धुबरी असम से होते हुए बुधवार को दोपहर 1 बजे स्टेशन वापसी होगी। संगत अपने-अपने बोगी में भक्तिभाव से भजन सिमरन करते हुए पांचो तख्त की यात्रा कर अपने आप को धन्य मान रही है। यात्रा के संयोजक गुरुद्वारा स्टेशन रोड के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह छाबड़ा इस दर्शन सिमरन यात्रा के मुख्य जत्थेदार हैं। वहीं उनके सहयोगी इंदरजीत सिंग छाबड़ा सहित यात्रा में लगभग 1000 दर्शनार्थी यात्रा कर पाचों तखत के दर्शन कर लौटेंगे। 18 कोच की स्पेशल ट्रेन में एसी व स्लीपर कोच की सुविधा दर्शनार्थियों को उपलब्ध हुई है। यह दर्शन सिमरन यात्रा छत्तीसगढ़ से पहली बार संगत को पांचो तख्त के लिए रवाना की गई थी। इस दर्शन यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण जगह यात्रा का स्वागत व सम्मान हुआ।

जत्थे का स्टेशन पर होगा भव्य स्वागत

एक बोगी को विशेष रूप से सजाया गया है, जिसमें गुरुग्रंथ साहेबजी छोटा स्वरूप (सांची साहेब) का स्वरूप रखा गया है। इस बोगी में भजन-सिमरन के साथ यात्रा पूरी की गई। हर बोगी में कीर्तन सुनने के लिए स्पीकर लगे हुए हैं। गुरुद्वारा स्टेशन रोड के सचिव तेजिंदर सिंह होरा, मंजीत सिंग सलूजा ने सभी धर्मप्रेमी संगत को दोपहर 1 बजे स्टेशन पहुंचकर यात्रा से लौट रही साध-संगत का स्वागत करने की अपील की है।

समरसता यात्रा का ओडिशा में हुआ भव्य स्वागत

रायपुर। सामाजिक एकता, संस्कृति और संगठन सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ यादव ठेठवार समाज की सामाजिक समरसता यात्रा चार दिनों तक अनेक गतिविधियों, स्वागत, यात्राओं और चिंतन-संवाद के साथ संपन्न हुई। प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि यात्रा में छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के सामाजिक स्वजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज की शक्ति और एकजुटता का प्रदर्शन किया। यात्रा की शुरुआत खरियार रोड में परिचय सम्मेलन एवं स्वल्पाहार से हुई। सामाजिक स्वजनों में मातृशक्ति, युवाशक्ति और वरिष्ठजनों ने आत्मीय परिचय देकर समरसता के भाव को प्रगाढ़ किया। इसके बाद बाइक रैली उड़ीसा सीमा खरियार रोड पहुंची, जहां अभूतपूर्व स्वागत किया गया। तड़बोड़ पहुंचने पर ओडिशा गुड़ा राज के यादव बंधुओं द्वारा ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक ओडिशा नृत्य मंडली, आतिशबाजी और संगीत के साथ अत्यंत भव्य स्वागत किया गया।

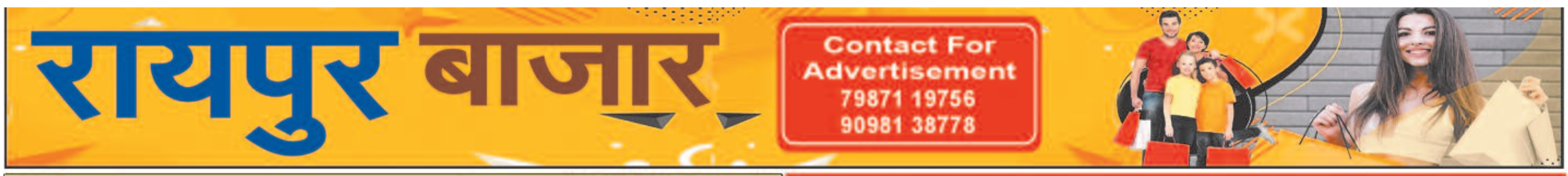

सिटी स्पोर्ट्स

छत्तीसगढ़ की संजू के बेहतरीन प्रदर्शन से भारत ने जीता कबड्डी विश्वकप

रायपुर। बांगलदेश के ढाका में 17 से 24 नवम्बर तक आयोजित द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में चाइनीज ताइपे को हराकर इतिहास रच दिया। सोमवार 24 नवंबर को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने चाइनीज ताइपे को 35-28 से पराजित कर लगातार दूसरे विश्व कप में विजेता बनने का गौरव हासिल किया है। छत्तीसगढ़ की संजू देवी प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रही। छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष के इतिहास में यह प्रथम अवसर रहा जब राज्य के किसी भी कबड्डी खिलाड़ी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया। मार्च 2025 में ही संजू देवी ने ईरान में आयोजित 6वीं महिला एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया और कबड्डी वल्डकप के लिए क्वालीफाई किया था। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बिलासपुर में संचालित बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी की संजू देवी ने वर्ल्डकप के पहले मैच से ही अपने मंसूबे बता दिए कि न सिर्फ वह कबड्डी वल्डकप हासिल करेंगी बल्कि इस पूरे टूर्नामेंट में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करेंगी, इसी का नतीजा रहा कि, उन्हें इस पूरे टूर्नामेंट में उनके द्वारा किये गये शानदार प्रदर्शन के लिए "प्लेयर आफ द टूर्नामेंट" चुना गया।

राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन स्पर्धा में बीएसपी गर्ल्स टीम बनी उपविजेता

भिलाई। 25 वीं छत्तीसगढ़ जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन बलौदा बाजार जिला संघ के संयुक्त तत्वावधान में पलारी में 21 से 23 नवंबर तक किया गया। इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र के बालिका टीम उप विजेता रही एवं बालक टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भिलाई इस्पात संयंत्र बॉल बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष रज्जी उन्नी, डीएम ब्लास्ट फर्नेस, सचिव, टीवीएस रेड्डी, संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इसरार अहमद खान, महासचिव वाय। राजा राव, कोषाध्यक्ष, श्यामल बनर्जी, आदि ने शुभकामनाएं दी है।

अंतर महाविद्यालयीन बॉक्सिंग में यूटीडी का शानदार प्रदर्शन

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के तत्वाधान में शासकीय जे योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के द्वारा अंतर महाविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता 24 नवंबर को आयोजित की गई। जिसमे यूटीडी पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की महिला एवं पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निम्न भार वर्ग में 54-57 किग्रा में सुष्मिता नायक ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा पुरुष वर्ग में 50-55 किग्रा में सनत कुमार ने स्वर्ण पदक, 60-65 किग्रा में लीलेंद्र साहू ने स्वर्ण पदक तथा 75-80 किग्रा में कुश चंद्राकर ने रजत प्रदक प्राप्त किया। टीम प्रबंधक के रूप में अनुपम कुमार सिंह तथा टीम कोच के रूप में उपासना विश्वकर्मा ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुलपति प्रो सच्चिदानंद शुक्ल, शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो राजीव चौधरी, प्रो रीता वेणुगोपाल एवं प्रो सी डी आगाशे ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए शुभकामनाये दी।

शालेय शतरंज टीम नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने अगरतला रवाना

रायपुर। 69 वी राष्ट्रीय शालेय शतरंज़ 17 वर्ष बालक बालिका चैंपियनशिप का आयोजन नेताजी सुभाष रीजनल कोचिंग सेंटर , अगरतला , त्रिपुरा में 27 से 30 नवम्बर तक किया गया है। छत्तीसगढ़ दल का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मुंगेली में 21 से 23 नवम्बर तक आयोजित था। छत्तीसगढ़ राज्य टीम में बालक 17 वर्ष में दिव्य कुमार साहू, भुवनेश्वर सिंह ठाकुर, सोहम विश्वास, अमन सिंह, गगन साहू. बालिका 17 वर्ष में इशिका साहू, विनिता कैवर्त, दीपाली राजपूत, फरहीन खान, मिताली राजपूत है। छत्तीसगढ़ दल के प्रबंधक एवं प्रशिक्षक सुबोध कुमार सिंह एवं बालिका मैनेजर सीमा है। टीम के रवाना होने पर छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचालनय के सहायक संचालक क्रीड़ा संजय शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी डाहीरे , सहायक क्रीड़ा अधिकारी विजय वर्मा, वरिष्ठ खेल अधिकारी संजय पॉल ने शुभकामनाएं दी हैं।

बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों की सेहत पर ध्यान देना जरूरी

हड्डियों हो रही कमजोर या कट-कट की आती है आवाज तो हो जाएं सावधान, घरेलू उपाय देंगे राहत

हड्डियों में दर्द और जोड़ों से कट-कट की आवाज आने पर कैल्शियम और प्रोटीन फूड का सेवन करना चाहिए। इसके लिए नाश्ते में और दोपहर की डाइट में कुछ ऐसे फल और सब्जियों का सेवन करता चाहिए जो हड्डियों की परेशानी को कम करते हैं। आइए जानते हैं हड्डियों के दर्द को करने के घरेलू उपायों के बारे में।

जब इंसान की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, तो जोड़ों से कट-कट की आवाज आने लगती है। हड्डियों की बीमारी कई तरह की होती है। कट-कट की आवाज अगर जोड़ों से आती है, तो इसे ऑस्टियोपीनिया का लक्षण माना जाता है। हड्डियों में दर्द के साथ उठने बैठने पर कट-कट की आवाज ऑस्टियोपीनिया का मुख्य लक्षण है।

इसके अलावा हड्डियों की कई अन्य बीमारियां हैं, जो शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी की वजह से होती हैं। गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर समस्या भी खान-पान और एक्सरसाइज में ठीक से ध्यान न देनी की वजह से हो सकती हैं। हड्डियों की बीमारी से बचने और दर्द से राहत देने वाले घरेलू उपाय अपनाए जा

कट-कट की आवाज के घरेलू उपाय

कमजोर होती हड्डियों को पोषण देने के लिए कैल्शियम फूड का सेवन करना चाहिए। ज्यादातर लोगों को दूध का सेवन करने से पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम मिल जाता है। अगर आप रोजाना एक ग्लास दूध पीते हैं, तो आपके शरीर के लिए जरूरी कैल्शियम आसानी से मिल जाता है।

दूध के अलावा हड्डियों में दर्द और कट-कट की आवाज को कम करने के लिए पनीर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। जोड़ों में दर्द की परेशानी है तो कच्चे पनीर का सेवन करना चाहिए। कच्चे पनीर के सेवन से दर्द की समस्या दूर होती है। हड्डियों में दर्द और कमजोरी को दूर करने के लिए हेल्दी डाइट लेनी चाहिए। हड्डियों के लिए हेल्दी डाइट में दो ड्राई फ्रूट को शामिल करना चाहिए। रोजाना की डाइट में आप कम से कम 5 से 8 बादाम और 4 अखरोट का सेवन कर सकते हैं। बादाम में कैल्शियम की मात्रा होती है वहीं अखरोट से ओमेगा 3 फैटी एसिड मिलता है।

शरीर में कैल्शियम की कमी की वजह से हड्डियों की परेशानी होती है। ऐसे में कैल्शियम के लिए डेली डाइट में संतरे का सेवन भी फायदेमंद होता है। संतरे के जूस या अन्य खट्टे फलों के सेवन शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होती है। हड्डियों के पोषण के लिए साबूत अनाज का सेवन फायदेमंद होता है। भूना हुआ चना भी हड्डियों को मजबूत करने का काम

करता है। चने में पाये जाने वाले पोषक तत्व हड्डियों की बीमारी से बचाने वाले होते हैं।

हड्डियों से कट-कट की आवाज आना या उनका कमजोर होना

कई कारणों से हो सकता है, जैसे पोषण की कमी, कार्टिलेज का घिसना, या चोट। यदि यह दर्द या सूजन के साथ हो तो यह गंभीर हो सकता है। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर

आहार लें, नियमित व्यायाम करें, और यदि लक्षण बने रहें तो डॉक्टर से सलाह लें।

कारण: पोषक तत्वों की कमीः कैल्शियम और विटामिन डी की कमी से हड्डियां और जोड़ कमजोर हो सकते हैं, जिससे आवाज़ आती है। कार्टिलेज का घिसनाः घुटने जैसे जोड़ों में कार्टिलेज के घिसने से भी आवाज़ आ सकती है। चोट या चोट के बाद की स्थितिः ठीक से ठीक न होने वाले फ्रैक्चर से भी हड्डी कमजोर हो सकती है और दर्द हो सकता है। अन्य कारणः गठिया, अत्यधिक वजन और उम्र से संबंधित समस्याएं भी इसका कारण बन सकती हैं।

क्या करें: कैल्शियम और विटामिन डी युक्त आहार लेंः अपनी डाइट में दूध, दही और हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल करें। नियमित व्यायाम करेंः नियमित शारीरिक गतिविधियां हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करती हैं। सप्लीमेंट्सः डॉक्टर की सलाह पर कैल्शियम, मैग्नीशियम और विटामिन डी सप्लीमेंट्स ले सकते हैं।

टेटे में वरिष्ठ खिलाड़ियों ने दिखाया दम

■ द्वितीय छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता का समापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की छत्तीसगढ़ वेटरन्स टेबल टेनिस समिति द्वारा सप्रे शाला टेबल टेनिस हॉल, रायपुर में द्वितीय छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 संपन्न हुयी। उक्त प्रतियोगिता के सम्बन्ध में प्रतियोगिता के आयोजन सचिव प्रदीप जोशी ने जानकारी दी की प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला थे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर जादवानी ने की। मंच पर छत्तीसगढ़ वेटरन टेबल टेनिस समिति के चेयरमेन प्रदीप जनवदे एवं आयोजन सचिव प्रदीप जोशी थे। मंच संचालन छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सह सचिव विमल नायर ने किया। प्रतियोगिता में पहली बार आयु वर्ग 50 में विनय बैसवाड़े (रायपुर), आयु वर्ग 60 में संजय लहेजा (बिलासपुर) एवं आयु वर्ग 70 में सुरजीत सेनगुप्ता (बिलासपुर) पुरुष एकल विजेता बने। प्रतियोगिता के परिणाम के अंतर्गत पुरुष एकल (आयु वर्ग 40) में विजेता-ए संतोष (दुर्ग), उपविजेता-रजनीश ओबेराय (दुर्ग) 2-0, तृतीय-मंदार कुलकर्णी (रायपुर), पुरुष एकल (आयु वर्ग 50) में विजेता -विनय बैसवाड़े (रायपुर), उपविजेता-राज शेखर शर्मा (रायपुर महानगर), 2-0, तृतीय-राजेश अग्रवाल (रायपुर), पुरुष एकल (आयु वर्ग 60) में विजेता संजय लहेजा (बिलासपुर), उपविजेता-गिरिराज बागड़ी (रायपुर) 2-1 तृतीय योगेश प्रधान (रायपुर),पुरुष एकल (आयु वर्ग 65) में विजेता-पीएन मजुमदार (कोरिया), उपविजेता-के रविशंकर (बिलासपुर) 2-1, तृतीय-हरीश पांडे (रायपुर), पुरुष एकल (आयु वर्ग 70) में विजेता-सुरजीत सेनगुप्ता (बिलासपुर), उपविजेता- प्रदीप जनवदे (रायपुर) 2-0, तृतीय- केबी सिंह (रायपुर), पुरुष एकल (आयु वर्ग 75) में विजेता डॉ भरत अग्रवाल (खैरागढ़), उपविजेता- एबी पुरंग (दुर्ग) 2-0,तृतीय अरुण पटेल (धमतरी) महिला एकल (आयु वर्ग 40) में विजेता- दिव्या आमदे (रायपुर महानगर), उपविजेता-डा स्वाति बांठिया (रायपुर) 2-0, तृतीय- प्रमिला देवांगन (रायपुर महानगर), महिला एकल (आयु वर्ग 60) में विजेता प्रमिला ठाकुर (रायपुर महानगर), उपविजेता-रेणुका सुब्बा (रायपुर) 2-1 और तृतीय ईरा पंत (रायपुर) रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर अभिनव शर्मा एवं सहायक मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे, राष्ट्रीय अंपायर पुलकित यदु थे।

जिला सीनियर भारोत्तोलन टीम की चयन प्रतियोगिता 29 को

रायपुर। रायपुर जिला सीनियर पुरुष/महिला भारोत्तोलन टीम की चयन प्रतियोगिता 29 नवंबर को प्रोफ़ेसर जे एन पांडे शासकीय उच्चतर विद्यालय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम के सामने आयोजित है। जिसमें सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक खिलाड़ियों का शरीर का वजन लिया जाएगा एवं सुबह 11:30 बजे प्रतियोगिता प्रारंभ कर दी जाएगी। रायपुर जिला भारोत्तोलन संघ के सचिव रुस्तम सारंग ने बताया कि आगामी राज्य स्तरीय सीनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने रायपुर जिला भारोत्तोलन संघ द्वारा रायपुर जिला की टीम का गठन करने यह चयन प्रतियोगिता आयोजित की गई है। चयन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को आईडब्ल्यूएलएफ द्वारा जारी नेशनल आई डी कार्ड एवं आधार कार्ड की मूल प्रति एवं स्वःहताक्षरित छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा। खिलाड़ी की आयु 15 वर्ष से अधिक होना चाहिए तथा अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन संघ के द्वारा निर्धारित वजन वर्ग 8 महिला एवं 8 पुरुष वर्ग में चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। रायपुर जिला के खिलाड़ी यदि इस चयन प्रतियोगिता में भाग नहीं लेते है तो उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी एवं किसी अन्य जिला/यूनिट से खेलने हेतु एनओसी नहीं दी जाएगी। अधिक जानकारी हेतु गुढ़ियारी में स्थित जय सतनाम व्यायाम शाला में दीपक धीवर प्रचार सचिव एवं अजय दीप सारंग से संपर्क कर सकते है।

अंडर-19 में छत्तीसगढ़ आगे विकल्प के नाबाद 53 रन

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा मेंस अंडर-19 कूच बेहार ट्रॉफी 2025 का आयोजन 16 नवंबर से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा चार दिवसीय मैच (23-26 नवंबर) सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश अंडर-19 टीम के विरुद्ध खेला गया। तीसरे दिन उत्तर प्रदेश अंडर 19 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 77 ओवरों में 10 विकेट खोकर केवल 180 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से वेदांश खेड़िया ने शानदार 82 नाबाद रन बनाये, उनके अतिरिक्त फैज खान ने 28 रन तथा शिवम यादव ने 21 रन बनायें। उत्तर प्रदेश टीम की ओर से अयान अकरम ने 4 विकेट एवं आदित्य कुमार सिंह ने 3 विकेट हासिल किए। उत्तर प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 117.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 370 रन बनाए। उत्तर प्रदेश की ओर से कार्तिकेय ने 88 रन, भव्य गोयल ने 87 रन तथा अनमोल ने 73 रन बनाये। वही छत्तीसगढ़ की ओर से फैज खान ने 3 विकेट, विधान जैन तथा धनंजय नायक ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। तीसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 71 ओवरों में 5 विकेट खोकर 214 रन बना लिये हैं। छत्तीसगढ़ की ओर से विकल्प तिवारी ने नाबाद 53 रन तथा बालाजी राव ने 38 रन बनायें वहीं उत्तर प्रदेश की ओर से रवि सैनी ने 3 विकेट प्राप्त किये। तीसरे दिन के मैच की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ 24 रनों से आगे है।

अंडर-14 एलिट ग्रुप के सेमीफाइनल मुकाबले शुरू

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित अंडर-14 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मैच मंगलवार से शुरू हुआ। पहले दिन बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन ने प्लेट कंबाइंड के विरुद्ध टॉस जीता और पहले क्षेत्र रक्षण करने का फैसला किया। बल्लेबाजी में प्लेट कंबाइंड टीम पहली पारी में 338 रन पर आउट हो गई। आयुष्मान रे ने 54 रन बनाएं। विकेटकीपर अमिताभ सिंह ने 51 रन, सिद्धांत शुक्ला ने 47 रन, अनंत ठाकुर ने 40 रन और स्वास्तिक केसरी ने 35 रन बनाए। गेंदबाजी में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के आर्य प्रताप सिंह और आर्यन मेहता ने तीन-तीन विकेट लिए। भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन अपनी बल्लेबाजी कल प्रारंभ करेगी।

राजनांदगांव में टीम रायपुर ने रायपुर ब्लू के विरुद्ध टॉस जीता एवं पहले क्षेत्र रक्षण करने का फैसला किया। बल्लेबाजी में रायपुर ब्लू पहली पारी 99 रन पर आउट हुई। जिसमें दर्श तुलसियान ने नॉट आउट 25 रन और आरव राज सिन्हा ने 20 रन बनाए। गेंदबाजी में रायपुर के अथर्व सिंह ने चार विकेट, हर्ष साहू ने तीन विकेट और समर्थ चांडक ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में रायपुर ने पहली पारी में 6 विकेट पर 220 रन और कप्तान अनमोल राज सिंह ने 68 रन बनाए। युवराज सिंह ने 54 एवं अथर्व सिंह ने 49 रन बनाए। गेंदबाजी में रायपुर ब्लू के अतुल्य डड़सेना ने पांच एवं शौर्य जायसवाल ने एक विकेट लिए।

महक के हरफनमौला प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ ने बिहार को 8 रन से हराया

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा वुमेंस अंडर 23 टी 20 क्रिकेट टुर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की टीम का पहला मैच 24 नवंबर को चंडीगढ में बिहार टीम के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 122 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से कृति गुप्ता ने 55 तथा रुमा दास ने 29 रन बनाये। साथ ही महक नरवसे ने 14 रनों का योगदान दिया। बिहार टीम की ओर से आर्या ने 2 विकेट लिए। 123 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिहार की टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 114 रन ही बना सकी। बिहार की ओर से निक्की कुमारी ने 45 रन तथा हर्षिता ने 26 रनों का योगदान दियां।छत्तीसगढ़ की ओर से महक नरवसे तथा श्रेया श्रिवास ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 8 रनों से जीत लिया।

कार्नर न्यूज

अपनी आदतों को बदल हो सकते हैं सहज

रिश्ते में प्यार और जुड़ाव बनाए रखना चाहते हैं तो छोड़नी होंगी कुछ आदतें

अगर आप अपने रिश्ते में प्यार और जुड़ाव बनाए रखना चाहते हैं तो खुद की ऐसी पांच आदतों को बदल लें जो किसी भी रिश्ते के लिए जहर होती हैं। रिश्तों को जितना संभालकर रखेंगे, उतना ही उनमें प्यार, जुड़ाव और मजबूती आएगी। जरा सी लापरवाही रिश्ते को खराब कर सकती है और भावनाओं को असर ला सकती है। आज के दौर में लोग अपने रिश्ते और पार्टनर को लेकर बड़ी-बड़ी उम्मीदें करते हैं लेकिन धैर्य बहुत कम रखते हैं। कई बार वह खुद ऐसी गलतियां कर जाते हैं जो रिश्ते को अंदर से खोखला कर देती हैं।

उन्हें पता भी नहीं चलता, लेकिन उनकी कुछ आदते पार्टनर को उनसे दूर कर देती हैं। हालांकि रिश्ता गलतियों से नहीं, रोज-रोज की कुछ जहरीली आदतों से टूटता है। अगर आप अपने रिश्ते में प्यार और जुड़ाव बनाए रखना चाहते हैं तो खुद की ऐसी पांच आदतों को बदल लें जो किसी भी रिश्ते के लिए जहर होती हैं। आइए उन 5 आदतों को समझते हैं जो प्यार को धीरे-धीरे खत्म कर देती हैं और अगर चाहें तो इन्हें समय रहते बदला भी जा सकता है।

जरूरत से ज्यादा कंट्रोल करना

प्यार और रिश्ते पर बुरा असर तब पड़ता है जब वह रिश्ता या प्यार घुटन में तब्दील हो जाता है। ऐसा तब होता है जब लोग अपने पार्टनर को जरूरत से ज्यादा कंट्रोल करते हैं। कई लोग प्यार को सुरक्षा समझते हैं पर निभाते मालिकाना हक की तरह हैं। किससे बात की? कहां जा रही हो? क्यों देर हुई? ये सवाल चिंता नहीं, कंट्रोल की शुरुआत होते हैं। लगातार निगरानी पार्टनर को कैद जैसा महसूस कराती है। धीरे-धीरे रिश्ते में भरोसा खत्म होता है और नजदीकियां दूरियों में बदल जाती हैं।

संवाद का टूटना

किसी भी रिश्ते में चुप्पी भी एक जहर है। रिश्ता बातचीत पर चलता है पर जब शिकायतें मन में जमा होने लगती हैं, तो चुप्पी झगड़े से भी ज्यादा खतरनाक बन जाती है। भावनाएं न कहना, गुस्सा दबाकर रखना, गलतफहमी बढ़ाना ये सब रिश्ते को भीतर ही भीतर खत्म करने लगते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बात करना छोड़ देते हैं, तो प्यार अपनी सांसें खो देता है।

समय न देना

आज के रिश्तों की सबसे बड़ी समस्या यही है कि टाइम नहीं है। काम, सोशल मीडिया, दोस्तों और फोन की दुनिया में पार्टनर के लिए समय कम पड़ जाता है। लेकिन जो रिश्ता समय से नहीं सींचा जाता, वह सूख जाता है। लोग कहते हैं हम तो एक ही घर में रहते हैं, कल बात करते हैं, फ्री होकर बात करता हूं।

लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह की बातें रिश्ते में बहाने की तरह होती है। जब आपके पास अपने पार्टनर को देने के लिए वक्त नहीं होता, तो उन्हें महसूस होने लगता है कि आपको उनकी और इस रिश्ते की कद्र नहीं करते।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ट्रोल्स के निशाने पर सिंगर जेनिफर, उदयपुर की परफॉर्म के बाद यूजर्स बोले शर्मनाक

उदयपुर में हुई एक रॉयल वेडिंग काफी चर्चा में है। एक अरबपति की बेटी की शादी में जहां कई नामी बॉलीवुड सेलेब्स ने परफॉर्म किया, वहीं हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज ने भी अपनी परफॉर्मेंस से समां बांध दिया। लेकिन सोशल मीडिया पर अब जेनिफर ट्रोल हो रही हैं। आखिर डांस परफॉर्मेंस के दौरान ऐसा क्या था, तो यूजर्स को खटक गया।

हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज ने अपने हिट गानों पर उदयपुर की शादी में परफॉर्म किया। वह स्टेज पर गाना गा रही थीं और डांस भी कर रही थीं। शादी में मौजूद लोग उनकी परफॉर्मेंस को पसंद कर रहे थे। लेकिन सोशल मीडिया पर अलग ही स्थिति देखने को मिलीं। वह इस डांस परफॉर्मेंस के बाद काफी ट्रोल हुईं। जेनिफर लोपेज ने शादी में जब परफॉर्मेंस दी तो उन्होंने ऐसे आउटफिट पहने तो जो काफी बोल्ड थे। यही बात सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आई। कई यूजर्स ने कहा कि वह जेनिफर के फैन है लेकिन इंडिया में उन्हें डिसेंट आउटफिट पहनना चाहिए था। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'शर्मनाक।' एक अन्य यूजर्स ने लिखा, 'शादी के लिए सही आउटफिट नहीं है।' इसी तरह के कमेंट यूजर्स ने जेनिफर के आउटफिट को लेकर किए। उदयपुर में यूएस बेस्ड अरबपति की बेटी की शादी में हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज ने ही परफॉर्म नहीं किया। इस शादी में रणवीर सिंह, कीर्ति सेनन के अलावा कई सेलेब्स ने परफॉर्मेंस दी। नोरा फतेही और माधुरी दीक्षित का डांस भी काफी चर्चा में रहा।

टॉलीवुड

रहमान के कॉन्सर्ट में पहुंचे धनुष, धमाकेदार एंट्री देख उत्साहित हुए फैंस

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तेरे इश्क में' की वजह से चर्चा में हैं, जो बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभिनेता ने संगीतकार एआर रहमान के पुणे कॉन्सर्ट में जैसी ही एंट्री की, दर्शकों में गजब का उत्साह देखा गया। ये वीडियो इंटरनेट पर अब तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेता धनुष की एआर रहमान के कॉन्सर्ट में स्पेशल एंट्री हुई। एक्टर लिफ्ट से अचानक स्टेज पर आते हैं। उन्हें देखते ही हजारों संख्या में मौजूद दर्शकों ने खूब हूटिंग की। उनके फैंस का उत्साह देखने लायक था। इसके बाद एक्टर ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। फिर उन्होंने गायक-संगीतकार एआर रहमान से मुलाकात की। कुछ और वीडियो सामने आए हैं, जिसमें अभिनेता माइक लिए कुछ कहते दिख रहे हैं। इन वीडियोज के वायरल होते ही नेटिजंस की तमाम प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। सभी यूजर्स अभिनेता पर अपना प्यार बरसा रहे हैं। सभी लाल दिल वाला इमोजी और फायर इमोजी बनाकर कमेंट कर रहे हैं।

एक्टर धनुष की आगामी फिल्म 'तेरे इश्क में' है, जो एक म्यूजिकल फिल्म है। इसका निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं। इसे हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखा है। इसके गानों को इरशाद कामिल ने लिखा है। साथ ही म्यूजिक देने का काम एआर रहमान ने किया है। इसमें धनुष और कृति सेनन के अलावा प्रभु देवा और सुशील दहिया भी हैं। फिल्म के निर्माता आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार, और कृष्ण कुमार हैं। यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज होगी।

भोजपुरी

'मैं कौन हूं' में प्यार के लिए घर से भागीं काजल , पति शादी के बाद सब भूला

भोजपुरी स्टार्स की फिल्मों के आने का फैंस इंतजार करते हैं। ऐसी ही एक एक्ट्रेस काजल राघवानी की धमाकेदार भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'मैं कौन हूं' एक तेज-तर्रार भोजपुरी एक्शन–ड्रामा के साथ आध्यात्मिक जागरण की कहानी है।

भोजपुरी स्टार्स की फिल्में आते ही धूम मच जाती है। कई सितारे ऐसे हैं जिनकी फिल्मों के आने का फैंस इंतजार करते हैं। अब ऐसी ही एक एक्ट्रेस काजल राघवानी की धमाकेदार भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसका नाम है 'मैं कौन हूं'। ट्रेलर को देखकर फैंस जोरदार तरीके से कमेंट कर रहे हैं। ट्रेलर को दो दिन में ही 53 हजार के पार व्यूज मिल चुके हैं। 'मैं कौन हूं' एक तेज-तर्रार भोजपुरी एक्शन–ड्रामा के साथ आध्यात्मिक जागरण की कहानी है। इस फिल्म में रोमांच, सस्पेंस और गहरी भावनाओं के साथ एक ऐसी यात्रा दिखाई गई है, जिसमें एक्टर सिर्फ दुनिया के अन्याय से ही नहीं, बल्कि अपनी आत्मा और अपनी वास्तविक पहचान से भी मुकाबला करता है। कहानी एक ऐसे आदमी की है जो पहले प्यार में डूबा रहता है, लेकिन जिंदगी की विश्वासघात, षड्यंत्र और दर्द उसे भगवान महाकाल की शरण में ले आते हैं। जब विलन उसे मिटाने की कोशिश करते हैं, तभी उसके भीतर दबी आध्यात्मिक शक्तियां जगती हैं — वही शक्तियां जो उसे 'मैं कौन हूं?' का जवाब देती हैं। काजल राघवानी, आनंद चतुर्वेदी , संजय पांडेय और देव सिंह की दमदार अदाकारी इस एक्शन भरी कहानी को और भी दमदार बनाती है। निर्देशक मृत्युंजय श्रीवास्तव ने एक्शन, भावना और आध्यात्मिक ऊर्जा को बड़े पर्दे पर गजब तरीके से उतारा है। ट्रेलर में संगीत, सिनेमैटोग्राफी और हर चीज की खूबसूरत झलक देखने को मिलती है।

फॉल रेड

लाइफ स्टाइल

फॉल 2025 ट्रेंड की बात करें तो रेड कुछ ज्यादा ही हावी है। हालांकि कई डिज़ाइनरों ने रनवे पर गहरे न्यूट्रल रंग दिखाए, लेकिन ब्राइट चेरी रेड निश्चित रूप से इस समय का कलर बनकर उभरा है। टोरी बर्च, सर्जियो हडसन और मार्केरियन जैसे लोगों के साथ, यह खुशनुमा रंग सबसे फीके विंटर वॉर्डरोब में भी तुरंत नई जान डाल देता है।

कोरियन स्टाइल स्किन केयर कर सकते हैं आप भी, आसान टिप्स ये रहे

कोरियन स्किन केयर आजकल सेल्फ केयर में सबसे कॉमन वर्ड बन चुका है। लेकिन अक्सर कोरियन स्किन केयर को महिलाओं से जोड़कर देखा जाता है। पर अब नहीं।पुरुष भी कोरियन स्किन केयर को अच्छे से इस्तेमाल कर सकते हैं और स्किन को बेहतर भी कर सकते हैं। ये काम कठिन बिलकुल नहीं है।लेकिन हां, ये उन पुरुषों के लिए ही है जो सच में स्किन केयर पर समय देते हैं। ये उनके लिए बिल्कुल नहीं है जो सिर्फ अच्छे कपड़े पहनकर और डियो छिड़क कर चल देते हैं।

कोरियन स्किन का त्वचा पर असर जल्दी दिखता है लेकिन इसको इस्तेमाल करने में समय भी देना पड़ता है। कोरियन मानते हैं कि आप अपना भविष्य अपने चेहरे में देख सकते हैं। इसलिए वो अपने चेहरे पर खूब ध्यान देते हैं। इसमें हायड्रेशन, पोषण और सुरक्षा सबकुछ शामिल होता है। ये लम्बी प्रकिया होती है लेकिन एक बार लाइफस्टाइल में शामिल हो जाने के बाद इसको आजमाना दिक्कत नहीं देता है।

कोरियन स्किन केयर का ये पहला स्टेप है। इसमें ऑयल बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल किया जाता है जो स्किन से प्रदूषण और गंदगी को निकाल देता है। इससे स्किन को तेल का पोषण भी मिलता है जो अंदर तक स्किन को रिलैक्स भी कर देता है। इससे सुबह या रात को सोने से पहले मसाज करें। ऑयल बेस्ड क्लींजिंग के बाद कोरियन स्किन केयर में डबल क्लींजर का इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए वॉटर बेस्ड क्लींजर ही इस्तेमाल करें। दरअसल माना जाता है वॉटर बेस्ड क्लींजर, पानी से जुड़ी अशुध्दता को कम करते हैं। इसको सुबह या रात में सर्कुलर मोशन में लगाएं। कोरियन स्किन केयर में एक्सफोलिएटर के तौर पर अखरोट, चावल या नमक का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन ये उनके लिए अच्छा है जिनकी स्किन ड्राई है। लेकिन इससे अलग बाकी लोगों को लेक्टिक एसिड, ग्लौकोलिक एसिड इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। जिसके साथ अच्छे से डेड स्किन हट जाती है। डेड स्किन हटती है तो जरूरी पोषण तत्व अच्छे से असर कर पाते हैं। इसको हफ्ते में दो बार शाम को इस्तेमाल करें। ये कोरियन स्किन केयर का सबसे जरूरी हिस्सा है। एसेंस स्किन को गहरे में जाकर हायड्रेट कारते हैं। ये वॉटर बेस्ड लोशन होते हैं या फिर हलके जेल।

दिखना चाहती हैं छरहरी वॉर्डरोब में शामिल करें इन्हें

फैशन में हैं एक्स-लाइन ड्रेसेस। फैशन के गलियारों में इतने ट्रैंड्स आपको देखने को मिल जाएंगे कि कुछ के तो आप नाम तक नहीं जानते होंगे। कई बार तो आपने जो आउटफिट पहना हुआ आपको उसी के बारे में सही से पता नहीं होता है। ऐसे में वेस्टर्न कल्चर से प्रभावित आउटफिट्स के बारे में जानना तो आपके लिए और भी ज्यादा मुश्किल हो जाता होगा। वेस्टर्न कल्चर से प्रभावित फैशन की एक खास बात होती है कि उसे बॉडी टाइप के अनुसार बनाया जाता है और आउटफिट का नाम भी उसी प्रकार से रख दिया जाता है। आपने ए-लाइन, वी नेकलाइन, काउल स्टाइल इन सभी के बारे में बहुत बार सुना होगा।

मगर क्या आपको पता है कि आजकल फैशन में एक्स-लाइन ड्रेसेस भी खूब चल रही हैं।

अपने नाम की ही तरह इनका शेप भी एक्स एल्फाबेट की तरह ही होता है। आज हम आपको इस आर्टिकल में एक्स लाइन फैशन के बारे में ही बताएंगे।

क्या होती हैं एक्स लाइन ड्रेसेस?

इन ड्रेसेस को देखने पर आपको अनुभव होगा कि यह एक्स एल्फाबेट से इंस्पायर्ड हैं और इनका शेप भी लगभग वैसा ही होता है। इसलिए आपको इसकी नेकलाइन अधिकतर क्रिस-क्रॉस स्टाइल में ही मिलेगी। कुछ में हॉल्टर नेकलाइन भी आपको दिख सकती हैं। वैसे तो यह दोनों ही नेकलाइन आपको इंडियन एथनिक आउटफिट्स में नजर आ जाएंगी, मगर एक्स-लाइन स्टाइल आपको वेस्टर्न ड्रेसेस में ही देखने को मिलेगा। इस तरह की ड्रेस फ्लेयर्ड होती हैं,मगर इनमें अम्ब्रेला कट घेर नहीं होता है। आपको एक्स-लाइन ड्रेसेस में स्ट्रैप ड्रेसे सबसे ज्यादा नजर आएंगी। यदि आपको नाइट पार्टी लुक चाहिए, तो इस तरह की ड्रेस आपके लिए बहुत अच्छा विक्लप हो सकती हैं।

माइल्ड शैम्पू और इन्हें इस्तेमाल करने के फायदे

ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्हें माइल्ड शैम्पू के बारे में जानकारी ही नहीं होती है। ऐसे में वे किसी भी शैम्पू से हेयर वॉश करना शुरू कर देते हैं। जबकि माइल्ड शैम्पू बालों के नेचुरल ऑयल को बरकरार रखते हुए उसे क्लीन करते हैं।

जैसा कि इसके नाम से ही पता चलता है, माइल्ड शैम्पू बालों (बालों के लिए उपाय) पर अधिक जेंटल होते हैं। इन्हें बिना किसी हार्श केमिकल की मदद से तैयार किया जाता है। यह सल्फेट और पैराबेन फ्री होते हैं। माइल्ड शैम्पू बनाते समय नेचुरलर इंग्रीडिएंट का इस्तेमाल किया जाता है। माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करने से उनके नेचुरल (नेचुरल डाइट)ऑयल पर नेगेटिव असर नहीं पड़ता है। जिसके कारण स्कैल्प की केयर करने में मदद मिलती है। अगर आपके बाल बहुत गंदे होते हैं और आप हर दिन हेयर वॉश करना चाहते हैं तो ऐसे में माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है। इनमें हानिकारक केमिकल्स नहीं होते हैं, इसलिए वे बालों पर जेंटल होते हैं। संसेटिव स्कैल्प पर केमिकल युक्त शैम्पू जलन पैदा कर सकते हैं। लेकिन माइल्ड शैम्पू को नेचुरल इंग्रीडिएंट्स की मदद से तैयार किया जाता है, इसलिए वे जलन, खुजली या फिर रेडनेस की संभावना को कम करते हैं। जहां रेग्युलर शैम्पू बालों को रूखा बनाते हैं, वहीं माइल्ड शैम्पू बालों को क्लीन करने के साथ-साथ उन्हें कंडीशन करने में भी मदद करते हैं। कलर्ड हेयर के लिए भी माइल्ड शैम्पू अच्छे माने जाते हैं। वे बालों के कलर को लंबे समय तक ऐसे ही बनाए रखने में मदद करते हैं। माइल्ड शैम्पू को नेचुरल इंग्रीडिएंट्स की मदद से तैयार किया जाता है, जिसके कारण इनसे बालों को पोषण भी मिलता है।

अपनाएंगी ये लिपस्टिक शेड्स, शादी-पार्टी में हर कोई करेगा तारीफ

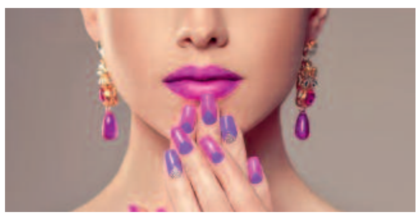

शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में किसी न किसी के घर-परिवार में शादियां तो हो रही हैं। बात जब महिलाओं की आती है तो उनको तैयार होने में पुरुषों के मुकाबले थोड़ा ज्यादा समय लगता है, क्योंकि वो मेकअप करती हैं। पर इसमें एक सबसे जरूरी चीज होती है जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगाती हैं और वो है लिपस्टिक। कई बार एक ही शेड्स का बार-बार इस्तेमाल करने की वजह से आपके लुक पर कोई खास ध्यान नहीं दे पाता। इसलिए इस बार शादी-पार्टी में आप कुछ खास लिपस्टिक शेड्स लगाकर जा सकती हैं।

न्यूड शेड: अगर आप चाहें, तो आप न्यूड शेड की लिपस्टिक भी लगा सकती हैं। दरअसल, ये शेड आपको सटस और सिंपल मेकअप लुक में और भी कमाल का लुक दे सकता है। इसकी सबसे खास बात ये है कि ये न्यूड शेड आपके होठों को कलर तो देती है, लेकिन ड्रमेटिक लुक नहीं देती है।

प्लम शेड: आप अगर शादी में हल्का मेकअप करके जा रही हैं, तो आप यहां पर प्लम शेड वाली लिपस्टिक लगा सकती हैं। ये शेड आपको सबसे अलग करने में मदद कर सकता है और आपके लुक को बिंदास बनाता है।

पिंक शेड : आमतौर पर महिलाएं अपनी ड्रेस के हिसाब से ही लिपस्टिक शेड चुनती हैं, लेकिन पिंक शेड ऐसा है कि आप किसी भी आउटफिट में इसे लगा सकती हैं। इस पिंक शेड से आपको एक कमाल का लुक मिलता है और आपकी हर कोई तारीफ कर सकता है।

वाइन शेड: आप अगर चाहती हैं कि शादी-पार्टी में लोग आपके लुक को देखकर आपकी तारीफ करते हुए न थके, तो फिर आप वाइन शेड की लिपस्टिक लगा सकती हैं। यकीन मानिए ये आपको बेहतरीन लुक दे सकता है।

कार्नर न्यूज

डेट पर जाने से पहले कुछ टिप्स को करें फॉलो

पहली डेट पर खुद को ऐसे करें तैयार, वो होंगी जरूर इंप्रेस और बढ़ेगा प्यार

अगर आप डेटिंग पर जा रहे हैं तो इन ड्रेसिंग टिप्स को जरूर आजमाएं पहली डेट है और ड्रेसिंग को लेकर चिंता बनी हुई है तो 'डोंट वरी' क्योंकि पहली डेट के लिए ड्रेसिंग का सही तरीका हम आपको बताए देते हैं। इन टिप्स के साथ आपकी पहली डेट पर आप परफेक्ट दिखेंगे। उनको आपका लुक पसंद आएगा और वो आपसे इम्प्रेस भी जरूर होंगी। आपको बेहतरीन लुक्स और ड्रेसिंग के लिए क्या करना होगा, जान लेते हैं-

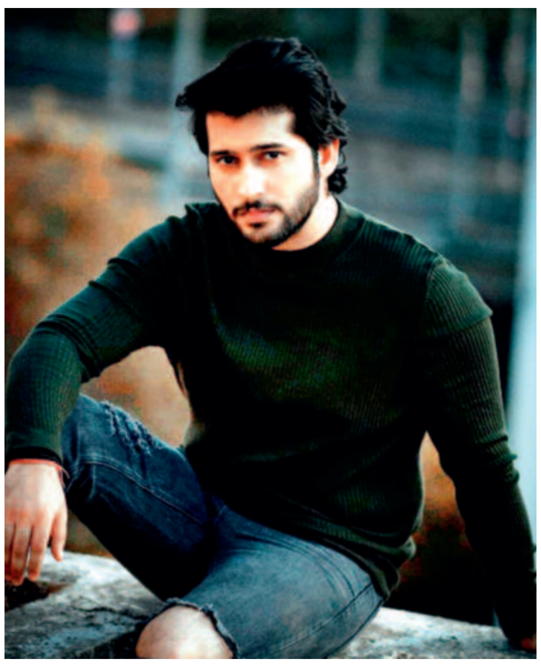

ध्यान से चुनें कपड़े

आप ब्रांड को लेकर बहुत सोचते हैं तो डेट पर अपनी ये सोच पीछे छोड़ दीजिए। आप भले ही अच्छे ब्रांड के कपड़े न पहनें लेकिन वो कपड़े जरूर पहनें जो आप पर अच्छे से फिट होते हैं। सिर्फ ब्रांड दिखाने के लिए महंगे कपड़े पहनने से बचें। इस वक्त जिन कपड़ों में अक्सर आपको तारीफ सुनने को मिलती है, उन्हें ही पहनें.

सही लगूंगा या नहीं

जिन कपड़ों को पहनकर लुक को लेकर जरा भी डाउट आए उन्हें आप छोड़ दीजिए, उन्हें न पहनना ही सही रहेगा। या ये कहें जो पहना है उसमें आत्मविश्वास महसूस हो, तब ही उसे कैरी करें.

चमकदार कलर को कहें न

बहुत चमकदार रंग पहनने से बचें। ऐसे रंग पहनें जो एकदम से ध्यान न खींचें। चमकदार रंगों के साथ आपका इम्प्रेशन खराब पड़ सकता है। क्योंकि ऐसे रंग सब पर अच्छे नहीं लगते हैं। और ये सबको भी अच्छे नहीं लगते हैं। इसलिए ऐसे रंगों से बचें।

ये तो बिल्कुल नहीं

ग्राफिक टी शर्ट आपका स्टाइल है। आप इसमें खुद के लुक को बेस्ट पाते हैं तो भी इन्हें डेट पर पहनने के बारे में सोचिएगा भी नहीं।

ग्राफिक टीशर्ट के साथ कार्गो शॉर्ट्स और सैंडल वगैरह भी बिल्कुल न पहनें। इस तरह के कपड़े और ड्रेसिंग से पहली डेट पर बचें।

ग्रूमिंग भी है जरूरी

आप कपड़ों को लेकर कितनी भी तैयारी कर लीजिए लेकिन अपनी ग्रूमिंग को बिल्कुल न भूलिए। सलीके से कटे बाल, ग्रूम्ड दाढ़ी और मूछे, इनका ध्यान जरूर रखें। दांतों की सफाई भी जरूरी है।